THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा तोड़ी गई खालिस्तानी नारे लिखे जाने की भी खबर

रोम , 12 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इटली दौरे से पहले एक शर्मनाक घटना सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बुधवार को खालिस्तानी चरमपंथियों ने उद्घाटन के कुछ ही देर बाद ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा तोड़ी गई। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक घटनास्थल को तत्काल साफ किया गया।

इस मामले को लेकर विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने कहा, हमने रिपोर्ट्स देखी हैं। भारत ने महात्मा गांधी की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाए जाने का मामला इटली के अधिकारियों के सामने उठाया है।

वर्ष-29 अंक : 81 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ.7 2081 गुरुवार, 13 जून-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

चंद्रबाबू चौथी बार सीएम

* पवन कल्याण डिप्टी सीएम * टीडीपी से 20 * जनसेना से 3 और भाजपा से 1 मंत्री ने शपथ ली

अमरावती, 12 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में भी एनडीए की सरकार बन गई है। तेलगु देशम पार्टी सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को राज्य के 24वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। चंद्रबाबू ने राज्य की चौथी बार कमान संभाली। इसके साथ ही उन्होंने आंध्र में सबसे ज्यादा बार मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

नायडू के अलावा जनसेना प्रमुख और एक्टर पवन कल्याण ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। उन्होंने शपथ लेने के बाद नायडू के पैर छुए। तीसरे नंबर पर नायडू के बेटे नारा लोकेश ने शपथ ली। नई सरकार में सीएम और डिप्टी सीएम समेत 25 सदस्य होंगे। इसमें टीडीपी के 20, जनसेना के 3 और भाजपा के एक मंत्री शामिल हैं। एक पद खाली रखा गया है। राज्यपाल अब्दुल नजीर ने विजयवाड़ा में केसरपल्ली आईटी पार्क में सीएम और मंत्रियों

को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह समेत एनडीए के मंत्री और अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। शपथ के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने नायडू को गले लगाकर बधाई दी।

कैबिनेट में नायडू के बेटे को भी जगह

नायडू के कैबिनेट में उनके बेटे और टीडीपी महासचिव नारा लोकेश, प्रदेश अध्यक्ष के. अत्चन्नायडू और जनसेना पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति के अध्यक्ष नादेंडला मनोहर शामिल हैं। टीडीपी के मंत्रियों में 17 नए चेहरे हैं। बाकी 3 पहले भी मंत्री रह चुके हैं।

जनसेना पार्टी के तीन मंत्री पवन कल्याण, नादेंडला मनोहर और कंडुला दुर्गेश हैं। सत्य कुमार यादव एकमात्र भाजपा विधायक हैं, जिन्होंने मंत्री पद की शपथ ली। मंत्रिमंडल में तीन महिलाएं हैं। सीनियर नेता एन मोहम्मद फारूक एकमात्र मुस्लिम चेहरा हैं।

मंत्रियों की लिस्ट में पिछड़ा वर्ग से 8, अनुसूचित जाति से 3 और अनुसूचित जनजाति से 1 शामिल है। नायडू ने कम्मा और कापू समुदायों से 4-4 मंत्रियों को शामिल किया है। रेड्डी समुदाय से 3 और वैश्य समुदाय से 1 को भी कैबिनेट में जगह मिली है। नायडू खुद कम्मा समुदाय से हैं। वहीं पवन कल्याण कापू समुदाय से आते हैं।

15वें सीएम बने मोहन चरण माझी

> केवी सिंहदेव और प्रभाती परिदा डिप्टी सीएम
> राज्य में पहली बार भाजपा की सरकार

भुवनेश्वर, 12 जून (एजेंसियां)। ओडिशा में पहली बार भाजपा की सरकार बन गई है। मोहन चरण माझी ने बुधवार को राज्य के 15वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। उनके साथ दो डिप्टी सीएम कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा ने भी शपथ ली।

माझी मंत्रिमंडल में 13 मंत्री भी शपथ लिए हैं। इनमें सुरेश पुजारी, रबिनारायण नाइक, नित्यानंद गोंड, कृष्ण चंद्र पात्रा, पृथ्वीराज हरिचंदन, मुकेश महालिंग, बिभूति भूषण जेना, कृष्ण चंद्र महापात्रा, गणेश राम सिंह खुंटिया, सूर्यवंशी सूरज, प्रदीप बालसामंता, गोकुला नंद मल्लिक और संपद कुमार स्वैन शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, अमित शाह के अलावा

उत्तर प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, असम, हरियाणा, गोवा और उत्तराखंड के सीएम भी मौजूद थे। ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पहली बार बहुमत के साथ जीत हासिल की है। राज्य की 147 सीटों में से भाजपा को 78 सीटें मिली हैं। वहीं, नवीन पटनायक की बीजू जनता दल को 51, कांग्रेस को 14, सीपीआई(एम) को 1 और अन्य को 3 सीटों पर जीत मिली है। ओडिशा को 24 साल बाद आदिवासी सीएम मिला। इससे पहले कांग्रेस के हेमानंद बिस्वाल राज्य के पहले आदिवासी सीएम थे। बिस्वाल 1989-1990 और 1999-2000 तक दो बार सीएम रहे।

महाराष्ट्र में बारिश से भूस्खलन, 2 की मौत

12 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट, मानसून गुजरात पहुंचा
यूपी-बिहार में सीवियर हीटवेव की चेतावनी

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने देश के 12 राज्यों के लिए आज तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, केरल, कर्नाटक और तेलंगाना शामिल हैं।

मानसून के कारण गोवा-महाराष्ट्र में बीते 24 घंटे में तेज बारिश हुई है। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कल्याण-अहमदनगर राजमार्ग के मालशेज घाट पर भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ। इससे पहाड़ी से एक बड़ा पत्थर ऑटो रिक्शा पर गिर गया। हादसे में चाचा-भतीजे की मौत हो गई। मरने वालों के नाम राहुल बबन भालेराव (30) और स्वयं सचिन भालेराव (7) हैं।

गुजरात में भी अनुमानित समय से 4 दिन पहले ही मानसून पहुंच गया है। राज्य के हर जिले में आज बारिश हो सकती है। इसके अलावा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा में भी हल्की बारिश की संभावना है। उधर, उत्तर भारत के कई राज्यों में तेज गर्मी पड़ रही है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के लिए सीवियर हीटवेव का अलर्ट जारी किया है।

राहुल धर्मसंकट में-वायनाड छोड़ूं या रायबरेली

मोदी की तरह भगवान से गाइडेंस नहीं मिला, मेरे लिए जनता ही भगवान है

तिरुवनंतपुरम, 12 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार 12 जून को केरल के दौरे पर हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद राहुल का यह पहला केरल दौरा है। मलप्पुरम में जनसभा के दौरान राहुल ने कहा-वायनाड सीट छोड़ूं या रायबरेली, यह मेरे लिए धर्मसकंट है। मोदी की तरह मुझे भगवान से गाइडेंस नहीं मिल रहा है। मैं साधारण मनुष्य हूं। वायनाड या रायबरेली का फैसला मुझे खुद ही करना होगा। मेरे लिए देश की गरीब जनता ही मेरी भगवान है। मैं जनता से बात करूंगा और फैसला लूंगा।

राहुल ने कहा कि केरल और उत्तर प्रदेश के लोगों ने पीएम मोदी को बताया है कि संविधान हमारी आवाज है और वे इसको छू नहीं सकते हैं। देश की जनता ने पीएम को बताया कि वे

तानाशाही नहीं कर सकते हैं। चुनाव से पहले भाजपा के नेता कहते थे कि वो संविधान को फाड़ देंगे। अब चुनाव के बाद मोदी संविधान को सिर से लगाते हैं। मोदी वाराणसी में मुश्किल से जीत पाए हैं। भाजपा अयोध्या में भी हार गई है। नफरत को मुहब्बत ने हरा दिया है।

राहुल ने कहा कि मोदी ने कहा था कि वो बायोलॉजिकल नहीं हैं। उन्हें परमात्मा ने भेजा है। मोदी जी के परमात्मा अडाणी-अंबानी के लिए फैसला लेते हैं। मोदी के परमात्मा कहते है कि मोदी जी बॉम्बे एयरपोर्ट अडानी को दे दीजिए, तो वो दे देते हैं। फिर कहते हैं कि लखनऊ एयरपोर्ट दे दीजिए तो मोदी दे देते हैं। फिर पावर ट अडाणी-अंबानी के नाम कर दिए जाते हैं। देश के हर राज्य में अलग-अलग भाषाएं हैं। हर राज्य के ट्रेडिशन सिर्फ संविधान की वजह से सुरक्षित है। अगर संविधान चले जाए तो कल कोई केरल आएगा और बोलेगा कि आप मलयालम बोले।

खुदरा महंगाई दर निचले स्तर पर

नई दिल्ली , 12 जून (एजेंसियां)। देश की खुदरा मुद्रास्फीति मई में सालाना आधार पर घटकर 12 महीने के निचले स्तर 4.75 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह पिछले महीने यानी अप्रैल में 11 महीने के निचले स्तर 4.83 प्रतिशत थी। l सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 2-6 फीसदी के सहिष्णुता दायरे में बना हुआ है। आंकड़ों के अनुसार क्रमिक आधार पर मुद्रास्फीति की दर मई में 0.48 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रही।

मई में खाद्य मुद्रास्फीति की दर अप्रैल के 8.75 प्रतिशत से घटकर मई में 8.62 प्रतिशत हो गई। हालांकि यह आंकड़ा मई 2023 की खाद्य महंगाई दर 3.3 प्रतिशत से अधिक है। ग्रामीण मुद्रास्फीति मई में घटकर 5.28 प्रतिशत रह गई, जो पहले 5.43 प्रतिशत थी। इस बीच, मई में शहरी मुद्रास्फीति की दर 4.15 प्रतिशत रही।

फलों और सब्जियों की मुद्रास्फीति अप्रैल के 27.8 प्रतिशत से घटकर मई में सालाना आधार पर 27.3 प्रतिशत पर आ गई। अनाज और दालों की कीमतें जो भारत के मुख्य आहार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, मुद्रास्फीति की दर क्रमशः 8.69 प्रतिशत और 17.14 प्रतिशत पर आ गई। ईंधन के मामले में मुद्रास्फीति दर मई में घटकर 3.83 प्रतिशत रह गई, जबकि अप्रैल में इसमें 4.24 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

संघ के ऑर्गेनाइजर में दावा-अजित से गठबंधन के कारण नुकसान

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुडे ऑर्गेनाइजर में छपे एक आर्टिकल में लिखा गया है कि लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा देने वाली बीजेपी महज 240 सीटों पर लड़खड़ा गई, इसका कारण यह है कि भाजपा नेताओं का अति आत्मविश्वास। "आएगा तो मोदी ही' इस भरोसे में रहने वाले कार्यकर्ता "जमीनी हकीकत' से अनभिज्ञ रहते हैं।

महाराष्ट्र में अजित पवार से हाथ मिलाने और कांग्रेस नेताओं को पार्टी में लेने से भाजपा को झटका लगा है। संघ के स्वयंसेवक रतन शारदा ने इस लेख में सवाल उठाया है कि जब बीजेपी और शिंदे शिवसेना के पास पर्याप्त बहुमत है तो अजित को साथ क्यों लिया? कई साल तक कांग्रेस की जिस विचारधारा के साथ लड़ाई लड़ी, सत्ता के लिए उसके लोगों को भाजपा ने साथ में लिया, इससे कार्यकर्ता दु:खी हो गए।

उपेंद्र द्विवेदी अगले सेना प्रमुख

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंगलवार 11 जून की रात लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को नया आर्मी चीफ अपॉइंट किया है। वे मौजूदा सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की जगह लेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी 30 जून को पदभार संभालेंगे।

इसी दिन मौजूदा सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे रिटायर हो रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी 30वें सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभालेंगे। इससे पहले वे सेना के वाइस चीफ, नॉर्दर्न आर्मी कमांडर, डीजी इन्फेंट्री और सेना में कई अन्य कमांड के प्रमुख के रूप में देश की सेवा कर चुके हैं। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी वर्तमान में वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के पद पर कार्यरत हैं। उनकी नियुक्ति में सरकार ने सीनियॉरिटी के सिद्धांत का पालन किया है। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी के बाद सबसे सीनियर अफसर दक्षिणी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी और लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह दोनों को 30 जून को रिटायर होना था। तीनों सेनाओं के प्रमुख 62 साल की उम्र तक या तीन साल, इनमें से जो भी पहले हो, तब तक सेवा दे सकते हैं। हालांकि, लेफ्टिनेंट जनरल रैंक के अधिकारियों की रिटायरमेंट एज 60 साल है, जब तक कि अधिकारी को फोर स्टार रैंक के लिए अप्रूव नहीं किया जाता है। टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को लेकर उत्साही होने के नाते, लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने नॉर्दर्न कमांड में सभी रैंकों की टेक्निकल बाउंड्रीज को बढ़ाने की दिशा में काम किया। उन्होंने बिग डेटा एनालिटिक्स, एआई, क्वांटम और ब्लॉकचेन-बेस्ड समाधानों जैसी महत्वपूर्ण और उभरती हुई टेक्नोलॉजी को बढ़ावा दिया।

गंगोत्री हाईवे पर बस 60 फीट नीचे गिरी

उत्तरकाशी, 12 जून (एजेंसियां)। उत्तरकाशी में गंगोत्री हाईवे पर मंगलवार देर रात रेलिंग तोड़ते हुए बस 60 फीट नीचे खाई में गिर गई। खाई में बस पेड़ से लटक गई। हादसे में 3 महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि 26 घायल हो गए। बस में 29 श्रद्धालु सवार थे।

मृतक महिलाएं हल्द्वानी, ऊधमसिंह नगर और नैनीताल की रहने वाली थीं। घायलों में यूपी के बरेली के 5, बुलंदशहर और मेरठ के 1-1 श्रद्धालु हैं। बाकी सभी घायल उत्तराखड के ही हैं। स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ, एम्बुलेंस, आपदा प्रबंधन और वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर बस में फंसे लोगों को निकाला। उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया। जहां के कई गंभीर घायलों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। हादसे में उत्तराखंड के हल्द्वानी की रहने वाली दीपा (55) की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दो गंभीर महिलाओं को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

Sri A. Revanth Reddy Garu,
Hon'ble Chief Minister of Telangana.

food
A'FAIR

Sri D. Sridhar Babu Garu,
Hon'ble Minister for Information Technology, Electronics, Communications, Industries and Commerce, Government of Telangana.

INVITING ALL
FOOD & BEVERAGE
INDUSTRIES

DATE: 13TH-15TH JUNE, 2024
HALL NO. 1, HITEX,
IZZAT NAGAR, HYDERABAD

SHOW TIMINGS:
13 June: 10:00 AM - 6:00 PM
14 June: 10:00 AM - 6:00 PM
15 June: 10:00 AM - 4:00 PM

HIGHLIGHTS:
Meet Food & Beverage producers from across India.
3 days of networking and business opportunities.
Focused trade fair on Food & Beverages in Hyderabad.

Visit to experience the grand food exhibition with a potential to enrich the economy.

Organiser: BE BLITZ EXHIBITIONS
Principal Partner:
Digital Partner: WEBLABS
Venue Partner: HITEX AceUrban Group

ENTRY FREE
for registration call:
+91 86883 00388

SCAN TO REGISTER

www.foodafair.com

प्रियंका के लिए तैयार हो रही वायनाड की पिच!

वायनाड, 12 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस की रणनीति के मुताबिक प्रियंका गांधी को अब दक्षिण भारत के लिए मजबूत पिलर के तौर पर तैयार किया जा रहा है। इसी तैयारी में प्रियंका गांधी को अब राहुल गांधी के बाद वायनाड सीट से चुनाव लड़ाने की पूरी तैयारी है। इस तैयारी का इशारा राहुल गांधी ने रायबरेली में आयोजित आभार कार्यक्रम के दौरान कर दिया है। अनुमान यही लगाया जा रहा है कि जल्द ही राहुल गांधी वायनाड से इस्तीफा देंगे। उसके बाद प्रियंका के लिए तैयार 'प्लान' को आगे बढ़ाया जाएगा।

राहुल गांधी ने मंगलवार को रायबरेली में आयोजित आभार कार्यक्रम में प्रियंका गांधी के लिए नई और बड़ी जिम्मेदारी का इशारा किया। राहुल गांधी ने इस कार्यक्रम में कहा कि उनकी बहन प्रियंका गांधी ने रायबरेली और अमेठी के लिए बहुत मेहनत की है। अपने इस कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने प्रियंका के लिए एक बहुत बड़े प्लान की भी बात कह डाली।

कुवैत की बिल्डिंग में आग, 49 भारतीयों की मौत

> 5 केरल के, 30 भारतीय जख्मी-इमारत में 140 मजदूर रहते थे

कुवैत सिटी, 12 जून (एजेंसियां)। कुवैत के मंगाफ शहर में बुधवार सुबह एक इमारत में आग लगने से 40 भारतीयों की मौत हो गई है। जिस इमारत में आग लगी, उसमें भारतीय मजदूर रहते थे। 49 भारतीयों की जान गई, वहीं 30 घायल हुए हैं। सभी घायलों का अल-अदान अस्पताल में इलाज चल रहा है। कुवैत में भारत के राजदूत ने अस्पताल का दौरा कर घायलों का हाल जाना। उन्होंने घायलों को दूतावास की ओर से सभी तरह की मदद का आश्वासन दिया। दूतावास ने एक आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर +965-65505246 जारी किया है। दूसरी ओर कतर सरकार इस हादसे पर सख्त नजर आ रही है। कुवैत के गृह मंत्री और डिप्टी पीएम ने मामले पर बयान जारी किए हैं।

कुवैत के गृह मंत्री शेख फहद अल-यूसुफ अल-सबा ने पुलिस को बिल्डिंग के मालिक को गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि इमारत

के गार्ड और इमारत में रहने वाले मजदूरों के लिए जिम्मेदार कंपनी के मालिक को गिरफ्तार किया जाए। कुवैत के डिप्टी पीएम फहद यूसुफ अल सबा ने भी घटनास्थल का दौरा करने के बाद जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके जिम्मेदार लोगों को छोड़ा नहीं जाएगा।

लालच ने ली लोगों की जान: मंत्री

गृह मंत्री ने अग्निकांड वाली जगह का दौरा करने के बाद अपने बयान में कहा, 'आज जो हुआ वह कंपनी और भवन मालिकों के लालच का नतीजा है। मैंने कुवैत नगर पालिका और सार्वजनिक प्राधिकरण को इसी तरह नियमों के विरुद्ध बनी इमारतों परह तत्काल कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया है। कंपनी ने अपने लालच में बड़ी संख्या में श्रमिकों को एक आवासीय भवन में ठूंस देते हैं। हम ये सुनिश्चित करेंगे कि ऐसे हादसों की रोकथाम के लिए सभी सुरक्षा आवश्यकताएं लागू हों और भविष्य में इसी तरह की घटनाएं ना हों। इस इमारत में लगभग 160 लोग रहते थे, जो एक ही कंपनी के कर्मचारी थे। इस इमारत से 90 भारतीयों को बचाया गया है।

पीएफआई से जुड़े 3 लोगों को एचसी से नहीं मिली बेल

कहा- 'भारत को इस्लामिक देश में बदलने की साजिश रची'

मुंबई, 12 जून (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने प्रतिबंधित 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) के तीन कथित सदस्यों को जमानत देने से इनकार कर दिया है। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि उन्होंने ''भारत को 2047 तक इस्लामिक देश में बदलने की साजिश रची थी'' और आपराधिक बल का इस्तेमाल करके सरकार को आतंकित करने का प्रयास किया था। न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की खंडपीठ ने मंगलवार को रजी अहमद खान, उनैस उमर खैय्याम पटेल और कय्यूम अब्दुल शेख की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं और कहा कि उनके खिलाफ प्रथमदृष्टया सबूत मौजूद हैं।उन पर पीएफआई के सदस्य होने का आरोप है और वे भारत सरकार के खिलाफ साजिश रचने में संलिप्त हैं। केंद्र ने 2022 में पीएफआई को प्रतिबंधित कर दिया था। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपियों ने आपराधिक बल का इस्तेमाल करके सरकार को डराने की साजिश रची। पीठ ने कहा, ''प्रथम सूचना रिपोर्ट में यह बात स्पष्ट रूप से कही गई है कि उन्होंने 2047 तक भारत को इस्लामिक देश बनाने की साजिश रची थी।'' पीठ ने कहा कि आरोपी व्यक्ति देश के खिलाफ नफरत फैलाने और विभिन्न प्रचार माध्यमों से राष्ट्र विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ाने में शामिल थे। अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि उनके खिलाफ प्रथमदृष्टया सबूत मौजूद हैं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपियों का उद्देश्य अन्य धर्मों और भारत सरकार के प्रति नफरत पैदा करना तथा भारतीयों में विभाजन पैदा करना था।

आरोप है कि आरोपियों ने मुस्लिम समुदाय के लोगों के मन में नफरत पैदा करने और उन्हें भारत सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए उकसाने के वास्ते विभिन्न बैठकें कीं। महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने पीएफआई के संदिग्ध सदस्यों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत आपराधिक साजिश, धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने और सख्त गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया था।

वैडिंग प्वाइंट तक पहुंची जंगल की आग, तीसरी मंजिल पर रखा सारा सामान जलकर राख

कोटद्वार, 12 जून (एजेंसियां)। एकेश्वर ब्लॉक पौड़ी गढ़वाल में जंगल की आग एक वैडिंग प्वाइंट तक पहुंच गई, जिससे यहां वैडिंग प्वाइंट में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। सतपुली तहसील क्षेत्रांतर्गत एकेश्वर ब्लाक के ग्राम बडोली स्थित हरि कृष्ण वेडिंग प्वाइंट में निकटवर्ती पातल गांव के जंगल में लगी आग की चिंगारी से भयावह आग लगी। पहले से सतपुली से पातल गांव के जंगल की आग बुझा रही फायर ब्रिगेड की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक तीसरी मंजिल पर डीजे, बिस्तर समेत लाखों रुपए का सामान राख हो गया। इसके साथ ही टीन सेट और भवन को भी नुकसान हुआ है।

महाराष्ट्र में क्यों हुई बीजेपी की हार

संजय राउत ने इन 2 नेताओं का जिक्र कर बताई वजह

मुंबई, 12 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद से वार पलटवार का दौर जारी है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी को जो नुकसान लोकसभा चुनाव में हुआ, वह एकनाथ शिंदे और अजित पवार की वजह से हुआ है। उन्होंने कहा, "शिंदे को धनबल और पुलिसबल के कारण सात सीटें मिली हैं। बीजेपी को जो असली नुकसान हुआ, वह एकनाथ शिंदे और अजित पवार के पार्टी तोड़ने के फैसले की वजह से हुआ है। 400 पार का नारा पीएम मोदी ने दिया था, उन्हें बोलिए, हिम्मत है? बोलिए कि 400 पार का नारा दिया और आप 300 भी क्रॉस नहीं कर सके।"

एकनाथ शिंदे ने क्या कहा?

उद्धव ठाकरे गुट के नेता एकनाथ शिंदे के बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। शिंदे ने मुंबई में कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की एक बैठक में मंगलवार (11 जून) को कहा, ''(विपक्ष द्वारा) झूठी कहानी गढ़े जाने के कारण हमें कुछ स्थानों पर नुकसान हुआ। हमें महाराष्ट्र में भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। 400 पार (नारे) के कारण लोगों को लगा कि भविष्य में संविधान बदलने और आरक्षण हटाने जैसे मुद्दों पर कुछ गड़बड़ हो सकती है।''

क्या रहा है परिणाम?

बता दें कि बीजेपी ने लोकसभा चुनाव से पहले 400 पार का नारा दिया था। हालांकि बीजेपी इससे काफी दूर रहे। उसे देशभर में 2019 के मुकाबले 63 सीटें का नुकसान हुआ है। बीजेपी को 240 सीटें मिली। महाराष्ट्र में भी बीजेपी को काफी नुकसान उठाना पड़ा। पार्टी ने 9 सीटें जीती। वहीं बीजेपी गठबंधन में शामिल एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 7 और एनसीपी को एक सीट मिली। वहीं विपक्षी गठबंधन कांग्रेस, एनसीपी (एसपी) और शिवसेना यूबीटी 30 सीटें जीतने में कामयाब रही।

भस्म आरती के नाम पर ठग लिए 13500 रुपये मामला पहुंचा महाकाल थाने; पुलिस जांच में जुटी

उज्जैन, 12 जून (एजेंसियां)। उज्जैन के महाकाल मंदिर में स्थितियां कुछ ऐसी हो चुकी है कि सप्ताह में दो से तीन ऐसे मामले सामने आ ही जाते हैं, जिसमें श्रद्धालुओं के साथ किसी न किसी प्रकार की ठगी हो जाती है। श्री महाकालेश्वर मंदिर का पुजारी बताकर भस्म आरती करवाने के नाम पर 13500 रुपये ठगी का एक मामला थाना महाकाल पर पहुंचा है, जिसमें श्रद्धालुओं ने धोखेबाज के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। महाकाल थाना प्रभारी अजय वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि चंदर पिता रघुनाथ सिंह निवासी देवाशीष नगर उत्तर प्रदेश 10 दिनों पहले बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन आए थे। जहां अर्जुन पिता ईश्वरलाल त्रिवेदी निवासी खाचरोद ने उन्हें खुद का परिचय महाकाल मंदिर के पुजारी के रूप में दिया था और ऑनलाइन भस्म आरती करवाने के नाम पर 13500 रुपए अपने खाते में डलवा लिए थे। चंदर सिंह ने अर्जुन के द्वारा बताए गए खाते में यह राशि तो डाल दी, लेकिन जब दर्शन करवाने का समय आया तो अर्जुन ने फोन ही नहीं उठाया वर्मा ने बताया कि इस मामले में चंदर की शिकायत पर जांच की जा रही है,

हंसिया लेकर सास पर टूट पड़ी बहू

95 बार किया हमला रीवा की कातिल बहू को सजा-ए-मौत की सजा

रीवा, 12 जून (एजेंसियां)। 12 जुलाई 2022 का दिन था। मध्य प्रदेश के रीवा में एक बहू ने अपनी ही सास पर हंसिये से हमला कर दिया। वो उन्हें तब तक मारती रही जब तक कि सास ने दम नहीं तोड़ दिया। बहू ने सास पर हंसिये से 95 से भी ज्यादा बार वार किए। दो साल बाद अब कोर्ट ने बहू को दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई है। अपर लोक अभियोजक अधिवक्ता विकास द्विवेदी ने इसकी जानकारी दी। बताया कि 50 साल की सरोज कोल मनगवां थाना इलाके के अंतरैला प्लांट गांव में अपने बेटे और बहू के साथ रहती थीं। सास-बहू की आपस में बनती नहीं थी। बहू कंचन कोल अपनी सास से इतनी नफरत करने लगी थी कि उन्हें एक दिन जान से ही मार डाला। 12 जुलाई 2022 को रोज की तरह सास-बहू में किसी बात को लेकर बहस हुई। बहस इतनी बढ़ी कि कंचन कोल गुस्से में किचन के अंदर गई। वहां से हंसिया उठाकर ले आई। फिर सास पर हंसिये से ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। कंचन के सिर पर उस समय इस कदर खून सवार था कि उसने सास पर हंसिये से 95 से भी ज्यादा बार हमला किया। वो तब तक उनपर वार करती रही जब तक पूरा फर्श खून से तरबतर नहीं हो गया। फिर वहीं बैठ गई। उस समय सरोज का बेटा बाहर गया हुआ था। जैसे ही बेटा वाल्मीकि कोल घर आया तो मां को फर्श पर खून से लथपथ हालत में पड़ा देख उसकी चीख निकल गई। उसने ये भी चेक नहीं किया कि मां की मौत हो चुकी है।

सबूतों के आभाव में बेटा बरी

वो तुरंत उन्हें लेकर संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल पहुंचा। लेकिन डॉक्टरों ने बताया कि इनकी मौत को पहले ही हो चुकी है। बेटे ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उस समय तो आरोपी बहू के साथ-साथ बेटे को भी आरोपी बनाया। लेकिन सबूतों के अभाव में वाल्मीकि बरी हो गया। तीन दशक बाद रीवा की अदालत में ऐसा बड़ा फैसला आया है। इससे पहले एक नाबालिग से दुष्कर्म और हत्या के आरोप में शख्स और जेल प्रहरी को सजा-ए-मौत का फैसला सुनाया गया था।

विधायकी से अखिलेश यादव ने दिया इस्तीफा करहल से सपा का ये नेता लड़ सकता है चुनाव

लखनऊ, 12 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया है। अब वह लोकसभा में कन्नौज निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। अखिलेश ने लखनऊ में विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात करने के दौरान इस्तीफा दिया। करहल विधानसभा सीट पर अखिलेश के इस्तीफे के बाद अब यह चर्चा शुरू हो गई है कि इस क्षेत्र से उपचुनाव में सपा का प्रत्याशी कौन होगा? सूत्रों का दावा है कि तेज प्रताप यादव को करहल सीट से उपचुनाव लड़ाया जा सकता है। तेज प्रताप यादव, बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के दामाद हैं। उनकी शादी लालू की बेटी राजलक्ष्मी से हुई है। लोकसभा ही नहीं विधानसभा उपचुनाव में भी बसपा का बुरा हाल! मायावती के लिए चुनौती बना ये नेता लोकसभा चुनाव 2024 में समाजवादी पार्टी ने कन्नौज विधानसभा सीट से पहले तेज प्रताप यादव को ही टिकट दिया था हालांकि नामांकन के आखिरी दिन अखिलेश यादव ने खुद इस सीट से पर्चा भरा। चुनाव में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सुब्रत पाठक को हराया था।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर फिर पथराव, फगवाड़ा से गोराया के रास्ते में हुई घटना से दहशत में यात्री

कपूरथला, 12 जून (एजेंसियां)। पंजाब के फगवाड़ा में बुधवार सुबह वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थर फेंकने का मामला सामने आया है। पत्थरबाजी के बाद ट्रेन यात्रियों में दहशत का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार ट्रेन के सी-3 कोच पर पथराव किया गया है जिसमें दो विंडोपैन के शीशे बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए है। ट्रेन के सी 3 कोच में यात्रा कर रही गुरुग्राम की रहने वाली पूनम कालड़ा और डाली ठुकराल ने बताया कि वे फगवाड़ा से दिल्ली के लिए वंदे भारत ट्रेन एक्सप्रेस में बैठी तो उनके पास वाली सीट के पास जोरदार आवाज सुनाई दी। उन्होंने बताया कि कुछ समय के लिए तो किसी को कुछ भी पता नहीं चला कि क्या हुआ है। लेकिन बाद में पाया गया कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के सी 3 कोच को बाहर से अज्ञात व्यक्तियों ने पत्थर मारे है।

300 करोड़ की प्रॉपर्टी के लिए बहू ने ससुर को कार से कुचलवाया एक्सीडेंट का दिया रूप, फिर ऐसे हुआ खुलासा

नागपुर, 12 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक बहू ने अपने ससुर की हत्या इस वजह से करा दी, क्योंकि उसकी नजर ससुर की 300 करोड़ रुपये की संपत्ति पर थी। उसने ससुर की हत्या कराने के लिए दो सुपारी किलरों से संपर्क किया और 1 करोड़ की सुपारी दी। इसके बाद आरोपियों ने एक कार खरीदी और बुजुर्ग को कुचलकर मार डाला। आरोपियों ने हत्या को हादसा दिखाने की भरपूर कोशिश की लेकिन पुलिस ने उनकी पोल खोलकर रख दी।

जानें पूरा मामला

बता दें कि 22 मई 2024 को नागपुर के मानेवाड़ा चौक के पास कार की टक्कर से शुभम नगर मानेवाड़ा के 82 वर्षीय पुरूषोत्तम पुत्तेवार की मौत हो गई थी। नागपुर पुलिस ने 6 जून को गढ़चिरौली में नगर नियोजन विभाग की सहायक निदेशक अर्चना मनीष पुट्टेवार (पार्लेवार) को लगभग 300 करोड़ रुपये की संपत्ति के लिए एक करोड़ रुपये की सुपारी देकर अपने ससुर की निर्मम हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया। पुलिस ने शुरुआत में पुरूषोत्तम पुत्तेवार का एक्सीडेंट दर्ज कर इसकी जांच की लेकिन जांच में पता चला कि हादसा हुआ है। पता चला है कि इसके सूत्रधार पुरूषोत्तम पुत्तेवार की बहू अर्चना पुत्तेवार हैं, जो तीन साल से गढ़चिरौली के नगर नियोजन विभाग में सहायक निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। मिली जानकारी के मुताबिक नागपुर के पुट्टेवार परिवार में कुछ सालों से करीब 300 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। पता चला कि गढ़चिरौली में टाउन प्लानिंग विभाग में कार्यरत अर्चना पुट्टेवार ने ड्राइवर सार्थक बागड़े को सुपारी देकर सचिन धर्मा और नीरज उर्फ नाइटी निमजे दोनों की मदद से अपने ससुर की हत्या कराई थी। अर्चना के पति मनीष एक डॉक्टर हैं और उनकी सास शकुंतला एक ऑपरेशन के कारण अस्पताल में थीं। पुलिस जांच में पता चला कि पत्नी से मिलने के बाद घर जाते समय पुरुषोत्तम को एक कार ने टक्कर मार दी थी और दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की थी।

टाउन प्लानिंग विभाग की सहायक निदेशक थी अर्चना

अर्चना पुट्टेवार पिछले 3 वर्षों से नगर नियोजन विभाग, गढ़चिरौली में सहायक निदेशक के रूप में कार्यरत थी। इसके साथ ही अर्चना पार्लेवार चंद्रपुर जिले की प्रभारी थी और दो जिलों की प्रमुख थीं। सूत्रों के मुताबिक, गढ़चिरौली टाउन प्लानिंग विभाग के सहायक निदेशक के रूप में अर्चना पार्लेवार का कार्यकाल विवादास्पद था। उनके बारे में कई शिकायतें नागपुर के उच्च कार्यालय से लेकर मंत्रालय तक गईं लेकिन चूंकि वह शिकायतों को दबाने के लिए पावर का इस्तेमाल कर रही थी, इसलिए कोई कार्रवाई नहीं की गई। आरोपी अर्चना पार्लेवार का समर्थन कौन कर रहा है, इसकी भी चर्चा ने जिले में जोर पकड़ लिया है। अर्चना पुट्टेवार के राजनीतिक समर्थन के कारण, नागपुर के वरिष्ठ कार्यालय में अभी भी 40 मामलों की जांच की जा रही है लेकिन कहा जा रहा है कि कार्यवाही शून्य है। इस संबंध में यदि पुट्टेवार के मोबाइल की सीडीआर निकाली जाए और गहन जांच की जाए तो कई चौंकाने वाले खुलासे होने की उम्मीद है।

10 साल की लड़की ने मांगी सबरीमाला मंदिर जाने की परमिशन, कोर्ट ने दिया ये जबाव

कोच्चि, 12 जून (एजेंसियां)। केरल के कोच्चि यानी एरनाकुलम में हाईकोर्ट ने सबरीमाला मंदिर में एंट्री को लेकर फैसला सुनाया है। 10 साल की लड़की मंदिर जाना चाहती थी। इसके लिए उसने याचिका डाली। लेकिन कोर्ट ने बच्ची की इस याचिका को खारिज कर दिया है। दलील दी कि सबरीमाला में महिलाओं की एंट्री को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए 10 से लेकर 50 साल तक की उम्र वाली महिलाओं को मंदिर में जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। कर्नाटक की रहने वाली इस लड़की ने दलील दी थी कि उसकी उम्र अभी 10 साल है और उसे अभी पहला मासिक धर्म नहीं हुआ है। वह पहले से ही सबरीमाला मंदिर जाना चाहती थी। लेकिन कोरोना काल में लॉकडाउन के कारण वो ऐसा न कर सकी। फिर उसके पिता की भी तबीयत खराब रहने लगी। जिस कारण वह मंदिर नहीं जा सकी। लेकिन वह अब भगवान अयप्पा के दर्शन करना चाहती है। लड़की की इस याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। यह मंदिर लगभग 800 साल पुराना है। इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि भगवान अयप्पा ब्रह्मचारी हैं।

इसी वजह से युवा महिलाओं का प्रवेश वर्जित है। 2006 में मंदिर के मुख्य ज्योतिषि परप्पनगडी उन्नीकृष्णन ने कहा था कि मंदिर में स्थापित अयप्पा अपनी ताकत खो रहे हैं। वह नाराज हैं क्योंकि मंदिर में किसी युवा महिला ने प्रवेश किया है। इसके बाद कन्नड़ एक्टर प्रभाकर की पत्नी जयमाला ने दावा किया था कि उन्होंने अयप्पा की मूर्ति को छुआ और उनकी वजह से अयप्पा नाराज हुए। उन्होंने कहा था कि वह प्रायश्चित करना चाहती हैं। जयमाला ने दावा किया था कि 1987 में अपने पति के साथ जब वह मंदिर में दर्शन करने गई थीं तो भीड़ की वजह से धक्का लगने के चलते वह गर्भगृह पहुंच गईं और भगवान अयप्पा के चरणों में गिर गईं। जयमाला के इस दावे के बाद मंदिर में महिलाओं की एंट्री बैन होने के इस मुद्दे पर लोगों का ध्यान गया। 2006 में राज्य के यंग लॉयर्स एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट में इसके खिलाफ याचिका दायर की।

सुप्रीम कोर्ट में फैसला पेंडिंग

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर दो पक्ष हैं। एक पक्ष जिसका कहना है कि महिलाओं को बराबरी का हक मिलना चाहिए और उनकी एंट्री मंदिर में होनी चाहिए, क्योंकि उन्हें भी पूजा करने का हक है। वहीं, दूसरा पक्ष सालों से चली आ रही परंपरा से छेड़छाड़ नहीं चाहता है। इस पक्ष का कहना है कि चूंकि भगवान अयप्पा एक ब्रह्मचारी थे तो ऐसे में इस मंदिर में महिलाओं की एंट्री नहीं होनी चाहिए। फिलहाल ये मामला अभी भी सुप्रीम कोर्ट में पेंडिंग है।

क्या है मंदिर की कहानी?

सबरीमाला मंदिर का इतिहास रामायण काल से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है रामायण कथाओं में जिस शबरी के आदर और श्रद्धा से भगवान राम ने जूठे फल खाए थे, बाद में उसी शबरी के नाम पर सबरीमाला मंदिर का नाम पड़ा है।

अयोध्या पहले से ज़्यादा सुरक्षित होगी, बनेगा एनएसजी हब और तैनात किए जाएंगे कैट कमांडो

अयोध्या, 12 जून (एजेंसियां)। राम नगरी अयोध्या अब पहले से ज़्यादा सुरक्षित होने वाली है। राम मंदिर में सेफ्टी को लेकर तमाम प्रबंध किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब रामनगरी में एनएसजी हब बनेगा। टेरर के खतरे से निपटने के लिए केंद्र सरकार यहां पर एनएसजी के ब्लैक कैट कमांडो अयोध्या में बनने वाले एनएसजी हब तैनात करेगी। गृह मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक, एनएसजी को अयोध्या में आतंकवाद विरोधी और अपहरण रोधी अभियानों का विशिष्ट दायित्व सौंपा जाएगा, जिसका काम एनएसजी बखूबी कर रही है। सरकार अयोध्या में एनएसजी हब बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। सूत्रों के अनुसार अयोध्या की सुरक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए ब्लैक कैट कमांडो तैनात किए जाएंगे। वर्तमान में वीआईपी सुरक्षा सीआरपीएफ की वीआईपी सिक्योरिटी यूनिट के हाथों में सौंपी जा सकती है। पार्लियामेंट की सिक्योरिटी ड्यूटी से मुक्त होने के बाद सीआरपीएफ के पार्लियामेंट ड्यूटी ग्रुप (पीडीजी) को अब वीआईपी सुरक्षा में तैनात किया जा सकता है।

एमवीए में कोई खटपट नहीं, उद्धव ठाकरे ने खुद साफ की तस्वीर, एनडीए के भविष्य पर भी बयान

मुंबई, 12 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव रिजल्ट के बाद महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में चल रहे विवाद के दावों को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने खारिज किया है। उन्होंने मुंबई में बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में उम्मीदवारों को लेकर एमवीए में कोई मतभेद नहीं है। बता दें कि कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा है कि गठबंधन सहयोगियों से बातचीत किए बिना उद्धव ठाकरे ने नासिक शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार की घोषणा कर दी।

क्या है विवाद?

पटोले ने कहा, "कांग्रेस ने नासिक शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए संदीप गुलवे के नाम को अंतिम रूप दिया था और ठाकरे को सूचित किया था, लेकिन बाद में उन्होंने बिना किसी चर्चा के गुलवे को शिवसेना (यूबीटी) में शामिल कर लिया और उन्हें अपना उम्मीदवार बना दिया।" महाराष्ट्र में चार विधान परिषद सीटों- मुंबई स्नातक, कोंकण स्नातक, मुंबई शिक्षक और नासिक शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए द्विवार्षिक चुनाव होने हैं। इन सीटों के लिए 26 जून को मतदान होगा और एक जुलाई को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

मणिपुर पर बयान

साथ ही महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि मुझे देश के भविष्य की चिंता है, एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) सरकार के भविष्य की नहीं है। उद्धव ने साथ ही पूछा कि क्या आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की मणिपुर की स्थिति पर टिप्पणी के बाद पीएम मोदी मणिपुर का दौरा करेंगे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों को लेकर भी सरकार को घेरा। उद्धव ने कहा, "किसकी जिम्मेदारी है? अबकी बार वाले कहां हैं? मोहन भागवत ने मणिपुर पर एक साल बाद बयान दिया।। अब मोदी, अमित शाह वहां जाएंगे? 370 की सच्चाई हमने पहले भी आपके सामने रखा था। ये व्यस्त हैं तीसरी बार सरकार बनाने में। तीन दिनों में तीन हमले हुए हैं।"

क्या बोले मोहन भागवत?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने 10 जून को कहा था, ''मणिपुर पिछले एक साल से शांति स्थापित होने की प्रतीक्षा कर रहा है। दस साल पहले मणिपुर में शांति थी। ऐसा लगा था कि वहां बंदूक संस्कृति खत्म हो गई है, लेकिन राज्य में अचानक हिंसा बढ़ गई है। मणिपुर की स्थिति पर प्राथमिकता के साथ विचार करना होगा। चुनावी बयानबाजी से ऊपर उठकर राष्ट्र के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत है।''

जमीन विवाद में कांग्रेस के पूर्व विधायक कुलबीर जीरा पर केस दर्ज, गिरफ्तारी के लिए पुलिस दे रही दबिश

फिरोजपुर, 12 जून (एजेंसियां)। फिरोजपुर थाना सदर पुलिस ने जमीनी विवाद को लेकर कांग्रेस के पूर्व विधायक और पंजाब प्रदेश कांग्रेस के जिला अध्यक्ष कुलबीर सिंह जीरा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दरअसल कुलबीर के चाचा महिंदरजीत सिंह का गांव बगों पतनी के किसान गुरमीत सिंह के साथ आठ एकड़ जमीन को लेकर छह जून को झगड़ा हुआ था। इसमें कुछ लोग भी जख्मी हुए थे। पुलिस अब कुलबीर सिंह जीरा की गिरफ्तारी को लेकर विभिन्न स्थानों पर दबिश दे रही है। वहीं कांग्रेसी सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि कुलबीर सिंह जीरा पर पंजाब सरकार ने झूठा मामला दर्ज किया है। वड़िंग ने कहा कि इस संबंधी फिरोजपुर की एसएसपी से बातचीत की गई है, एसएसपी का कहना है कि जांच की जाएगी।

इलाज के लिए अभिषेक बनर्जी ले रहे हैं राजनीति से 'छोटा ब्रेक', सोशल मीडिया पर की घोषणा

कोलकाता, 12 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी चिकित्सा उपचार के लिए राजनीति से 'छोटा ब्रेक' ले रहे हैं। अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को खुद सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी। इसके साथ ही अभिषेक ने लिखा, 'केंद्र-राज्य संघर्ष' में बंगाल के लोग आवास अधिकार से वंचित हैं। तृणमूल ने वादा किया है कि दिसंबर तक इसे पूरा किया जाएगा। अभिषेक ने पोस्ट में बताया कि इसे सुनिश्चित करने का अनुरोध उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से किया है। अभिषेक ने लिखा, मैं इलाज के लिए संगठन से एक छोटा सा ब्रेक लूंगा। इस दौरान मुझे आम लोगों की जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलेगा। मुझे विश्वास है कि राज्य सरकार लोगों की समस्याओं का शीघ्र और अच्छे से समाधान करेगी और यह भी सुनिश्चित करेगी कि लोगों को न्याय मिले। अभिषेक ने एक्स हैंडल पर यह भी लिखा कि वे इस छोटे से ब्रेक में क्या-क्या करेंगे। अभिषेक ने लिखा कि वह इस 'छुट्टी' का इस्तेमाल लोगों के की जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने के लिए लगाएंगे। अभिषेक ने यह भी उम्मीद जताई कि राज्य सरकार बंगाल के आम लोगों के लिए अपना काम जारी रखेगी और लोगों की जरूरतों को पूरा करेगी। उल्लेखनीय है कि अभिषेक को आंखों की समस्या है। उन्हें नियमित अंतराल पर इलाज के लिए विदेश जाना पड़ता है। हालांकि, बुधवार की पोस्ट में अभिषेक ने आंखों के इलाज का मुद्दा नहीं बताया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 13 जून, 2024 3

युविचार

मौन सबसे अच्छा उत्तर है किसी ऐसे व्यक्ति के लिए जो आपके शब्दो को महत्त्व नहीं देता

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

खुली ई-निविदा सूचना सं. - डीवाय.सीइ/जीएस/एससी/06-07 एवं इपीसी-01/2024/ओटी, दि.10-06-2024 PUB/0552

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदा आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-1. ई-टेन्डर नं. 05_जीएस _एससी _24 _ओटी, कार्य विवरण: एसडब्ल्यू-I सुल्तानाबाद यार्ड का अपग्रेडेशन या उन्नयन करना- एनजेडबी सेक्शन-निर्माण में मिट्टी का कार्य(एर्थवर्क इन फार्मेशन), मौजूदा पुलों का विस्तार, बीजी ट्रैक को बिछाना तथा जोडना, पाइन्ट्स एवं क्रासिन्स की का संयोजन व सम्मिलन(एसेम्बिलिन्ग व इन्सर्शन), आपूर्ति, स्टोन बल्लास्ट या पत्थर गिट्टी की लिडीन्ग व डम्पिन्ग, स्टेशन बिल्डिन्ग का निर्माण कार्य, प्लाटफार्म का निर्माण तथा पीडीपीएल में सुल्तानाबाद यार्ड के प्रस्तावित उन्नयन हेतु अन्य छिटपुट कार्य। एसडब्ल्यू-II-- नया क्रासिन्ग स्टेशन का प्रावधान पोडुरु---निजामाबाद सेक्शन-निर्माण में मिट्टी का कार्य(एर्थवर्क इन फार्मेशन), मौजूदा पुल का विस्तार, बीजी ट्रैक को बिछाना तथा जोडना, पाइन्ट्स एवं क्रासिन्स की एसेम्बिलिन्ग व इन्सर्शन या संयोजन व सम्मिलन, आपूर्ति, स्टोन बल्लास्ट या पत्थर गिट्टी की लिडीन्ग व डम्पिन्ग, स्टेशन बिल्डिन्ग का निर्माण कार्य, प्लाटफार्म का निर्माण कार्य तथा पेध्दापल्ली में नूकापल्ली मल्लियाल एवं गंगाधरा के बीच प्रस्तावित नये क्रासिन्ग स्टेशन पोडरू के लिए अन्य छिटपुट कार्य।

अनुमानित निविदा मूल्य:रु.24,41.23,385/-, पूर्व धरोहर राशि:रु.13,70,600/-, पूरा करने की अवधि महिनों में-09 महिने, बोली बंद करने की तिथि: 4-7-2024

क्रम सं.2. ई-टेन्डर नं. 06_जीएस _एससी _24 _ओटी, कार्य विवरण: सिकंदराबाद डिवीजन-जीएसयु-काझीपेट-बल्लारशाह सेक्शन-हसनपर्ती रोड-उप्पल--जम्मीकुन्टा स्टेशनों के बीच एलएचएस सहित एलसी नं.9,11,15,16 एवं 17 के एवज में, रेलवे स्पैन पर बो स्ट्रीन्ग स्टील गिर्डर के साथ आरसीसी डेक स्लैब से संबंधित पुल के उपर दो लेन युक्त सडक का प्रस्तावित निर्माण कार्य एवं प्रिकास्ट पीएससी गिर्डर्स एप्रोचेस सहित/स्लैब्स/आरई वाल सहित कैस्ट-इन-सितु पियर्स पर प्रिकास्ट पियर कैप्स/अबेटमेन्ट्स कार्य।

अनुमानित निविदा मूल्य: रु.142,35,27,646/-, पूर्व धरोहर राशि: रु.72,67,600/-, पूरा करने की अवधि महिनों में-18 महिने, बोली बंद करने की तिथि: 18-07-2024

क्रम सं.3. ई-टेन्डर नं. इपीसी_01 _जीएस _एससी _24 _ओटी, कार्य विवरण: अभियांत्रिकी पर मोड्यूलर अवधारणा(मोडयूलर कान्सेप्ट आन इंजीनियरिंग), प्रापण या प्रोक्युरमेन्ट तथा निर्माण कार्य (इपीसी) पध्दति नुसार, दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन में हैदराबाद रेलवे स्टेशन का प्रमुख उन्नयन कार्य।

अनुमानित निविदा मूल्य: रु.306,73,75,226/-, पूर्व धरोहर राशि: रु.1,53,36,900/-, पूरा करने की अवधि महिनों में-24 महिने, बोली बंद करने की तिथि: 17-07-2024

निविदाकर्ता केवल ई-टेन्डरिन्ग माध्यम से भाग ले सकते हैं तथा कोई भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नहीं किया जायेगा।

सभी भावी निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि, केवल आनलाईन पेमेन्ट्स द्वारा ही पूर्व धरोहर राशि जमा करें।

रेल प्रशासन के पास, कोई भी कारण न देते हुए, निविदा रध्द करने का अधिकार सुरक्षित है।

सभी भावी निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि, जीएसटीआयएन पहचान संख्या प्राप्त करें तथा उसे अपने आफर सहित प्रस्तुत करें।

उप मुख्य अभियन्ता/गति शक्ति/सिकन्दराबाद

ई-निविदा सूचना सं. - जीएनटी/एसजी/36/305, दि.11-06-2024 PUB/0553

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न विवरित कार्यों हेतु दि.3-7-2024 के दोप.12.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

आयडी नं. -305, कार्य विवरण: गुंटूर डिवीजन(एनडीकेडी-ए,एनकेडी-बी, एनबीआर, आरइपी, आरइएम, एमएजी) के छह स्थानों पर एकीकृत बिजली आपूर्ति(इन्टिग्रेटेड पावर सप्लाई)(आयपीएस) का प्रतिस्थापन। अनुमानित मूल्य: रु.21,41,674/-, पूर्व धरोहर राशि/बोली सुरक्षा राशि: रु. 42,800/-, निविदा दस्तावेज मूल्य:(रु.) शून्य

ई-बोलियों (ई-बिड्स) की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 3-7-2024 के दोप.12.00 बजे तक है। तत्संबंधित विस्तृत विवरण हेतु हमारे वेबसाइट:www.ireps.gov.in पर लागआन करें।

किसी भी अधिक संचार /शुध्दिपत्रों को केवल ई-पोर्टल: www.ireps.gov.in के माध्यम से ही सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूरसंचार अभियन्ता/गुंटूर

निविदा सं. -जीटीएल-इएम-11-2024-25 दि.7-6-2024 PUB/0554

भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा निर्वहणकर्ता वरिष्ठ संभागीय बिजली अभियन्ता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. -जीटीएल-इएम-11-2024-25, गुन्टकल डिवीजन- 1. गुन्टकल पर एसएस्इ/पी.वे/सेन्ट्रल आफिस के प्रस्तावित निर्माण कार्य हेतु बिजली व्यवस्था का प्रावधान। 2.मंत्रालय पर प्रस्तावित एसएस्इ/पी.वे/आफिस एवं स्टोर्स के निर्माण कार्य हेतु बिजली व्यवस्था का प्रावधान।

अनुमानित मूल्य: रु.18,08,801.50, पूर्व धरोहर राशि: रु.36,2000.00, बंद करने की तिथि व समय: 1-7-2024 के 15.00 बजे

टेन्डर बिड्डीन्ग या निविदा बोली तथा अन्य विवरण हेतु

http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। निविदा शुध्दिपत्र, यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

टिप्पणी: इस ई-टेन्डर में सहभागिता/बोली मे भाग लेने हेतु निविदाकर्ता के पास वैध डीएससी(डिजीटल सिग्निचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता, रखरखाव, गुन्टकल

A0703

निविदा शर्तों/ विस्तृत विवरणजानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिन्ग हेतु कृपया हमारा वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

सरकार एमसीसी के कारण नहीं कम कर सकी परीक्षा शुल्क

अब नि:शुल्क आवेदन कर सकते हैं अनुत्तीर्ण अभ्यर्थी

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को तेलंगाना शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीजी टीईटी) 2024 के परिणाम जारी करते हुए कहा कि सरकार आदर्श आचार संहिता के कारण परीक्षा शुल्क कम नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि भारत के चुनाव आयोग ने पंजीकरण के समय चुनाव आचार संहिता के कारण टीईटी आवेदन शुल्क कम करने के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने अभ्यर्थियों को राहत देने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि टीईटी 2024 में उत्तीर्ण नहीं होने वाले अभ्यर्थियों को आगामी टीईटी के लिए निःशुल्क आवेदन करने का अवसर देने का निर्णय लिया गया है।

सरकार ने शिक्षक भर्ती परीक्षा, जिला चयन समिति (डीएससी) के लिए आवेदन करने वाले टीईटी 2024 उत्तीर्ण उम्मीदवारों के लिए एकमुश्त शुल्क माफी प्रदान करने का भी निर्णय लिया है। टीईटी पेपर-1 के लिए कुल 85,996 उम्मीदवार उपस्थित हुए और 67.13 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए। इसी तरह, टीईटी पेपर 2 के लिए 1,50,491 उम्मीदवार उपस्थित हुए और 51,443 उत्तीर्ण हुए। परिणाम वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

आसिफाबाद में पुल पूरा करने के लिए कदम उठाएं : मंत्री सीताक्का

आसिफाबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री डी सीताक्का ने अधिकारियों को आसिफाबाद मंडल में मोथुगुगुडा और अप्पापेल्ली गांवों के बीच एक जलधारा पर एक उच्च स्तरीय पुल का काम पूरा करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने बुधवार को निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण किया।

सीताक्का ने संबंधित अधिकारियों से जल्द से जल्द काम पूरा करके पुल को जनता के लिए खोलने को कहा। उन्होंने मानसून के दौरान दोनों गांवों के लोगों को काम में देरी के कारण होने वाली असुविधा से बचने के लिए कदम उठाने को कहा। वह चाहती थीं कि पुल बनाते समय वे काम में गुणवत्ता सुनिश्चित करें। बाद में मंत्री ने वडाईगुडा गांव के एक स्कूल में छात्रों को वर्दी और पाठ्यपुस्तकें वितरित कीं और 6.20 लाख रुपये की लागत से निर्मित अतिरिक्त कक्षाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल उत्सव के मौके पर फिर से खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के अलावा छात्रों की सुविधा के लिए स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं बनाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने जिला केंद्र में विभिन्न सरकारों के अधिकारियों के साथ बैठक की और विकासात्मक गतिविधियों और कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की।

सीताक्का ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को दवाएं उपलब्ध रखने और जनता तक चिकित्सा सेवाएं पहुंचाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विभाग में रिक्त पदों को भरने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं।

बकरीद से पहले भेड़ों की कीमतों में उछाल

बारिश के चलते बीमार हो जाते हैं जानवर, आपूर्ति में गिरावट

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ईद-उल-अजहा (बकरीद) से पहले, राज्य में बारिश के बीच आपूर्ति की कमी के कारण हैदराबाद में भेड़ों की कीमतों में पिछले साल की तुलना में 20-25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, कीमतों में वृद्धि और सुविधा के कारण बैल बलि में भागीदारी की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण भी मांग पर दबाव है।

हैदराबाद और जिलों में बारिश के कारण भेड़ें हुईं बीमार

भेड़ व्यापारी अब्दुल मन्नान खान ने बताया कि बरसात के मौसम में भेड़ें आमतौर पर बीमार पड़ जाती हैं, जिससे आपूर्ति में गिरावट आती है। हैदराबाद में बारिश के कारण भेड़ों की कीमतों में हुई बढ़ोतरी का ब्यौरा देते हुए उन्होंने कहा कि 10-12 किलोग्राम मांस वाली भेड़ें वर्तमान में 25,000 रुपये प्रति जोड़ी की दर से बेची जा रही हैं, जबकि 15-20 किलोग्राम मांस वाली भेड़ों की कीमत 28,000 रुपये प्रति जोड़ी है। इस बीच, हैदराबाद में कुर्बानी सेवाओं की भी मांग है। हालांकि कोविड वर्ष की तुलना में मांग में गिरावट आई है, लेकिन यह धीरे-धीरे साल-दर-साल बढ़ रही है।

हैदराबाद और तेलंगाना के अन्य जिलों में बकरीद का कारोबार करोड़ों रुपये में होता है और कई स्थानीय लोग बलि के जानवरों के व्यापारी बनने के लिए आकर्षित होते हैं। हैदराबाद में भेड़ों की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण इस साल कारोबार बढ़ने की संभावना है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के पशु व्यापारी अपने पशुओं को हर साल हैदराबाद में स्थापित अस्थायी बाजारों में बेचने के लिए लाते हैं। बकरीद के सबसे बड़े बाज़ार मेहदीपट्टनम और जियागुडा में हैं। अन्य स्थान जहां बकरीद के लिए जानवर खरीदे जा सकते हैं वे हैं बालापुर, फलकनुमा, कालापाथर, लैंगर हौज़, चंचलगुडा, खिलवत, मल्लेपल्ली और बोवेनपल्ली। यद्यपि विभिन्न स्थानों से भेड़ व्यापारी शहर के अस्थायी बाजारों में अपने पशुओं को बेचने के लिए आते हैं, लेकिन कई स्थानीय व्यवसायी और युवाओं के समूह भी बकरीद से पहले कुछ पैसे कमाने की उम्मीद में मौसमी कारोबार में लग जाते हैं।

अवैध पशु वध पर रोक लगाने का आदेश

बकरीद से पहले हाईकोर्ट ने जारी किया फरमान

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बकरीद में अब एक सप्ताह से भी कम समय बचा है, जिसे हैदराबाद और देश के अन्य भागों में 17 जून को मनाया जाएगा। इस अवसर पर तेलंगाना उच्च न्यायालय ने अवैध पशु वध पर रोक लगाने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया है। गौ ज्ञान फाउंडेशन द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान इस बात पर जोर दिया गया। याचिका में यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है कि पशु परिवहन और वध से संबंधित कानूनों का उचित ढंग से क्रियान्वयन किया जाए।

शुक्रवार को भारत में 8 जून को जुल-हिज्जा का चांद दिखाई दिया, जिसके बाद इस्लामी महीने का पहला दिन मनाया गया। हैदराबाद और अन्य भारतीय शहर 17 जून को ईद-उल-अज़हा मनाएंगे। तेलंगाना राज्य पोर्टल कैलेंडर 2024 में 17 जून को 'सामान्य अवकाश' के अंतर्गत सूचीबद्ध किया गया है। पिछले वर्ष, लखनऊ स्थित इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने एक परामर्श जारी कर मुसलमानों से कहा था कि वे ईद-उल-अजहा या बकरीद के दौरान सोशल मीडिया पर जानवरों की कुर्बानी की तस्वीरें साझा न करें। यह सलाह अन्य समुदायों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए दी गई थी। इस्लामिक सेंटर ने कहा है कि समुदाय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि केवल उन्हीं पशुओं की कुर्बानी दी जाए जिन पर कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है।

ऑनलाइन डेटिंग ऐप के माध्यम से ठगने वाले गिरफ्तार

खूबसूरत लड़कियां दिखाकर करते थे आकर्षित

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सीपी साइबराबाद के निर्देशानुसार, माधापुर पुलिस ने नागपुर, महाराष्ट्र में आकाश कुमार, सूरज कुमार, अक्षत नरूला, तरुण, शिव राज नायक, रोहित कुमार और चेरकुपल्ली साई कुमार नाम के सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी ऑनलाइन डेटिंग ऐप के माध्यम से भोले-भाले ग्राहकों को आकर्षित करते थे। उन्हें खूबसूरत लड़कियां दिखाकर मोश पब, माधापुर में बुलाकर लड़कियों के माध्यम से अपने पब में महंगी शराब पीने के लिए मजबूर करते थे और बिल के रूप में उनसे मोटी रकम वसूल कर उन्हें ठगते थे। उनके कब्जे से आठ मोबाइल फोन और दो चार पहिया वाहन जब्त किए गए। पुलिस उपायुक्त माधापुर जोन, साइबराबाद डॉ. विनीत के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में से छह का दिल्ली में डेविल्स नाइट क्लब है। उनके पास लड़कियों को भर्ती करने और ऑनलाइन ऐप में रजिस्टर करने और बाहर कैफे में अन्य ग्राहकों को जोड़ने का एक तरीका है। बाद में वे किसी खास पब (मोशन पब) में आते हैं और खाने-पीने की चीजें ऑर्डर करते हैं, जिनकी दरें और बिल की राशि पब मालिक, आयोजकों और लड़कियों के बीच बांटी जाती है। लड़कियों के नाम पर चैट इस गिरोह के एक खास व्यक्ति द्वारा की जाती है। यह गिरोह दिल्ली, बैंगलोर और हैदराबाद जैसे शहरों में घूमता था। वे नागपुर में ऐसा करने वाले थे। वे ऐसे पब चुनते हैं जो घाटे में हैं और जिनकी गूगल रेटिंग बहुत खराब है। इस खास पब में आरोपी 45 दिन तक काम करते थे, खास तौर पर 6 वीकेंड में। उन्होंने 50-60 ग्राहकों से 30 लाख की ठगी की और उन्हें आपस में बांट लिया। इस धोखाधड़ी के लिए उन्होंने टिंडर, हिंज और बैम्बेल जैसे ऐप अपनाए। आरोपियों के पास से स्मार्ट मोबाइल फोन, थार कार, किआ कार मिली है। सभी जब्त संपत्ति की कीमत लगभग 40 लाख रुपये है। माधापुर पीएस, साइबराबाद के जी. मल्लेश, पुलिस निरीक्षक, एन. वेंकट रमना, पुलिस उपनिरीक्षक, एल. जगन, पीसी, केशवुलु, पीसी ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने लोगों से लोगों से अनुरोध है कि वे डेटिंग ऐप के माध्यम से, पब और बार में खूबसूरत लड़कियों के साथ भोले-भाले ग्राहकों को फंसाने वाले गिरोहों से संबंधित जानकारी के बारे में पुलिस को सूचित करें, डायल 100 के माध्यम से या साइबराबाद या एंटी ड्रग एब्यूज हेल्पलाइन मोबाइल नंबर: 9490617182 या साइबराबाद व्हाट्सएप नंबर 9490617444 के माध्यम से दें सकते हैं। जानकारी देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

पुलिस के खिलाफ कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल

तेलंगाना फोन टैपिंग मामला

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की पुलिस ने तेलंगाना में पिछली बीआरएस सरकार के दौरान सनसनीखेज फोन टैपिंग मामले में 4 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। अवैध जासूसी मामले ने कई लोगों को चौंका दिया है क्योंकि राज्य में राजनीतिक नेताओं और कार्यकर्ताओं पर अवैध रूप से जासूसी करने के आरोप सामने आए हैं। हैदराबाद पुलिस ने इस मामले में पुलिस उपाधीक्षक डी प्रणीत राव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भुजंगा राव और तिरुपथन्ना तथा पूर्व पुलिस उपायुक्त (टास्क फोर्स) राधा किशन राव को आरोपी बताया है। उन पर कार्यकर्ताओं और विपक्षी सदस्यों के फोन अवैध रूप से टैप करने का आरोप है, जिसमें वर्तमान तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी शामिल हैं, जो उस समय विपक्ष में राज्य कांग्रेस प्रमुख थे।

एसआईबी अधिकारियों द्वारा अवैध रूप से फोन टैपिंग का पूरा मामला पिछले साल दिसंबर में तेलंगाना विधानसभा चुनाव में बीआरएस सरकार के कांग्रेस से हारने के बाद सामने आया था। नई सरकार आने के बाद, यह मामला तब प्रकाश में आया जब एक अधिकारी ने सबूत नष्ट करना शुरू कर दिया और मार्च में मामला दर्ज किया गया। हैदराबाद पुलिस ने दो फरार व्यक्तियों - विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के पूर्व प्रमुख प्रभाकर राव और वरिष्ठ पत्रकार श्रवण कुमार के खिलाफ भी आरोप तय किए हैं। पुंजागुट्टा पुलिस ने 10 मार्च को मामला दर्ज किया और उसके बाद जांच शुरू हुई। डीएसपी प्रणीत राव ने पत्रकारों, राजनेताओं, व्यापारियों, न्यायाधीशों और नौकरशाहों की जासूसी करने के लिए इस्तेमाल किए गए 17 कंप्यूटरों की हार्ड डिस्क को नुकसान पहुंचाया था।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं.-वाय/सी ई-नीलामी/एचवायबी/14/2024 दि.12-06-2024 PUB/0563

हैदराबाद डिवीजन ने एसएलआरज की लीजिन्ग के लिए ई-नीलामी कार्यान्वित की है। तदनुसार, एचवायबी डिवीजन ने निम्न रेलों के लिए, एसएलआरज की लीजिन्ग हेतु ई-नीलामी संसाधित की है।

क्रम सं. 01, श्रेणी: पार्सल, कैटलाग सं. एचवायबी-पार्सल्स-014, कार्य विवरण: रेल सं.1)17652(एफएसएलआर-2) 2)16353(एफएसएलआर-1,एफएसएलआर-2 एवं आरएसएलआर-1) 3)17064(एफएसएलआर-1 एवं एफएसएलआर-2) 4) 22715(एफएसएलआर-1) 5)17028(एफएसएलआर-1 एवं एफएसएलआर-2) 6)17603(एफएसएलआर-2) नीलामी तिथि: 28-06-2024, नीलामी शुरू समय: 11.00 बजे, नीलामी बंद समय: 13.-00 बजे

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

वाय/सी.518/वायटीएसके/2024-25 दि.12-06-2024 PUB/0564

आवेदन आमंत्रित करने की सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, हैदराबाद डिवीजन, सिकंदराबाद द्वारा हैदराबाद डिवीजन के विभिन्न स्थानों पर, निजी भागीदारी के माध्यम से, यात्री टिकट सुविधा केन्द्र(वायटीएसके) की स्थापना एवं संचालन के लिए, आरक्षित तथा अनारक्षित टिकेट्स की जारी हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

सभी अधिकृत रेलवे टिकेट एजेन्ट्स, रेल ट्रैवल सर्विस एजेन्ट्स(आरटीएसए), रेल ट्रैवल एजेन्ट्स, (आरटीए) सहित भारतीय रेल से जुडे जनसाधारण टिकेट बुकिन्ग सेवक(जेटीबीएस) तथा भारतीय रेल खानपान व पर्यटन निगम(आयआरसीटीसी) द्वारा नियुक्त टिकेटिन्ग एजेन्ट्स भी वायटीएसके योजना के तहत, जिन्होंने कम से कम दो (2) वर्षों के लिए तत्संबंधित कार्य किया हैं/ कार्यरत हैं, वे तत्संबंधित टिकेट्स जारी करने के लिए, आवेदन करने के लिए पात्र हैं।

इससे संबंधित मुहरबन्द लिफाफे पर, यात्री टिकेट सुविधा केन्द्र(वायटीएसके) की स्थापना व संचालन के लिए आवेदन पत्र लिखा होना चाहिए।

महत्वपूर्ण तिथियां -

दमरे वेबसाइट पर अधिसूचना उपलब्ध है-	दि.12-06-2024, समय-11.00 बजे
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि-	दि.11-07-2024, समय 18.00 बजेतक
निविदा प्रपत्रों की प्रस्तुति की तिथि व समय-	दि.12-07-2024, 10.00 से 12.00 बजे तक
निविदा पेटी बंद होने की तिथि व समय:	दि.12-07-2024, 12.00 बजे
निविदा पेटी खोलने की तिथि व समय:	दि.12-07-2024, 12.15 बजे

तत्संबंधित आवेदन प्रस्तुति की अंतिम तिथि दि.12-07-2024, समय दोप.12.00 तक या इससे पहले है। उक्त आवेदनों को, डाक द्वारा या व्यक्तिगत रूप में दि. 12-07-2024 के दोप.12.00 बजे के बाद, प्राप्त होने पर उसे स्वीकार नही किया जायेगा तथा रेल प्रशासन तत्संबंधित विलम्ब के लिए जिम्मेदार नही होगा।

आवेदन प्रपत्र, अर्हता मापदंड, योग्यता, नियम व शर्तों सहित उक्त योजना का विवरण, दक्षिण मध्य रेलवे के आधिकारिक वेबसाइट www.scr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है।

यदि, तत्संबंधित अंतिम तिथि को सरकारी अवकाश रहता है तो, इसका अगला कार्यदिवस अंतिम तिथि होगा। विलम्ब/देरी से प्राप्त आवेदनों को अस्वीकार किया जायेगा। अधिक जानकारी हेतु, मुख्य कार्यालय अधीक्षक, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक का कार्यालय, नीचला तल, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद पर संपर्क कर सकते हैं।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक,हैदराबाद

A0717

ससुर एनटीआर की सियासी जमीन खिसकाकर चंद्रबाबू ने अपना प्रभुत्व जमाया था; विस्फोट में बची थी जान

अमरावती, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में आज नई सरकार की ताजपोशी हो गई। पांच साल बाद राज्य की सत्ता में वापसी करते हुए चंद्रबाबू नायडू एक बार फिर मुख्यमंत्री बन गए हैं। नायडू ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। हाल के विधानसभा चुनाव में उनकी तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने बहुमत हासिल किया है। यह चुनाव उन्होंने एनडीए के साथ मिलकर लड़ा था जिसमें उन्हें जबरदस्त सफलता मिली है।

2019 में राज्य की सत्ता से बाहर होने के बाद उनके सियासी सफर में कई उतार-चढ़ाव आए। खासकर 2023 में उन्हें कौशल विकास मामले में जेल जाना पड़ा। विधानभा चुनाव में प्रचंड जीत के साथ वह एक बार फिर सत्ता में आ गए हैं। इसके अलावा उनकी पार्टी ने लोकसभा चुनाव में भी अच्छा प्रदर्शन किया है और केंद्र की एनडीए सरकार का अहम हिस्सा बनी है।

नारा चंद्रबाबू नायडू का जन्म 20 अप्रैल 1950 को वर्तमान आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के नरवरिपल्ले में एक किसान परिवार में हुआ था। नायडू ने पांचवीं कक्षा तक शेषपुरम के प्राथमिक विद्यालय और 10वीं कक्षा तक चंद्रगिरी सरकारी हाई स्कूल में शिक्षा हासिल की। उन्होंने 19%2 में श्री वेंकटेश्वर आर्ट्स कॉलेज, तिरुपति से बीए की डिग्री पूरी की। नायडू ने श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री प्राप्त की। 19%4 में पीएचडी पर काम करना शुरू किया, लेकिन अपनी पीएचडी पूरी नहीं की।

राजनीतिक कैरियर

चंद्रबाबू नायडू का सियासी सफर देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के साथ शुरू हुआ था। उन्होंने 1978 में 28 साल की उम्र में अपना पहला चुनाव लड़ा। वह चंद्रगिरी विधानसभा सीट से कांग्रेस के विधायक चुने गए। दिलचस्प है कि उन्हें कांग्रेस का टिकट पार्टी में युवाओं के लिए 207 कोटे वाले नियम के तहत मिला था। इसके बाद उन्हें टी. अंजैया की सरकार में सिनेमेटोग्राफी मंत्री बनाया गया। वह उस समय आंध्र प्रदेश में 28 साल की उम्र में सबसे कम उम्र के विधायक और 30 साल की उम्र में सबसे कम उम्र के मंत्री बने।

एनटीआर की बेटी से शादी

सिनेमेटोग्राफी मंत्री के रूप में नायडू उस समय तेलुगु सिनेमा के स्टार एनटी रामा राव (एनटीआर) के संपर्क में आए। कम उम्र में नायडू की उपलब्धियों से प्रभावित होकर एनटीआर ने अपने परिवार के सामने शादी का प्रस्ताव रखा। 1981 में चंद्रबाबू नायडू ने एनटीआर की दूसरी बेटी भुवनेश्वरी से शादी की।

विस्फोट में बाल-बाल बच गए थे नायडू

1 अक्तूबर 2003 को तिरुपति में अलीपीरी टोलगेट के पास हुए बारूदी सुरंग विस्फोट में नायडू बाल-बाल बच गए। सात पहाड़ियों के ऊपर भगवान वेंकटेश्वर के ब्रह्मोत्सव के वार्षिक अनुष्ठान में भाग लेने के लिए तिरुमाला जाते समय मुख्यमंत्री के काफिले पर हमला किया गया था। कुल 17 क्लेमोर माइन लगाए गए थे, जिनमें से नौ में विस्फोट हो गया। विस्फोट में नायडू को मामूली चोटों आईं और वह बच निकले।

राष्ट्रीय राजनीति में बढ़ाया कद

चंद्रबाबू नायडू ने राष्ट्रीय राजनीति में भी अहम भूमिका निभाई। 1990 के दशक के मध्य में गैर-कांग्रेसी गठबंधन राजनीति में उन्हें किंग-मेकर माना जाता था। वे 13 राजनीतिक दलों के गठबंधन यूनाइटेड फ्रंट के संयोजक थे, जिसने 1996 के लोकसभा चुनावों के बाद केंद्र में सरकार बनाई। 1999 के लोकसभा चुनावों के बाद नायडू की भूमिका राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण हो गई। राज्य में टीडीपी और भाजपा के बीच चुनाव-पूर्व समझौता हुआ और इसने जबरदस्त सफलता हासिल की। राज्य में टीडीपी-भाजपा के सांसदों की संख्या 16 से बढ़कर 42 में से 36 हो गई। भाजपा लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत नहीं था। टीडीपी प्रमुख ने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक मोर्चा सरकार को अपने 29 सांसदों का समर्थन दिया। हालांकि, उनकी पार्टी सरकार में शामिल नहीं हुई और केवल 'मुद्दों के आधार पर समर्थन' दिया।

एन चंद्रबाबू नायडू

मुख्यमंत्री, आंध्र प्रदेश

निजी जीवन

जन्म: 20 अप्रैल, 1950

जन्म स्थान: तिरुपति, आंध्र प्रदेश

माता-पिता: अमनम्मा और नारा खर्जुरा नायडू

शिक्षा: चंद्रगिरी गवर्नमेंट हाई स्कूल

B.A, श्री वेंकटेश्वर आर्ट्स कॉलेज, तिरुपति

M.A, श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी, तिरुपति

पत्नी: नारा भुवनेश्वरी

शादी: 1981

बच्चे: नारा लोकेश

संपत्ति: 810 करोड़

राजनीतिक जीवन

1975 में नेशनल यूथ कांग्रेस में शामिल हुए।

1978 में चंद्रगिरि से पहली बार विधायक बने।

1983 विधानसभा चुनाव के बाद ससुर एनटी रामा राव की पार्टी TDP में शामिल हुए।

1986 में नायडू को TDP के जनरल सेक्रेटरी का प्रभार मिला।

1989 में कुप्पम सीट से चुनाव लड़े और 5,000 वोटों से जीत हासिल की। तब ये यहां के विधायक हैं।

1994 में एन टी रामा राव के कैबिनेट में वित्त और राजस्व मंत्री बने।

1 सितंबर 1995 को नायडू 45 साल की उम्र में मुख्यमंत्री बने।

1999 के चुनावों में विधानसभा की 294 सीटों में से 180 सीटें जीतकर दूसरी बार CM बने।

2004 और 2009 में हार के बाद 2014 में तीसरी बार राज्य के CM पद की शपथ ली

राहुल गांधी के बयान पर अजय राय की पहली प्रतिक्रिया

कहा- मैंने प्रियंका गांधी से कहा था,वाराणसी से चुनाव लड़ना चाहिए

लखनऊ, 12 जून (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी है जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रियंका गांधी को वाराणसी से चुनाव लड़ना चाहिए था। राय ने कहा कि हम सबने आग्रह किया था कि प्रियंका लड़ें। वाकई वो लड़ती तो मुक़ाबला दिलचस्प होता। जम्मू और कश्मीर में हुई आतंकी घटना पर राय ने कहा कि एलजी साहेब वाराणसी में आकर पीएम को चुनाव लड़ाने में व्यस्त थे और यहीं काम कर रेही हैं तो वहाँ क्या होगा यही होगा और क्या। बीजेपी के चार सौ पार के नुक़सान पर राय ने कहा कि इनके सारे नारे फेल हो गये तो ये भी फेल हो गया।

'मैं अहंकार में नहीं कह रहा'

बता दें अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीट से बड़ी जीत हासिल करने के बाद कांग्रेस नेता राहुल और प्रियंका गांधी पहली बार मंगलवार को रायबरेली पहुंचे। इस दौरान दोनों नेताओं ने जनता का आभार जताते हुए केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। रायबरेली के सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि अगर उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा वाराणसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़तीं तो वह प्रधानमंत्री मोदी को दो से तीन लाख वोटों से हरा देती। उन्होंने आगे कहा कि मैं यह बात अहंकार में आकर नहीं कह रहा हूं। मैं यह इसलिए कह रहा हूं क्योंकि भारत की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी को संदेश दिया है कि वे उनकी राजनीति से खुश नहीं हैं।

पत्नी पर अवैध संबंध के आरोप मात्र से नहीं हो सकता बच्चों का डीएनए टेस्ट

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने खारिज की शख्स की याचिका

प्रयागराज, 12 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि बिना सुबूत पत्नी पर अवैध संबंध में रहने के आरोप मात्र से बच्चों के डीएनए टेस्ट का आदेश नहीं दिया जा सकता। अदालत के आदेश पर ही हुआ डीएनए टेस्ट मान्य है और किसी की सहमति बगैर डीएनए टेस्ट नहीं कराया जा सकता। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने याची पिता द्वारा गुजारा भत्ता देने से बचने के लिए बेटी का ब्लड सैंपल लेकर कराए डीएनए जांच की रिपोर्ट को अस्वीकार्य माना। साथ ही नए सिरे से डीएनए टेस्ट कराने की मांग अस्वीकार कर दी। हाई कोर्ट ने ग्राम अदालत द्वारा पत्नी और दो बच्चों के हक में पारित गुजारा भत्ते के बकाये का भुगतान एक महीने में करने, जुलाई से नियमित गुजारा भत्ता देने का निर्देश याची को दिया है। निचली

अदालत के आदेश की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है।

कोर्ट ने क्या कहा?

यह आदेश न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी ने डॉ। इरफाक उर्फ मोहम्मद इरफाक हुसैन की याचिका व पुनरीक्षण अर्जी पर दिया है। कोर्ट ने कहा, पति-पत्नी शादी के चार साल तक साथ रहे। पति ने अर्जी में कहीं नहीं कहा कि इस दौरान उसके अपनी पत्नी के साथ कभी शारीरिक संबंध नहीं हुए। वैध शादी के दौरान यदि बच्चे पैदा होते हैं तो कानूनी उपधारणा यही होगी कि बच्चे उन्हीं मां-बाप के हैं। यदि कोई शक करता है तो उसे साबित करना होगा कि वह उसकी संतान नहीं है।

2013 में हुई थी शादी

याची की शादी विपक्षी के साथ 12 नवंबर 2013 को हुई थी। दहेज में पांच लाख नकद व मोटरसाइकिल मांगने को लेकर विवाद हुआ और पत्नी दोनों बच्चों को लेकर मायके चली आई। उसने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 में गुजारा भत्ते के लिए ग्राम अदालत कासगंज में अर्जी दी। सुनवाई के दौरान डॉक्टर याची ने बच्चियों के खून का सैंपल लेकर हैदराबाद लैब से डीएनए टेस्ट रिपोर्ट मंगा ली और अदालत में पेश कर विपक्षी संख्या तीन अपनी बेटी को नाजायज औलाद करार दिया।

कोर्ट ने गुजारा भत्ता देने का दिया आदेश

अदालत ने पत्नी से आपत्ति मांगी और गुजारा भत्ता देने का आदेश दे दिया। इसके खिलाफ दाखिल अपील अपर जिला न्यायाधीश ने खारिज कर दी। इसके बाद याची ने हाई कोर्ट में याचिका व पुनरीक्षण अर्जी दाखिल की। कोर्ट ने कहा, डीएनए जांच याची ने गुजारा भत्ता देने से बचने के लिए कराई। कोर्ट के आदेश से जांच नहीं की गई। ऐसी रिपोर्ट विश्वसनीय नहीं है। केवल पत्नी पर आरोप लगाकर बच्चों के पितृत्व से इनकार नहीं किया जा सकता। बिना ठोस सुबूत या आधार के डीएनए जांच का आदेश नहीं दिया जा सकता।

20 करोड़ की जमीन के लिए दोस्त को शराब पिलाई, एनेस्थीसिया दिया फिर नहर में फेंका

बुलंदशहर, 12 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर की गंगनहर में तीन महीने पहले मिली एक शख्स की लाश की शिनाख्त न होने पर उसका लावारिस में अंतिम संस्कार कर दिया। वो लाश गाजियाबाद के बिल्डर की निकली, उसका कातिल उसी का दोस्त निकला। पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा किया है। हत्या में दोस्त समेत चार आरोपी शामिल थे, पुलिस ने सभी को गिरफ्तार किया है। हत्या की वजह 20 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी थी। मृतक बिल्डर के परिजन उन्हें लगातार तलाश कर रहे थे। गाजियाबाद पुलिस भी बिल्डर की खोज में घनचक्कर बनी हुई थी। सर्विलांस से मिले क्लू ने पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया। घटना के खुलासे के बाद पुलिस ने राहत को सांस ली है। वहीं, मृतक बिल्डर की मौत उनके परिजन सदमे में हैं। पत्नी बेसुध है, उसे मलाल है कि वह अंतिम बार अपने पति के दर्शन भी नहीं कर पाई।

पुलिस के मुताबिक, गाजियाबाद के इंदिरापुरम निवासी राकेश वार्ष्णेय प्रॉपर्टी डीलर का काम करते थे। इस कारोबार में उनका दोस्त राजू उपाध्याय भी उनके साथ पार्टनर था। राकेश की मुरादाबाद में करीब 20 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी है। उसे बेचने के लिए राकेश ने उसकी पावर ऑफ अटार्नी अपने दोस्त और पार्टनर राजू के नाम कर दी थी।

आरोपी राजू ने अपने दोस्त अनुज गर्ग, कृष्ण अग्रवाल और हरीश कुमार शर्मा की मदद से राकेश की हत्या कर दी। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, आरोपी राजू ने अपने दोस्तों के साथ राकेश को पार्टी के लिए बुलाया। सभी ने मिलकर शराब पी। राजू और उसके आरोपी दोस्तों ने राकेश को पहले जमकर शराब पिलाई फिर एनेस्थीसिया की ओवरडोज दी। अत्याधिक डोज से राकेश बेहोश हो गया। आरोपी उसे एंबुलेंस से लेकर बुलंदशहर स्थित गंगनहर में फेंक आए।

पीएम मोदी 18 जून को काशीवासियों से करेंगे संवाद

तीसरी बार जीत के बाद जताएंगे आभार

वाराणसी, 12 जून (एजेंसियां)। लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी 18 जून को काशी आएंगे। जीत के बाद काशी की जनता का आभार जताने के लिए एक दिन का प्रवास करेंगे। पीएम सेवापुरी विधानसभा के मेहंदीगंज में किसानों से संवाद करेंगे। बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन और मां गंगा की पूजा के साथ गंगा आरती में शामिल भी होंगे। किसानों से संवाद के लिए भाजपा के पदाधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी स्थान चयन करने में जुट गए हैं। मंगलवार को भाजपा पदाधिकारियों के अलावा मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा और जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने प्रधानमंत्री के किसान सम्मेलन के

लिए राजातालाब में चार स्थल देखे। राजातालाब मंडी के पीछे, रखौना, मेहंदीगंज मड़ई, मेंहदीगंज रिंग रोड के गांवों में स्थान का निरीक्षण किया। पीएम के काशी आगमन को लेकर काशीवासी और भाजपा कार्यकर्ता बेहद उत्साहित हैं। पीएम के जोरदार स्वागत व उनके कार्यक्रम को लेकर जिला और महानगर इकाई ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। निरीक्षण के दौरान भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, प्रवीण सिंह गौतम, अरविंद पटेल शामिल रहे।

काशीवासियों के साथ कार्यकर्ता करेंगे पीएम मोदी का भव्य स्वागत

शहरी क्षेत्र में पीएम मोदी के होने वाले दो कार्यक्रमों में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन और गंगा आरती शामिल है। इसे लेकर महानगर इकाई के अध्यक्ष विद्यासागर राय के नेतृत्व में तैयारियां शुरू कर दी है। पीएम के यात्रा मार्ग में स्वागत के लिए काशीवासियों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रहेगी। सभी विधानसभाओं के विधायकों को जिम्मेदारी दी गई है।

बिहार में जानलेवा गर्मी, हीट स्ट्रोक के मामले बढ़े

सीएम नीतीश ने आपदा विभाग और सभी डीएम को दिए निर्देश

पटना, 12 जून (एजेंसियां)। बिहार में भीषण गर्मी और हीटवेव से लोगों का हाल बुरा हो रहा है। मौसम विभाग की मानें तो 14 जून तक गर्मी और हीटवेव से राहत मिलने की उम्मीद न के बराबर है। मौसम विभाग ने 10 से ज्यादा जिलों में बहुत ज्यादा हीटवेव चलने को लेकरअलर्ट जारी किया है। इसके अलावा राज्य के 25 से ज्यादा जिलों में भी हीटवेव चलने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक, बिहार में 15 जून से मॉनसून की गतिविधियां शुरू हो जाएगी, इसके बाद ही राज्य में बारिश देखने को मिलेगी। आईएमडी के पटना केंद्र ने एक बयान में कहा, "14 जून तक राज्य के दक्षिणी और उत्तरी भागों में भीषण गर्मी रहने का अनुमान है। लोगों को घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि लंबे समय तक धूप में रहने से गर्मी से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं।" बक्सर प्रदेश का सबसे अधिक गर्म जिला बना हुआ है जहां का तापमान 46 डिग्री के पार पहुंच गया है। वहीं अन्य जिलों में भी प्रचंड गर्मी पड़ रही है। लू से कई जिलों में लोगों की मौत हुई है। शिक्षक-विद्यार्थी समेत कई लोगों की मौत गर्मी की वजह से हो गई जबकि सैंकड़ों लोग बीमार होकर अस्पताल पहुंचे हैं।

सीएम नीतीश ने विभागों को दिए ये निर्देश

इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में गर्मी और हीटवेव की आपदाजनक स्थिति को देखते हुए मंगलवार को आपदा प्रबंधन एवं सभी जिलाधिकारियों को समुचित कार्रवाई का निर्देश दिया है। उन्होंने पूरे प्रदेश में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और अस्पतालों को अलर्ट रखने को कहा है। साथ ही अस्पतालों में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है। सीएम नीतीश ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है, "भीषण गर्मी और हीटवेव की आपदाजनक स्थिति को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग एवं राज्य के सभी जिलाधिकारियों को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सभी जिलों के संवेदनशील स्थानों पर पीने के पानी के टैंकर पर्याप्त संख्या में रखने को कहा है। साथ ही भूजल स्तर पर भी नजर रखने को कहा है। भीषण गर्मी एवं लू से बचने के लिए लोगों को उचित सावधानी बरतने की सलाह देते हुए माइकिंग की भी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।" आगे उन्होंने लिखा है, "सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों सहित अनुमंडल एवं सदर अस्पतालों में जरूरी स्वास्थ्य सुविधाओं तथा जरूरी दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। गांव हो या शहर सभी जगहों पर निर्बाध रूप से बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा है ताकि लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल सके। आपदा प्रबंधन विभाग को निर्देश दिया है कि लोगों को लगातार जागरूक करते रहें और संपूर्ण स्थिति पर निगरानी रखें।"

15 जून तक बंद रहेंगे सरकारी स्कूल

इससे पहले राज्य शिक्षा विभाग ने सोमवार को सभी सरकारी स्कूलों को 15 जून तक बंद रखने का आदेश दिया था। शिक्षा विभाग के आदेश में कहा गया है, "राज्य में पड़ रही भीषण गर्मी और आईएमडी द्वारा जारी की गई चेतावनी के मद्देनजर विभाग ने सभी सरकारी स्कूलों को 11 से 15 जून तक बंद रखने का आदेश दिया है। चूंकि स्कूल बंद रहेंगे, इसलिए शिक्षकों के लिए भी 15 जून तक छुट्टियां घोषित की जाएंगी।"

कोर्ट जा रहे वकील पिता और बेटे की हत्या

छपरा में घात लगाए अपराधियों ने की फायरिंग अस्पताल में जुटे साथी वकील

छपरा, 12 जून (एजेंसियां)। छपरा में बुधवार सुबह कोर्ट जा रहे वकील पिता और बेटे की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों एक ही बाइक से कोर्ट के लिए निकले थे। 5 अपराधी पहले से घात लगाकर दोनों का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही वो पहुंचे, अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। मृतकों की पहचान मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के मेथावलिया गांव निवासी राम अयोध्या राय (55) पिता रघुनाथ राय और सुनील कुमार राय पिता राम अयोध्या राय के रूप में हुई है। पुलिस की माने तो परिवार में 4 बीघा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। जिसे लेकर आज ये घटना हुई। पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने दो लोगों की गिरफ्तारी की है। आरोपियों के नाम काली राय और जगदीश राय है। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

परिजनों ने बताया कि रोजाना की तरह अयोध्या राय कोर्ट के लिए निकल रहे थे। तभी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दूधिया पुल के पास बाइक से आए बदमाशों ने गोली चलानी शुरू कर दी। इसमें दोनों को गोली लग गई। इसके बाद स्थानीय लोग सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हत्या के बात आक्रोशित वकीलों ने कोर्ट में काम बंद कर दिया है। इससे कोर्ट में आए लोगों को वापस

नीतीश सरकार का बड़ा फैसला

सभी जिलों में प्रभारी मंत्री नियुक्त सम्राट को पटना की जिम्मेदारी

पटना, 12 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने बिहार में प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति कर दी है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पटना और विजय कुमार सिन्हा को मुजफ्फरपुर, भोजपुर का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। वहीं सीएम नीतीश कुमार के करीबी मंत्री विजय कुमार चौधरी को पूर्णिया, नालंदा और मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव को वैशाली का प्रभारी मंत्री बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के बेटे संतोष कुमार सुमन को औरंगाबाद और मंत्री सुमित कुमार संह सारण का मंत्री बनाया गया है।

वहीं बिहार सरकार के मंत्री प्रेम कुमार को नवादा, श्रवण कुमार को समस्तीपुर और मधेपुरा, पूर्व उपमुख्यंत्री रेणु देवी को सीवान, मंत्री मंगल पांडेय को दरभंगा और बेगूसराय, नीरज कुमार सिंह को कटिहार, मंत्री अशोक चौधरी को सीतामढ़ी और जहानाबाद, लेशी सिंह को मधबुनी, मदन सहनी को सुपौल, मंत्री नीतीश मिश्रा को अररिया और गया का प्रभारी मंत्री बनाया गया है।

अकबरनगर में एलडीए की बुलडोजर कार्रवाई जारी पुलिस ने किया लाठीचार्ज

लखनऊ, 12 जून (एजेंसियां)। लखनऊ के अकबरनगर में दूसरे दिन भी एलडीए की बुलडोजर कार्रवाई जारी रही। सोमवार को एलडीए ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए पहले सेक्टर में 45 मकानों को गिराया था। वहीं आज दूसरे दिन भी सुबह 7 बजे से बुलडोजर की कार्रवाई शुरू हुई। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल के साथ पीएसी और आरएएफ के जवान तैनात रहे। दोपहर में जब धार्मिक स्थल के पास बुलडोजर तोड़फोड़ करने पहुंचे तो स्थानीय लोग विरोध करने लगे। इसके बाद पुलिस बल ने लाठीचार्ज करते हुए स्थानियों को वहां से हटा दिया। साथ ही प्रशासन ने वहां इकट्ठा हुए मौलानाओं से बातचीत की और मामले को शांत कराया। फिलहाल मस्जिद अभी तोड़ी नहीं गई। पल-पल की निगरानी के लिए सड़क और गलियों में 35 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और ड्रोन कैमरों से भी निगरानी की जा रही है।

अतीक के परिवार और उसके गैंग को अब लगेगा बड़ा झटका, पुलिस कर रही ये तैयारी

प्रयागराज, 12 जून (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड के बाद करीब सवा साल से फरार माफिया अतीक अहमद की बीवी शाइस्ता परवीन की संपत्ति जल्द ही कुर्क कर दी जाएगी। इसकी कवायद पुलिस ने तेज कर दी है। शाहगंज इलाके में स्थित जमीन की कीमत करोड़ों रुपए आंकी गई है। इस प्रापर्टी को जब्त किए जाने के बाद अतीक के परिवार और उसके गैंग को बड़ा झटका लगने की बात कही जा रही है। अतीक गैंग की नामी-बेनामी संपत्ति को चिन्हित करने के लिए पुलिस ने ऑपरेशन जिराफ चलाया था। इसी दौरान पता चला था कि माफिया अतीक ने शाहगंज स्थित बंगाली होटल पर कब्जा जमाया था। इसके बाद जानकारी मिली थी कि अतीक ने शाहगंज में बीवी शाइस्ता परवीन के नाम कीमती जमीन खरीदी थी। जिस वक्त जमीन को लिया गया था, उस वक्त उसकी कीमत काफी कम थी, मगर मौजूदा समय में बाजारू कीमत करोड़ों रुपये आंकी गई है

प्रापर्टी कुर्क करने की कवायद तेज

पुलिस सूत्रों का कहना है कि राजस्व विभाग से रिपोर्ट मिलने के बाद उस प्रापर्टी को गैंगस्टर एक्ट की धारा 14 (1) के तहत कुर्क करने की कवायद तेज कर दी गई है। उधर, हटवा में अशरफ की बीवी जैनब के मकान को भी ढहाने की बात कही जा रही है। बताया गया है कि वक्फ बोर्ड की जमीन पर अशरफ के ससुराल वालों ने कब्जा कर लिया था और उसके बाद मकान बनवाया, लेकिन उसका नक्शा प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा पास नहीं करवाया गया।

खाने के लिए आवाज लगाता रहा पति, इंस्टाग्राम पर रील बनाती रही पत्नी, फिर पति ने कर दी पिटाई

चित्रकूट, 12 जून (एजेंसियां)। सोशल मीडिया के जमाने में आज हर कोई खुद को मशहूर करने की कोशिश में जुटा है। इस कोशिश में कभी-कभी ऐसा होता है कि पति-पत्नी के रिश्तों में भी खटास आ जाती है। कुछ ऐसा ही मामला यूपी के चित्रकूट जिले से सामने आया है। यहां एक महिला ने आरोप लगाया कि इंस्टाग्राम पर रील बनाने की वजह से उसके पति ने उसे पीट दिया। मामला थाने पहुंच गया है। महिला ने अपने पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मामला मानिकपुर नगर के शिवनगर मोहल्ले का है। यहां के राजेश कुमार की पत्नी घर में दोपहर को मोबाइल फोन पर वीडियो (रील) बना रही थी। कई बार पति ने खाने के लिए आवाज लगाई, लेकिन पत्नी ने ध्यान नहीं दिया। इससे नाराज पति ने पत्नी की पिटाई कर दी। इससे नाराज पत्नी सीधे थाने पहुंच गई और अपने ही पति के खिलाफ तहरीर दी। थाना प्रभारी रीता सिंह ने बताया कि पत्नी की तहरीर पर पर खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

'सपा और कांग्रेस को चाहिए मुझे धन्यवाद कहें नगीना सांसद चंद्रशेखर ने क्यों कहा ऐसा?

नगीना, 12 जून (एजेंसियां)। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के नेता और नगीना से नवनिर्वाचित सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा है कि समाजवादी पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के इंडिया अलायंस को उनका धन्यवाद कहना चाहिए। 4 जून को संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 37, इंडिया अलायंस ने 43 सीटें हासिल की हैं। एक साक्षात्कार में आजाद ने दावा किया कि अगर उनकी पार्टी सभी निर्वाचन क्षेत्रों में अपने प्रत्याशी उतारती तो इंडिया अलायंस के लिए मुश्किलें खड़ी हो जाती। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) कांशीराम ने नगीना और पूर्वांचल के

डुमरियागंज लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र पर उम्मीदवार उतारा था। यहां उनके उम्मीदवार अमर सिंह चौधरी ने 81 हजार 305 मत हासिल किए थे। इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी के जगदंबिका पाल ने जीत हासिल की है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी को 42 हजार 278 मतों से हराया है।

आसपा (कांशीराम) के नेता चंद्रशेखर ने कहा कि अगर हम उत्तर प्रदेश की सभी सीटों पर चुनाव लड़ते तो इंडिया अलायंस बड़ी संख्या में सीटें हार जाता। अगर इंडिया अलायंस चाहे तो मेरा शुक्रिया अदा कर सकता है। मैं संविधान के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई है। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के से जुड़े एक सवाल पर चंद्रशेखर ने कहा कि समाज के लिए मायावती ने बहुत काम किया। उनका आशीर्वाद मुझे मिलता रहा है। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। लेकिन अब समाज को लगता है कि जितना काम हुआ है वह ज्यादा नहीं है। और भी मजबूती से काम किए जाने की जरूरत है। समाज मेरे साथ है और उनकी उम्मीदों को पूरा करना मेरी जिम्मेदारी है।

रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया लेखपाल, एंटी करप्शन टीम ने की कार्रवाई; मचा हड़कंप

बाराबंकी, 12 जून (एजेंसियां)। लेखपाल को रिश्वत लेते हुए एंटी करप्शन की टीम ने जिलाधिकारी आवास के सामने से रंगेहाथ पकड़ लिया। लेखपाल ने खारिज दाखिल करने के लिए 50 हजार रुपए मांगे थे। 20 हजार रुपए में बात तय हो गई थी। शिकायतकर्ता की सूचना पर पैसा गिनते हुए लेखपाल को गिरफ्तार किया गया। तहसील नवाबगंज का लेखपाल मनोज कुमार सिंह मसौली के भयारा ग्राम पंचायत में कार्यरत है। बड्डुपुर के खिंजना गांव निवासी मनोज करीब तीन महीने पहले बहादुरपुर ग्राम पंचायत से स्थानांतरित होकर भयारा आया था। ग्राम पंचायत भयारा के शिकायतकर्ता मनोज आनंद ने खारिज दाखिल के लिए लेखपाल से संपर्क किया।

ट्रक झोपड़ी पर पलटा, परिवार के 8 लोगों की मौत

सिर्फ एक बच्ची बची, ट्रक में रेत भरी थी यूपी के हरदोई की घटना

हरदोई, 12 जून (एजेंसियां)। हरदोई में बालू से भरा ट्रक झोपड़ी पर पलट गया। घर के बाहर सो रहे एक ही परिवार के 8 लोगों की मौके पर मौत हो गई। अब परिवार में सिर्फ एक बच्ची बची है। मरने वालों में पति-पत्नी, 4 बच्चे, दामाद और नातिन शामिल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हादसा शहर से 50 किलोमीटर दूर कानपुर हाईवे पर बुधवार रात 1।30 बजे मल्लावां चुंगी के पास हुआ। मरने वालों की पहचान अवधेश (45), उनकी पत्नी सुधा (42), 3 बच्चे- सुनैना (11), लल्ला (5), बुद्ध (4), और दामाद करन (25), उनकी पत्नी हीरो (22) और बेटी कोमल (5) के रूप में हुई। मल्लावां कस्बे में उन्नाव मार्ग पर लोग सड़क किनारे झोपड़ी बनाकर रहते हैं। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया- रात में हम लोग सो रहे थे, तभी अचानक चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। हम लोग दौड़कर अवधेश के घर पहुंचे। देखा तो पूरा परिवार ट्रक के नीचे दबा था। एक बच्ची घायल पड़ी थी। हम लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी बुलवाई। इसके बाद ट्रक को सीधा किया गया। बालू को हटवाया गया। डीएम मंगला प्रसाद ने बताया कि ट्रक कानपुर से सफेद बालू लादकर हरदोई जा रहा था। ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। ट्रक को जेसीबी से खींचकर कोतवाली मल्लावां लाया गया है। घायल बच्ची बिट्टू को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत नाजुक है। घटना की जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

टीएमसी का दावा

बीजेपी के तीन सांसद हमारे संपर्क में, संख्या घटकर रह जाएगी 237

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता साकेत गोखले ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीन सांसद उनकी पार्टी के संपर्क में हैं और लोकसभा में भाजपा का संख्या बल जल्द ही घटकर 237 रह जाएगा। इस टिप्पणी की प्रदेश भाजपा इकाई की कड़ी प्रतिक्रिया आई, जिसने दावे को "बेबुनियाद" करार दिया और जोर देते हुए कहा कि पार्टी की प्रदेश इकाई एकजुट है। लोकसभा चुनाव में, तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल की 42 सीट में से 29 पर जीत दर्ज की।

वहीं, राज्य में भाजपा की सीट संख्या 2019 के 18 से घटकर 12 हो गई। राज्यसभा सदस्य गोखले ने 'एक्स' पर कहा, 'अभी, लोकसभा में भाजपा का संख्या बल 240 और 'इंडिया' का 237 है। पश्चिम बंगाल में भाजपा के तीन सांसद हमारे संपर्क में हैं और जल्द ही एक सुखद आश्चर्य होगा। उसके बाद, भाजपा का संख्या बल घटकर 237 रह जाएगा जबकि 'इंडिया' के सांसदों की संख्या बढ़कर 240 हो जाएगी।" उन्होंने कहा कि (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी का अस्थिर गठबंधन एक अस्थायी संरचना है जो ज्यादा दिन तक नहीं टिकने वाला है। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीट पर जीत दर्ज करने के साथ बहुमत के आंकड़े से चूक गई, लेकिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 293 सीट के साथ बहुमत का आंकड़ा हासिल कर लिया। कांग्रेस ने 99 सीट पर जीत दर्ज की, जबकि 'इंडिया' गठबंधन ने 234 सीट हासिल की। चुनाव के बाद, दो विजेता निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी कांग्रेस को समर्थन देने का वादा किया, जिससे 'इंडिया' का संख्या बल बढ़कर 236 हो गया है। गोखले के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा कि तृणमूल दिन में सपने देख रही है। उन्होंने कहा, "2014 से ही तृणमूल कांग्रेस केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण ताकत बनने का दिन में सपने देखते रही है, लेकिन एक बार नहीं, बल्कि तीन बार उसकी उम्मीदें टूट गईं। भाजपा और राजग एकजुट है। बंगाल से भाजपा का कोई सांसद तृणमूल के संपर्क में नहीं है।'

राष्ट्रपति भवन से 21 किलोमीटर दूर दिखा तेंदुआ, वन विभाग ढूंढ रहा पैरों के निशान, दहशत में लोग

गाजियाबाद, 12 जून (एजेंसियां)। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान राष्ट्रपति भवन में तेंदुए को देखे जाने को लेकर मचे बवाल के बाद यहां से 21 किलोमीटर दूर तेंदुआ देखा गया है। घटना गाजियाबाद के लोनी इलाके की है। यहां तेंदुए के देखे जाने के बाद लोगों में दहशत का माहौल है। लोग घर से बाहर बहुत संभलकर निकल रहे हैं। वन विभाग की टीम ने सूचना मिलते ही तेंदुए के पैरों के निशान की तलाश तेज कर दी है। तेंदुआ देखे जाने का मामला जिले के लोनी इलाके के गांव जावली का है। मंगलवार की दोपहर में तेंदुआ देखा गया है। वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी तेंदुआ होने की पुष्टि के लिए इलाके में खोजबीन कर रहे हैं। गांव वाले डरे हुए हैं। महिलाएं और बच्चे घरों में कैद हैं। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने तेंदुए जैसे जानवर को गांव के शिव मंदिर के पास घूमते देखा है। वन संरक्षक मौके पर मौजूद हैं।

शिव मंदिर के पास दिखा तेंदुआ

तेंदुए की दस्तक वाली खबर से ग्रामीणों की नींद उड़ी हुई है। इलाके में वन विभाग की टीम कॉम्बिंग कर रही है। तेंदुआ देखे जाने की जानकारी जावली-सकलपुरा मार्ग पर ईंट-भट्ठा काम कर रहे मजदूरों ने दी। ईंट भट्ठे के सामने शिव मंदिर है। मजदूरों ने भट्ठे पर तेंदुआ जैसे जानवर को देखा, जिसे देख उनमें हड़कंप मच गया। कुछ ही देर में तेंदुआ देखे जाने की खबर पूरे इलाके में फैल गई। लोगों में इसको लेकर डर बैठ गया।

नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण समारोह में तेंदुआ देखे जाने का मामला सामने आया था। इसका एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें बीजेपी सांसद दुर्गा दास उइके के शपथ ग्रहण के दौरान राष्ट्रपति भवन के गलियारे में एक जानवर घूमता नजर आया था। इस वीडियो के वायरल होने पर कयास लगाए जा रहे थे कि गलियारे में टहलता जानवर तेंदुआ है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले की पुष्टि करते हुए बताया था कि राष्ट्रपति भवन में तेंदुआ नहीं बल्कि वहां पलने वाली घरेलू बिल्ली थी। दिल्ली पुलिस ने इसको अफवाह बताते हुए इस पर ध्यान न देने की अपील की थी।

पानीपुरी खाते ही बिगड़ी तबीयत

इलाज के दौरान युवक की हो गई मौत टीम ने रेस्तरां से इकट्ठे किए नमूने

डिंडीगुल, 12 जून (एजेंसियां)। तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में एक चौंकाने वाली घटना घटी। यहां एक 17 साल के युवक की रेस्तरां में पानीपुरी खाने से मौत हो गई। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। उन्होंने पुलिस से शिकायत कर रेस्तरां संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। खाद्य विभाग की टीम ने रेस्तरां से खाने के नमूने इकट्ठे कर जांच शुरू कर दी है। घटना से लोग हैरत में हैं। पानीपुरी खाकर पहले युवक की तबीयत बिगड़ी थी। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया था। हालत गंभीर होने से इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। युवक की मौत होने का कारण पानीपुरी खाया जाना बताया जा रहा है। घटना के बाद परिजनों ने पुलिस में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मृतक युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

रेस्तरां से खाई पानीपुरी

रिपोर्ट्स के मुताबिक, डिंडीगुल जिले के एक 17 वर्षीय लड़के ने 7 जून को अपने घर के पास एक रेस्तरां में पानी पुरी सहित चाट खरीद कर खाई थी। इसे खाने के कुछ देर बाद ही युवक को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो गईं। उसे उल्टी, बेहोशी और डायरिया हो गया। युवक की हालत बिगड़ने पर उसके माता-पिता घबरा गए। आनन-फानन में युवक को तुरंत इलाज के लिए डिंडीगुल सरकारी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर युवक को बेहतर इलाज के लिए राजाजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया ।

इलाज के दौरान युवक की मौत

इलाज के दौरान 9 जून को युवक की मौत हो गई। उसकी मौत से परिजनों में चीख-पुकार मच गई। युवक के पिता ने नाथम थाने में शिकायत दर्ज कर रेस्तरां संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। इसके अलावा, अधिकारी उस रेस्तरां से नमूने एकत्र कर रहे हैं और उनका परीक्षण कर रहे हैं जहां से युवक ने पानीपुरी खरीदी थी।

पाक और दुबई से पूछी जा रही थी उमा भारती की लोकेशन, सुरक्षा अधिकारी को आया था फोन

भोपाल, 12 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी की नेता उमा भारती के सुरक्षा अधिकारी के पास पाकिस्तान और दुबई से फोन आने की खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फोन करने वालों ने उमा भारती की लोकेशन के बारे में जानकारी मांगी। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के कार्यालय की ओर से जारी किए गए एक बयान में कहा गया, 'उमा भारती की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी को पाकिस्तान और दुबई से फोन आए और उनसे बार-बार लोकेशन पूछी गई। उन्होंने अपने को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया और कहा कि पूछताछ के लिए लोकेशन जानना चाहते हैं।'

एडीजी इंटेलिजेंस को दी गई जानकारी

उमा भारती के कार्यालय प्रभारी की ओर से जारी किए गए बयान में आगे कहा गया है, 'दोनों ही फोन नंबरों की ट्रूकॉलर से सर्च की गई तो एक नंबर पाकिस्तान के एम। हुसैन और दूसरा नंबर दुबई के अब्बास नाम के शख्स का निकला। दोनों फोन नंबर के बाहरी होने की पुष्टि के बाद उमा भारती की सुरक्षा में तैनात पुलिस इंस्पेक्टर द्वारा इसकी पूरी जानकारी पुलिस महानिदेशक और एडीजी इंटेलीजेंस को भेज दी गई है।' कार्यालय प्रभारी द्वारा जारी किए गए बयान को उमा भारती ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी साझा किया है।

आक्रामक हिंदूवादी नेता रही हैं उमा भारती

उमा भारती की पहचान एक हिंदूवादी और आक्रामक नेता की रही है। अयोध्या में बाबरी ढांचा ढाए जाने वालों की सूची में उनका नाम सबसे आगे चर्चा में रहा है। वे अपने बयानों के कारण चर्चाओं में रहती हैं। अभी हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में हुए ज्यादा सक्रिय नजर नहीं आई। उमा भारती गुना संसदीय क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में जरूर प्रचार करने पहुंची थी। उस दौरान उन्होंने अपने और सिंधिया राजपरिवार के रिश्तों को याद किया था। साथ ही उन्होंने मतदाताओं को भरोसा दिलाया था कि ज्योतिरादित्य सिंधिया जो कहेंगे वह करेंगे भी। उनका इस समय सबसे ज्यादा जोर गंगा नदी की सफाई पर है।

गर्लफ्रेंड की एक छोटी सी बात और आपस में भिड़ गए कैदी, सेंट्रल जेल बना अखाड़ा

नागपुर, 12 जून (एजेंसियां)। गर्लफ्रेंड को लेकर आपत्तिजनक बात बोलने पर नागपुर सेंट्रल जेल में अपराधियों के दो गुट आपस में भीड़ गए। वारदात में दोनों गुटों के दो से तीन सदस्य जख्मी हो गए हैं। वारदात को अंजाम देते हुए अपराधियों ने सेंट्रल जेल के सामान को भी नुकसान पहुंचाया। जेल परिसर में हुए इस संघर्ष के कारण बाकी कैदियों में भी हड़कंप मचा रहा। वारदात के बाद जेल अधिकारी मौके पर पहुंचे और बाकी कैदियों को बैरक में बंद कर मामले को शांत किया। ये सभी विचाराधीन कैदी हैं। वहीं, नागपुर की धंतोली पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सभी आरोपियों को बड़ी गोल के बैरक नंबर दो में रखा गया था।

रविवार की रात साकिब और वृषभ ने लोकेश की गर्लफ्रेंड के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की। इस बात पर सूरज नाराज हो गया और उसने सभी को दोबारा किसी महिला पर इस प्रकार की टिप्पणी करने पर बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। इसके बाद साकिब और उसके साथी सूरज को सबक सिखाने की तैयारी में थे। उन्होंने सूरज पर हमला करने का प्लान बनाया। घटना को अंजाम देने के लिए साकिब, वृषभ और महबूब ने टीनन के टुकड़े को हथियार बनाया और सूरज पर हमला कर दिया। आरोपियों ने टीन का टुकड़ा सूरज के पेट में घोपने का प्रयास किया, लेकिन उसने अपने हाथों से वार से रोक लिया। इसके बाद सूरज अपने साथियों के साथ बैरक में घुसा और तीनों को जमकर मारा।

कुछ ही देर में बम से उड़ा देंगे

चंडीगढ़ के सरकारी अस्पताल को उड़ाने की धमकी

चंडीगढ़, 12 जून (एजेंसियां)। देश की राजधानी के बाद अब चंडीगढ़ के सेक्टर-32 के अस्पताल और मेडिकल कॉलेज मैंटल हेल्थ इंस्टीट्यूट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया और ऐसे में अब इलाके को खाली करवाया जा रहा है। मैल के जरिये यह धमकी दी गई है। चंडीगढ़ पुलिस के जवान और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची हैं। जानकारी के अनुसार, चंडीगढ़ के सेक्टर 32 में सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल है। यहां पर मैटल हेल्थ इंस्टीट्यूट को बम से उड़ाने के लिए एक धमकी भरा मेल भेजा गया है। मेल में लिखा गया है कि कुछ ही देर में मेंटल इंस्टिट्यूट को बम से उड़ा दिया जाएगा। हालांकि, अब चंडीगढ़ पुलिस के सीनियर अधिकारी, ऑपरेशन सेल टीम, रेस्क्यू ऑपरेशन टीम और क्राइम ब्रांच टीम मौके पर पहुंच चुकी है।

पुलिस ने इलाका करवाया खाली

सेक्टर-32 का मेंटल इंस्टिट्यूट जहां पर है, वहां आसपास पूरा रिहायशी इलाका है। यहां पर सेक्टर-32 में एसडी स्कूल और कॉलेज के अलावा, सेंट स्टीफ्स स्कूल भी है। हालांकि, एहतियातन के तौर पर अब चंडीगढ़ पुलिस ने पूरा एरिया खाली करवाया है। पुलिस की टीमें पूरे एरिया की जांच कर रही हैं। गौरतल है कि बीते माह दिल्ली में कई बार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे मेल सामने आए थे। हालांकि, जांच में स्कूलों में कुछ नहीं निकला था। लगातार ऐसे मेल्स आने से पुलिस प्रशासन को खासी परेशानी हुई थी। रूस से ये धमकी भरे मेल भेजे गए थे।

दिल्ली विधानसभा के दलबदल रोधी कानून के नोटिस पर राज कुमार आनंद बोले- 'मैं अपने वकीलों की सलाह पर कदम उठाऊंगा'

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व समाज कल्याण मंत्री राज कुमार आनंद ने कहा कि वह विधायक के रूप में उन्हें अयोग्य ठहराने के लिए उन्हें दिए गए दिल्ली विधानसभा के नोटिस पर कानूनी राय ले रहे हैं। राज कुमार आनंद ने अप्रैल में आम आदमी पार्टी और दिल्ली सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उन्होंने बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के टिकट पर नई दिल्ली सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। आनंद ने कहा कि उन्होंने अभी तक नोटिस का जवाब नहीं दिया है। आनंद ने पीटीआई-भाषा से कहा कि मुझे कारण बताओ नोटिस मिला है, लेकिन मैंने इसका जवाब नहीं दिया है। मैं इस मामले में कानूनी सलाह ले रहा हूं। मैं अपने वकीलों की सलाह पर कदम उठाऊंगा। वहीं क्या दलबदल रोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराए जाने की स्थिति में वह अदालत का रुख करेंगे? इस पर पूर्व मंत्री आनंद ने कहा कि वह इस हफ्ते के अंत तक इस पर फैसला करेंगे। जबकि दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने बताया कि आनंद ने न तो नोटिस का जवाब दिया है और न ही मंगलवार को उनके समक्ष उपस्थित हुए, जैसा कि उनसे आशा थी। राम निवास गोयल ने आगे कहा, हम उन्हें शुक्रवार को इस मामले में कारण बताने के लिए भौतिक रूप से उपस्थित होने का एक और मौका देंगे। इसके बाद मामले में कानूनी राय के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। आनंद को विधानसभा ने 31 मई को दलबदल रोधी कानून के तहत नोटिस दिया था और 10 जून को शाम 5 बजे तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा था। वह 2020 के चुनाव में पश्चिमी दिल्ली के पटेल नगर (आरक्षित) विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए थे। उन्होंने भ्रष्टाचार और पार्टी में संगठनात्मक नियुक्तियों में दलित नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी छोड़ दी थी। आनंद को 2022 में दिल्ली मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था।

ग्वालियर में एक पति की शिकायत लेकर एसपी ऑफिस पहुंची दो पत्नियां, मामला सुनकर पुलिसकर्मी हुए हैरान

ग्वालियर, 12 जून (एजेंसियां)। उत्तरांचल की रहने वाली निशा राठौर ने एसपी आफिस में अपने पति उपदेश राठौर के खिलाफ प्रताड़ना की शिकायत की है। निशा ने बताया कि 5 मार्च 2019 को ग्वालियर निवासी उपदेश राठौर से पारिवारिक रीति रिवाज के साथ शादी हुई थी। 2021 में उनका एक बेटा भी हुआ, लेकिन कोविड काल में पति ने उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया और फिर एक दिन उसे घर से निकाल दिया। इसके बाद उपदेश ने कोर्ट में निशा के खिलाफ तलाक का केस फाइल कर दिया। निशा ने इसको लेकर पुलिस से शिकायत की और पारिवारिक न्यायालय में मेंटेनेंस के लिए केस भी लगाया है, जिसमें कोर्ट ने 6 हजार रुपए मासिक गुजारा भत्ता देने के आदेश दिए थे। इसी बीच उपदेश ने बिना तलाक लिए गुपचुप तरीके से ग्वालियर निवासी प्रियंका राठौर से 1 मई 2023 शादी रचा ली। निशा 9 जून को जब उपदेश के घर पहुंची तो उसे उपदेश की दूसरी शादी होने की जानकारी मिली। लिहाजा वो अपने पति के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाने एसपी के पास पहुंची। उधर, दूसरी पत्नी प्रियंका राठौर ने भी पुलिस से अपने पति उपदेश की शिकायत की है। प्रियंका ने बताया कि बहुरापुर निवासी उपदेश के साथ उसकी शादी 1 मई 2023 को पारिवारिक रीति रिवाज के साथ हुई थी, लेकिन 20 नवंबर को पति उपदेश और ससुराल वालों ने उसके साथ दहेज को लेकर मारपीट की और इसके बाद उसे घर से बेदखल कर दिया था।

घटना से आहत होने के बाद प्रियंका ने अपने परिवार के साथ थाने में शिकायत की थी, इसके बाद फरवरी महीने में पति उपदेश और उसके परिवार वालों ने प्रियंका को समझा बूझकर मामला शांत करवा दिया था, लेकिन मई महीने में प्रियंका को दहेज के लिए मारपीट करते हुए एक बार फिर से घर से बाहर निकाल दिया। करीब ढाई महीने पहले प्रियंका को जनाकरी मिली कि उसके पति उपदेश पहले से शादीशुदा है।

बदमाश लूट रहे थे ज्वेलरी शॉप से 4 करोड़ के आभूषण मौके पर पहुंचे एसआई ने ऐसे नाकाम की डकैती

कोलकाता, 12 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां रानीगंज में 7 सदस्यों वाले एक लुटेरे गिरोह एक आभूषण की दुकान में घुस गए और 4 करोड़ की लूट की कोशिश की। हालांकि, एक पुलिस एसआई ने इस लूट को नाकाम कर दिया। ये घटना पास ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में रिकॉर्ड हो गई, जिसमें सब-इंस्पेक्टर मेघनाद मंडल को बिजली के खंभे के पीछे से लुटेरों के साथ गोलीबारी करते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस ने एसआई के बहादुरी की सोशल मीडिया एक्स सराहना भी की है। पुलिस ने एक्स पर घटना की जानकारी देते हुए कहा कि लुटेरों ने भागने से पहले करीब 20 राउंड फायर किए गए और वे अपनी आधी लूट वहीं छोड़ गए। मौके पर एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है और अन्य की तलाश जारी है। घटना रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे हुई यहां नकाबपोश लुटेरे पिस्तौल, मशीन गन और राइफल लेकर तारबांग्ला इलाके में एक मशहूर ज्वेलरी शॉप में घुस गए। उनके अचानक घुसने से दुकान के मालिक और ग्राहक घबरा गए। कुछ ही मिनटों में लुटेरों ने 4 करोड़ से ज़्यादा की ज्वेलरी लूट ली।

पुलिस ने एक्स पर लिखा, बदमाशों ने अपने सिर और चेहरे को हेलमेट और तौलिए से ढक रखा था, उनके हाथ में बंदूक थीं, और वो दुकान में सभी धमकी और गालियाँ दे रहे थे। अगर यह बहुत ज़्यादा है तो ऑपरेशन में पाँच मिनट लगते हैं। इस दौरान दुकान से चार करोड़ रुपए से ज़्यादा के जेवर साफ हो गए। अब क्या? लूट का माल सफ़ेद कपड़े के बैग में भरकर दो बाइक पर सवार होकर निकल गए। पर ये सब हवाई बातें हैं।,

पास की पुलिस चौकी के प्रभारी एसआई मंडल निजी कारणों से उस इलाके में थे। हालांकि वे सिविलियन कपड़ों में थे, लेकिन उनके पास सर्विस रिवॉल्वर थी। उन्होंने आभूषण की दुकान के पास लूट की गतिविधि देखी और दुकान के बगल में एक बिजली के खंभे के पीछे खड़े होकर अपनी रिवॉल्वर तैयार कर ली।

पुलिस ने आगे कहा , लोगों के डरे हुए चेहरे और झिझकते हुए भागते हुए देखकर मेघनाद को लगा कि सोने की दुकान में कुछ गड़बड़ है। जब वह दुकान के पास पहुंचा, तो उसने अपनी बेल्ट में लगी सर्विस रिवॉल्वर निकाली और दुकान के पास सिर्फ़ 6 इंच चौड़े बिजली के खंभे के पीछे खड़ा हो गया। दुकान के बाहर खड़े एक लुटेरे ने उसे देखा, दूसरों को सचेत किया और गोली चला दी। करीब 30 सेकंड तक मंडल ने खंभे के पीछे छिपकर लुटेरों के साथ गोलीबारी की। वह एक लुटेरे को घायल करने में कामयाब रहा, जो ज़मीन पर गिर गया। बाकी लुटेरे भी गोली चलाने में शामिल हो गए। संख्या में कम होने के बावजूद मंडल ने गोली चलाना जारी रखा। लुटेरे घबरा गए और फिर भागने का फैसला किया। वे अपने घायल साथी को बाइक पर लेकर 1।83 करोड़ रुपये के आभूषण लेकर भाग गए। वे एक और बाइक, 2.5 करोड़ रुपये के आभूषण, दो बैग और 42 राउंड गोला-बारूद छोड़कर भाग गए। पुलिस ने आगे बताया, बाइक के अलावा कपड़ों से भरे दो बैग, 42 राउंड गोला-बारूद, एक मैगजीन और 2 करोड़ 41 लाख रुपये के आभूषणों से भरा एक बैग मौके पर मिला। मंडल ने उनका पीछा करने की कोशिश की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। घटना की खबर सभी नाका चौकियों और झारखंड पुलिस को दी गई, जिससे लुटेरों की आवाजाही पर रोक लग गई।

पुलिस ने बताया, आसनसोल-दक्षिण थाना क्षेत्र में ड्राइवर को गोली मारने के बाद सात में से चार ने कार को हाईजैक कर लिया। गोलीबारी में एक पैदल यात्री भी मामूली रूप से घायल हुआ, लेकिन इससे भी कोई खास फायदा नहीं हुआ। झारखंड पुलिस की मदद से कार को तुरंत जब्त कर लिया गया।

हर संभाग में होंगे वन्य प्राणी रेस्क्यू सेंटर, कुनो के बाद गांधी सागर अभ्यारण में आएंगे चीते, तैयारी

भोपाल, 12 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अध्यक्षता में राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की 26वीं बैठक आयोजित हुई। इसमें मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि प्रदेश के वन क्षेत्र में रायनो तथा अन्य दुर्लभ व लुप्तप्राय प्रजातियों के वन्य प्राणियों को लाने की संभावनाओं का अध्ययन कराया जाए। जंगली जानवरों से जान-माल की रक्षा के लिए पर्याप्त और प्रभावी उपाय किए जाएं। वन्य प्राणियों के लिए हर संभाग में रेस्क्यू सेंटर आरंभ करने के लिए कार्ययोजना बनाई जाए। बैठक में वन मंत्री नागर सिंह चौहान, वन राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार, मुख्य सचिव वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव वन जे।एन। कंसोटिया उपस्थित थे।

गांधी सागर अभयारण्य में चीता पुनर्स्थापना की तैयारी पूरी

बैठक में बताया गया कि चीता प्रोजेक्ट के आगामी चरणों के लिए दक्षिण अफ्रीका तथा केन्या के दलों द्वारा गांधी सागर अभयारण्य और कूनो राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण किया गया है। गांधी सागर अभयारण्य में चीता पुनर्स्थापना के लिए सभी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। क्षेत्र में चीतलों की संख्या बढ़ाने के लिए कान्हा और अन्य स्थानों से उनका पुनर्स्थापना किया गया है। कान्हा और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से संजय टाइगर रिजर्व में 50 गौरों की सफलतापूर्वक पुनर्स्थापना भी की गई है।

ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने की अनुमति जारी

बैठक में रातापानी अभयारण्य के अंतर्गत बमनई जीपी से देलावाड़ी तक मार्ग के किनारे-किनारे राइट-ऑफ-वे में ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने के लिए 0.090 हेक्टेयर वन भूमि भारत संचार निगम, औबेदुल्लागंज को उपयोग पर दिए जाने की वन्यप्राणी अनुमति को अनुमोदन प्रदान किया गया। इसी क्रम में माधव राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत वन भूमि में मुख्य पेयजल पाइप लाइन संबंधी विषय, बैतूल और नर्मदापुरम जिले में जुझारपुर से ढोहरामोहार के मध्य तीसरी रेलवे लाइन के निर्माण के लिए वन भूमि सेन्ट्रल रेलवे को देने संबंधी वन्य प्राणी अनुमति और रातापानी अभयारण्य को रातापानी टाइगर रिजर्व घोषित करने के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श हुआ। वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक में वन विभाग के अधिकारी तथा बोर्ड के अशासकीय सदस्य भी शामिल हुए।

बंगाल की खाड़ी में बना सिस्टम तेजी से बढ़ रहा मानसून हुआ सुस्त, अब इस दिन होगी आमद

सीहोर, 12 जून (एजेंसियां)। मौसम विभाग की मानें तो प्रदेश सहित जिले में मानसून की आमद 18 से 22 जून के बीच दर्ज हो सकती हैं। वर्तमान में दक्षिण-पश्चिम से चल रही तेज हवाओं की दिशा आने वाले समय में उत्तर से होने का अनुमान है। साथ ही हवाओं की गति कम हो सकती है, जिससे मानसून भी दस्तक दे सकता हैं। आरएके कालेज स्थित मौसम केंद्र के तकनीकी अधिकारी डॉ एसएस तोमर ने बताया कि बंगाल खाड़ी में बन रहे सिस्टम से मानसून समय से पूर्व प्रदेश में सक्रिय होने के आसार नजर आ रहे थे, लेकिन बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम में डिस्टर्बेंस के कारण मानसून की गतिविधियां फिलहाल कमजोर पड़ चुकी हैं। स्वचालित मौसम केंद्र पर मिल रहे अनुमानों के अनुसार प्रदेश सहित जिले में दक्षिण-पश्चिम मानसून 18 से 22 जून के बीच सक्रिय हो सकता है। फिलहाल तो दिन और रात के तापमान में मामूली बढ़ोतरी होने से गर्मी का प्रकोप भी बरकरार रहने के आसार हैं। डॉ तोमर ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम से चल रही तेज गर्म हवाएं लोगों को परेशान कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 13 जून- 2024

सरकार का विकास पर फोकस

अपने चुनावी भाषण के अलावा भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई मंचों से घोषणा कर चुके हैं कि उनका संकल्प 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का है। ऐसे में मौजूदा जनादेश को शिरोधार्य करते हुए सबसे उपयुक्त यही होगा कि विपक्ष के ध्यान भटकाने वाले राजनीतिक मुद्दों से दूरी बना कर सरकार अपने विकास के पथ पर आगे बढ़ते हुए संकल्प को पूरा करे। बता दें कि एनडीए सरकार के मुखिया के तौर पर रविवार को नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वह पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल करने वाले पहले प्रधानमंत्री बन गए हैं। उनके तीसरे कार्यकाल पर देश-दुनिया की निगाहें टिकी हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि मोदी सरकार 3.0 का अजेंडा पिछली सरकारों से किन रूपों में और कितना अलग हो सकता है। ऐसे सवाल के पीछे सबसे बड़ी वजह यही है कि इस बार सरकार अपने सहयोगी दलों के समर्थन पर टिकी है। ऐसे में जिस तरह की स्वतंत्रता के साथ प्रधानमंत्री अपने और अपनी पार्टी के अजेंडे को लागू करने के हिमायती रहे हैं, वैसी आजादी शायद इस बार मिलने वाली नहीं है। वन नेशन, वन इलेक्शन और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दों पर इस राजनीतिक लाचारी की विशेष छाप देखने को मिल सकती है। जहां तक रोजाना के कामकाज और आर्थिक विकास की रफ्तार की बात है तो उस मोर्चे पर नई सरकार के लिए कोई बड़ी दिक्कत नहीं आने वाली है। राजनीति की लंबी पारी खेलने के बाद जाहिर है पीएम मोदी में दृढ़ता के साथ ही वक्त जरूरत पर लचीलापन भी देखा जाता रहा है। राजनीतिक विरोधियों को साथ लेने में दिखाया गया लचीलापन सहयोगियों को बनाए रखने में काम क्यों नहीं आएगा। दूसरी बात यह कि चाहे चंद्रबाबू नायडू हों या नीतीश कुमार, दोनों विकास की राजनीति का चेहरा रहे हैं। यही वजह है कि बुधवार को चंद्रबाबू के शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी अपने अधिकांश वरिष्ठ मंत्रियों के साथ पहुंच कर उनकी हौसला अफजाई की। बता दें कि दस साल पहले के मुकाबले आज देश विकास के कहीं ज्यादा ऊंचे पायदान पर खड़ा है। 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। जीडीपी का आकार इतना बडा हो गया है कि हमने पिछले साल ही ब्रिटेन को पीछे छोड़ा और 2026 तक जापान तो 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं। इन लक्ष्यों की ओर तेजी से कदम बढ़ाना नई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। इस राह पर दो बड़ी चुनौतियां बेरोजगारी और असमानता खड़ी हैं, जिनकी अनदेखी करते हुए आगे बढ़ने का कोई मतलब नहीं रह जाता है। इंटरनैशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट के मुताबिक देश में 80% बेरोजगार युवा हैं। जहां तक असमानता की बात है तो उसे अक्सर तेज विकास के आगे ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती, लेकिन याद रखने की बात है कि तेज विकास को अगर टिकाऊ बनाना हो तो असमानता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए असमानता को दूर करने के लिए सरकार को मजिबूती से कदम उठाना पडेगा।

मालदीव से संबंध सुधरने की संभावना बढ़ी!

अशोक भाटिया

हाल ही में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने पर उनके ही सबसे बड़े विरोधी का भी समर्थन मिला है। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने कहा, 'भारत-मालदीव संबंधों के वर्तमान संभावनाओं को देखते हुए उनकी पार्टी डेमोक्रेट्स मोहम्मद मुइज्जू का समर्थन करती है।' मुइज्जू 9 जून को भारत के प्रधानमंत्री पद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए नई दिल्ली पहुंचे थे।

राष्ट्रपति बनने के बाद मोहम्मद मुइज्जू पहली बार भारत यात्रा पर आए थे। मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद से ही भारत और मालदीव के रिश्तों में खटास आ गई थी, लेकिन अब मुइज्जू को दिल्ली दौरे के बाद एक बार फिर नए रिश्तों को लेकर सुगबुगाहट तेज हो गई है। मालदीव के मीडिया पोर्टल सन ने मोहम्मद नशीद के हवाले से कहा कि प्रत्येक चुनाव में देश की विदेश नीति बदल देना मालदीव के लिए लोगों के लिए बड़ा नुकसान है। मोहम्मद नशीद की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारत-मालदीव के रिश्तों में सुधार होता दिख रहा है। नशीद ने भारतीय प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में मोहम्मद मुइज्जू के शामिल होने का स्वागत किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू और प्रधानमंत्री मोदी को उनके धैर्य और दूरदर्शिता के लिए बधाई दी है। उन्होंने मुइज्जू के इस फैसले को भारत के प्रति मालदीव की विदेश नीति में सुधार की संभावना वाला बताया है। इसके साथ ही अब मालदीव के संबंध चीन के साथ कैसे होंगे इस बात पर विश्लेषकों की नजर है। मोहम्मद नशीद ने कहा, मालदीव के लोग इस बात से काफी खुश हैं कि भारत के प्रधानमंत्री मोदी के ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह को देखने के लिए उनके राष्ट्रपति नई दिल्ली में मौजूद रहे। नशीद ने विपक्ष में रहते हुए मोहम्मद मुइज्जू के 'इंडिया आउट कैंपेन' का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने मुइज्जू के इस कदम को मालदीव के लोगों के लिए भारत खिलाफ नफरत फैलाने वाला बताया था। दरअसल, साल 2008 से 2012 के बीच मालदीव के राष्ट्रपति रहे मोहम्मद नशीद ने भारत के साथ गहरा संबंध बनाए रखा था।

गौरतलब है कि राष्ट्रपति मुइज्जू के पदभार संभालने के कुछ समय बाद ही भारत और मालदीव के बीच संबंध खराब हो गए थे। राष्ट्रपति चुनाव में 'इंडिया आउट' अभियान चलाने वाले मुइज्जू ने सत्ता संभालने के बाद मालदीव में तैनात भारतीय सैनिकों की वापसी पर जोर दिया जो दो हेलिकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान को संचालित करने के लिए वहां मौजूद थे। बाद में इन सैनिकों की जगह भारत ने नागरिक कर्मियों की तैनाती की। भारत के बजाय राष्ट्रपति मुइज्जू ने चीन के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए। इसी साल जनवरी में अपनी पहली चीन यात्रा के दौरान उन्होंने भारत के खिलाफ जुबानी हमलों में जहर उगला था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे शपथ ग्रहण समारोह के लिए निमंत्रण मिलने के बाद मुइज्जू ने कहा था कि वे भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाना चाहते हैं और प्रधानमंत्री मोदी के साथ मिलकर काम करना चाहते हैं। एक साथ साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि यात्रा मालदीव के लिए बहुत सफल रही। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार जताया। राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति (द्रौपदी मुर्मू) और (विदेश मंत्री) एस जयशंकर के साथ उच्च स्तरीय बैठकें करने के लिए भी आभारी हूं। मुझे विश्वास है कि मजबूत द्विपक्षीय संबंध भविष्य में मालदीव के लिए आकांक्षाओं को और बढ़ाएंगे।

भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा को मालदीव और क्षेत्र के लिए सफलता बताते हुए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मंगलवार को कहा कि ईश्वर की इच्छा से दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों से मालदीव के लोगों के लिए समृद्धि बढ़ेगी। चीन समर्थक झुकाव के लिए जाने जाने वाले मुइज्जू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी मंत्रिपरिषद के शपथग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए अपनी पहली भारत यात्रा संपन्न होने के बाद सरकारी मीडिया पीएसएम से कहा, यह यात्रा मालदीव और क्षेत्र के लिए भी सफल रही है। मोदी ने रविवार को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इस समारोह में भारत के पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया।

मुइज्जू ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का निमंत्रण पाकर खुशी हुई और वह इस कार्यक्रम में शामिल होकर भी ''उतने ही खुश'' हैं। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति (द्रौपदी मुर्मू) और एस जयशंकर (विदेश मंत्री) के साथ उच्चस्तरीय बैठकों के लिए भी आभारी हूं। मुझे विश्वास है कि मजबूत द्विपक्षीय संबंध भविष्य में मालदीव के लिए आकांक्षाओं को और मजबूती देंगे।' मुइज्जू ने कहा, ईश्वर की इच्छा से, दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों के परिणामस्वरूप मालदीव और मालदीववासियों के लिए समान रूप से समृद्धि बढ़ेगी।

इससे पहले दिन में, विदेश मंत्रालय ने यहां एक बयान में कहा था कि राष्ट्रपति (मुइज्जू) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर भारत सरकार के प्रधानमंत्री और उनकी मंत्रिपरिषद के शपथग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की। इसमें कहा गया, यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत की राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू द्वारा गणमान्य अतिथियों के सम्मान में आयोजित भोज में भाग लिया। बयान में बताया गया कि दोनों राष्ट्रपतियों ने एक बैठक भी की, जिसमें उन्होंने मालदीव और भारत के बीच द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। इसमें कहा गया कि मुर्मू ने मालदीव की नयी सरकार और लोगों को शुभकामनाएं दीं। बयान में कहा गया, ''उन्होंने (मुर्मू) विश्वास व्यक्त किया कि मुइज्जू के नेतृत्व में द्वीप राष्ट्र समृद्धि और विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा।'' नयी दिल्ली स्थित राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि मुर्मू ने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में भारत-मालदीव के संबंध मजबूत होंगे।

दरअसल भारत और मालदीव के बीच कूटनीतिक विवाद सोशल मीडिया पर शुरू हुआ और दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों तक पहुंच गया। यह सब 4 जनवरी को शुरू हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लक्षद्वीप का दौरा किया और खूबसूरत द्वीप की तस्वीरें पोस्ट कीं। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पोस्ट में कहीं भी मालदीव का जिक्र नहीं किया था, लेकिन सोशल मीडिया पर कई लोगों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया कि जब भारत में इतनी खूबसूरती है तो कोई मालदीव क्यों जाए। इसका एक संदर्भ भी है। सरकार में बदलाव के कारण मालदीव में भारत विरोधी गुट सत्ता में आ गया।

राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को चीन समर्थक व्यक्ति के रूप में देखा जाता है, जिन्होंने पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के साथ मिलकर द्वीपीय राज्य में चुनावों के दौरान 'इंडिया आउट' अभियान चलाया था।सोशल मीडिया पर एक बड़े युद्ध के चलते मालदीव के तीन उप-मंत्रियों और कुछ सांसदों ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ़ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था । ट्रोल्स के बीच चल रही जंग कूटनीतिक स्थिति में बदल गई। भारत को इसका जवाब देना पड़ा था ।भारत में मालदीव के उच्चायुक्त इब्राहिम शाहीब को विदेश मंत्रालय में बुलाया गया और उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ मालदीव के कुछ मंत्रियों की टिप्पणियों पर भारत की गंभीर चिंताओं से अवगत कराया गया था ।

छात्रों में चिंता का कारण बनती पेपर लीक की घटनाएं

प्रियंका सौरभ

जब किसी प्रतियोगी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है तो परीक्षार्थियों के साथ परिजनों के भी सपने भी चकनाचूर होते हैं। ऐसी घटनाओं से एक उन्नत, समृद्ध, सुशिक्षित एवं सशक्त राष्ट्र एवं समाज बनने-बनाने का हमारा सामूहिक स्वप्न और मनोबल टूटता है। इससे युवाओं के भीतर व्यवस्था के प्रति असंतोष एवं निराशा की स्थायी भावना घर करती है, शासन का प्रभाव कम होता है और व्यवस्था से आमजन का मोहभंग होता है। नौजवानों के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं न केवल उज्ज्वल भविष्य का, अपितु कई बार अस्तित्व का भी प्रश्न बन जाती हैं। इसके साथ ही सरकार की विश्वसनीयता संकट में पड़ती है। प्रश्नपत्र लीक करवाने के मामले में कई बार बड़े-बड़े कोचिंग केंद्रों एवं संचालकों की भी संलिप्तता पाई जाती है। नकल आज एक देशव्यापी कारोबार बनता जा रहा है, जिसके कई लाभार्थी और अंशधारक हैं। राजनेता से लेकर अधिकारी तक, प्रश्नपत्र निर्माता से लेकर समन्वयक तक, परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्थाओं और आयोगों से लेकर परीक्षा केंद्रों तक की संदिग्ध भूमिका या मिलीभगत से इन्कार नहीं किया जा सकता।

प्रश्नपत्र लीक की लगातार घटनाएं भारत की शिक्षा प्रणाली में एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बन गई हैं। उदाहरण के लिए, अकेले प्रश्नपत्र लीक के 70 से अधिक मामले 2023 में सामने आए, जिससे बीसीएस , मेडिकल प्रवेश परीक्षा और राज्य भर्ती परीक्षाओं सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं प्रभावित हुईं । इन लीक ने छात्रों में अत्यधिक तनाव और चिंता पैदा कर दी है , जिससे उनकी तैयारी और आत्मविश्वास का स्तर बाधित हुआ है। प्रश्नपत्र लीक होने में मैनुअल हैंडलिंग और सुरक्षा चूक प्रमुख कारण है। प्रश्नपत्रों की छपाई और वितरण की पारंपरिक विधि में कई टचपॉइंट शामिल होते हैं, जहां सुरक्षा से समझौता किया जा सकता है। उदाहरण के लिए: 2020 में, मैनुअल हैंडलिंग गलती के कारण बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के दौरान एक महत्वपूर्ण गलती हुई। संगठित अपराध में संलिप्तता से आपराधिक गिरोह परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों का लाभ बढ़ते आर्थिक लाभ कमाते हैं। उदाहरण के लिए: राजस्थान में, कई परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया गया, जिससे करोड़ों का अवैध राजस्व अर्जित हुआ।

तकनीकी कमज़ोरियाँ बताती है कि खराब सुरक्षा वाले डिजिटल सिस्टम को हैक किया जा सकता है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक लीक हो सकता है। उदाहरण के लिए: मेडिकल प्रवेश परीक्षा के प्रश्नपत्र हैक किए गए ईमेल पोस्ट के माध्यम से लीक हो गए, जिससे व्यापक वितरण हुआ। परीक्षा अधिकारी या कर्मचारी कभी-कभी वित्तीय लाभ के लिए पेपर लीक करने के लिए बाहरी पक्ष के साथ सहयोग करते हैं। उदाहरण के लिए: 2023 में राज्य भर्ती परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्र लीक करने में शामिल होने के लिए कई अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया था। प्रश्नपत्र लीक रोकने के लिए आज हमें उन्नत सुरक्षा प्रोटोकॉल की महती आवश्यकता है। भौतिक उपयोगकर्ताओं के लिए छेड़छाड़-रोधी ट्रैकिंग और सुरक्षित परिवहन सुविधाओं का उपयोग करना जरुरी है। उदाहरण के लिए: केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने डेटाबेस डिजिटल संसाधनों का उपयोग शुरू किया है, जो केवल परीक्षा परिणामों पर अधिकृत कर्मियों के लिए आसान हैं।

सुरक्षित प्रश्नपत्र प्रबंधन और वितरण के लिए ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का उपयोग करना फायदेमंद हो सकता है। उदाहरण के लिए: एडुब्लॉक प्रोब्लॉक का उपयोग करके यह सुनिश्चित करता है कि प्रश्नपत्र सुरक्षित रूप से चिपका हुआ हो और केवल परीक्षा केंद्र पर ही डिक्रिप्ट किया गया हो , जिससे लीक होने का जोखिम काफी कम हो जाता है। सख्त कानूनी ढांचा लीक में शामिल व्यक्तियों और अंगों के लिए कठोर दंड लागू कर सकता है। उदाहरण के लिए: सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित मौतों की रोकथाम) टिप , 2024, कारावास और भारी जुर्माने सहित कठोर दंड का प्रस्ताव करता है। परीक्षा कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण और सख्त जवाबदेही भी एक उपाय हो सकता है। उदाहरण के लिए: खतरे का पता लगाना और उन्हें रोकने के लिए नियमित ऑडिट करना और निगरानी प्रणाली लागू करना। प्रश्नपत्र लीक का छात्रों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पर पड़ता है।इससे छात्रों में तनाव और चिंता में वृद्धि होती है।

प्रश्नपत्र लीक होने से उत्पन्न असुविधा और अनियमितता छात्रों में तनाव और चिंता को काफी हद तक बढ़ा देती है, जिससे उनका मानसिक कल्याण और परीक्षा प्रदर्शन प्रभावित होता है। जिन छात्रों ने कड़ी मेहनत की है, उन्हें लग सकता है कि उनकी उपलब्धियों को कम आंका गया है, जिससे शिक्षा प्रणाली और उनकी अपनी क्षमता में आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। पेपर लीक की बार-बार होने वाली घटनाएं छात्रों को हक़ कर सकती हैं, जिससे उन्हें अपने भविष्य की संभावनाओं और योग्यता-आधारित सफलता के मूल्य के बारे में मोहभंग होने लगता है।बिहार में राज्य स्तरीय प्रवेश परीक्षाओं के कई लीक के बाद, कई छात्र निराश महसूस करने लगे और शिक्षा प्रणाली की निष्पक्षता में विश्वास खो दिया। छात्रों की शैक्षणिक योजनाएं परीक्षा में बैठने की आवश्यकता से बाधित होती हैं , जिससे अतिरिक्त तनाव और तार्किक प्रतिभा पैदा होती है। प्रश्न-पत्र लीक होने सेकण्डरी विश्वास और परीक्षा में विश्वास की हानि होती है, जिससे छात्रों और सेवाओं में अविश्वास पैदा होता है।

छात्रों पर इस मनोवैज्ञानिक प्रभाव को कम करने के लिए परामर्श और सहायता सेवाएं समय की मांग है । लीक से प्रभावित छात्रों को मनोवैज्ञानिक सहायता और परामर्श प्रदान करना अत्यंत जरुरी है। उदाहरण के लिए: परीक्षा के समय में छात्रों को तनाव और चिंता से निपटने में मदद करने के लिए हेल्पलाइन और परामर्श केंद्र स्थापित करना। भविष्य में लीक को रोकने के लिए किए गए प्रयासों के बारे में संशोधित संचार बनाए रखें। छात्रों और उपभोक्ताओं को विश्वास को फिर से बनाने के लिए बेहतर सुरक्षा उपायों और मुफ्त योजनाओं के बारे में सूचित करना।

यह कैसी सीनाजोरी

सुरेश मिश्रा

पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के बीच बाइक का चोरी होना लॉटरी लगने से कम थोड़ी न है। चोरी न होती तो उसकी आवभगत के लिए आए दिन पेट्रोल का चढ़ावा चढ़ाना पड़ता। कुछ चीज़ें खरीदने तक सवारी करने योग्य रहती हैं। बाद में पता ही नहीं चलता कि वह हम पर सवारी कर रही हैं या हम उन पर। आज को बाइक चोरी हुए आठ साल बीत गए। उम्मीद और शीशा कभी भी टूट सकता है। न जाने हम किस कांक्रिट के बने थे कि पिछले आठ साल से उसी के बारे में सोचते रहते। वह क्या है न कि कमाकर खरीदी गई ईंट फोकट के ताजमहल से कहीं अधिक कीमती होती है। धुंधली ही सही उसकी याद बनी रही। मानो यह घटना मस्तिष्क पटल पर पेंसिल से नहीं सीडी मार्कर से लिख दी गई हो। जो मिटने का नाम ही नहीं ले रही थी।

फिर एक दिन बिन जड़ के पेड़ और बिन हाथों के ताली बजाने वाली खबर आई। डाकिया गुम हुई बाइक का एक चालान थमा गया। यह चालान ठीक वैसा ही था जैसे खाए कोई स्वाद बताए कोई। फिर भी एक बात की दाद देनी पड़ेगी कि आठ साल में केवल एक चालान! हो न हो चलाने वाले का हाथ एकदम साफ है। समझ नहीं आ रहा था कि चलाने वाले की तारीफ़ करूँ या जाकर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराऊँ। कुछ देर सोचा और पहुंच गया पुलिस थाने चालान लेकर। चालान देखकर पुलिस भौंचक्का रह गई। उन्होंने चीज़ों को लूटते, चोरी होते या फिर गायब होते हुए देखा है। मिलते हुए बहुत कम बार देखा है। बाइक चुराने वाले को पुलिस थाने में बुलाया गया। वैसे थाने में किसी को बुलाया नहीं जाता बल्कि पकड़कर या घसीटकर लाया जाता है। चूंकि चुराने वाला पुलिस वाला ही था, सो उसे बाइक के साथ बुलाया गया। थाने की चारदीवारी में अपनी बाइक को देख खुशी का ठिकाना न रहा। सोचा आज अपने साथ ले जाऊँगा। तभी जैसे लगा कि बाइक मुझसे कुछ कहना चाहती है। मैं 'हम दिल दे चुके सनम' फिल्म के अजय देवगन की तरह ऐश्वर्या रूपी बाइक की बातें सुनने लगा। वह कहती रही – जानते भी हो पेट्रोल की कीमत क्या है! क्या इतना महंगा पेट्रोल मुझ पर खर्च सकते हो? मैं उस पुलिस वाले के साथ बहुत खुश हूँ। उसके एक महीने की ऊपरी कमाई तुम्हारे साल भर की कमाई से कहीं अधिक है। उसके रौब से ही पेट्रोल बंक वाले मेरी टंकी भर देते हैं। हर समय मुझे चमकाने के लिए कोई न कोई तैयार रहता है। वह मुझे किसी चीज की कमी नहीं होने देता। यदि तुम मुझसे सच्चा प्यार करते हो तो मुझे अपने साथ ले जाने की बजाय उस पुलिस वाले को ही सौंप दोगे। यह सुन मैं एक क्षण के लिए अवाक रह गया। लेकिन दूसरे ही क्षण थानेदार के पास पहुँचा और अपना केस वापस ले लिया। मैंने चोर पुलिस वाले से इतना भर कहा कि कोई भी चीज हैसियत वाले के पास ही होनी चाहिए। यह बाइक आपके पास ही चमचमा सकती है। बस मेरी आपसे इतनी सी विनती है कि इस पर फिर कभी चालान का बदचलन दाग न लगे। वैसे मैं उसका उतना ख्याल नहीं रख पाऊँगा जितना आप रख सकते हो। पुलिस वाला खुशी-खुशी बाइक लेकर चला गया।

नहीं भूल रही अयोध्या की हार

अजय कुमार

विपक्ष और सोशल मीडिया प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या की लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी को मिली हार का जख्म सूखने नहीं दे रही है।बीजेपी की हार को बड़ा दिखाने के लिये बीजेपी विरोधी ऐसे-ऐसे मुद्दे छांट कर ला रहे हैं जिनका चुनाव से पहले कोई वजूद ही नहीं था। चार जून को नतीजे आने के बाद कुछ वीडियो और तस्वीरों को वायरल कर यह दिखाने का प्रयास किया जा रहा है कि यहां के विकास के लिए तमाम लोगों को प्रशासन ने जबरन बेघर कर दिया। ऐसे लोगों को न तो मुआवजा दिया गया और न ही उनके पुनर्वास का प्रबंध हुआ। इसी के चलते भाजपा को यहां लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। जिला प्रशासन ने इसे खारिज करते हुए तथ्यों के साथ पुनर्वास और मुआवजा दिए जाने का ब्योरा प्रस्तुत किया है। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि विभिन्न प्रमुख मार्गों का उनके किनारे के दुकानदारों, भवन व भू-स्वामियों से समन्वय बनाकर पुर्नस्थापित कर अनुग्रह धनराशि व मुआवजा देकर चैड़ीकरण किया गया है। रामपथ, भक्तिपथ, रामजन्मभूमि पथ और पंचकोसी व चैदहकोसी परिक्रमा मार्ग के चैड़ीकरण से 4616 दुकानदार प्रभावित हुए। इसमें से 4215 व्यापारी जिनकी दुकानें आंशिक रूप से प्रभावित हुईं, उन सभी को अनुग्रह धनराशि का भुगतान किया गया। इन दुकानों का सुंदरीकरण भी कराया गया।

ये सभी दुकानदार अब उसी स्थान पर व्यापार कर रहे हैं। इसी कड़ी में 401 दुकानदार पूर्ण रूप से स्थानांतरित हुए। इनमें से 339 दुकानदारों को अयोध्या विकास प्राधिकरण ने दुकानें आवंटित की हैं। इनका व्यापार अन्य स्थल पर स्थानांतरित होने पर कुछ समय के लिए व्यापार प्रभावित होने के एवज में प्रति दुकानदार एक से 10 लाख रुपये तक हटायी गई दुकान के आकार के आधार पर अनुग्रह धनराशि का भुगतान उनके खाते में अलग से किया गया है। पूर्ण रूप से स्थानांतरित 79 परिवारों को बसा दिया गया है। कुल 1845 भू और भवन स्वामी प्रभावित हुए। इन्हें 300.67 करोड़ की धनराशि मुआवजे व अनुग्रह धनराशि के रूप में उनके खाते में भेजी जा चुकी है। इसी तरह महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण से प्रभावित सभी परिवारों को पुर्नवासित कराया गया है। प्रभावित खातेदारों से समन्वय बनाकर उनकी सहमति के आधार पर भूमि अर्जन का कार्य किया गया। इसमें 952.39 करोड़ रुपये का भुगतान भूमि और भवन स्वामियों के खाते में किया गया। आजकल मोदी विरोधी दलों के नेता रामनगरी की शांति देवी का एक पुराना विडियो को चुनाव बाद का वीडियो बताकर भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। इन दिनों शांति देवी सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। इनके मकान टूटने से पहले दिए गए बयान के वीडियो को अबका बताकर वायरल किया जा रहा है। इस बारे में अब स्वयं उन्होंने सामने आकर सफाई दी है। सुग्रीव किला के पीछे रहने वाली शांति के अनुसार उन्हें उचित मुआवजा देने के साथ पुनर्वास कराया गया है। जनकपुरी में प्रशासन ने जमीन भी उपलब्ध कराई है। वीडियो में जो बयान दिखाया जा रहा है, वह तब का है जब उन्हें अपना मकान टूटने की सूचना मिली थी।

तब उन्होंने आवेश में आकर अपनी बात कही थी। अब वे अपने पुनर्वास से संतुष्ट हैं।वैसे जमीनी हकीकत भी यही है कि अयोध्या के विकास के लिये जिन लोगों की जमीन अधिग्रहित की गई थी,उन्हें पूरा मुआवजा दिया गया था,एक-दो लोगों को छोड़कर सभी संतुष्ट भी थे।इसको बीजेपी की हार से जोडकर नहीं देखा जा सकता है।

संसद में दागी नेताओं की संख्या बढ़ना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

देश में 18वीं लोकसभा चुनी जा चुकी है, मंत्रिमंडल का गठन हो चुका है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और रिकॉर्ड संख्या में मतदाता होने के गर्व करने वाली स्थितियां हैं वहीं चिन्ताजनक, विचलित एवं परेशान करने वाली स्थितियां भी हैं। खबर आई है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में पहुंचने वाले 543 सांसदों में 46 फीसदी आपराधिक रिकॉर्ड रखते हैं जो पिछली बार से तीन प्रतिशत अधिक है। भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाए जाने एवं उन्हें राष्ट्र-निर्माण की जिम्मेदारी दिया जाना-हर नागरिक के माथे पर चिंता की लकीर लाने वाली है। क्या इस स्थिति में देश की लोकतांत्रिक शुचिता एवं पवित्रता की रक्षा हो पाएगी? क्या हम आदर्श एवं मूल्यपरक समाज बना पाएंगे? क्या ये दागदार नेता एवं जन-प्रतिनिधि कालांतर हमारी व्यवस्था को प्रभावित नहीं करेंगे? चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मसलों का विश्लेषण करने वाली सचेतक संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ताजा रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2019 में चुने गये सांसदों में जहां 233 यानी 43 फीसदी ने अपने विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज होने की बात स्वीकार की थी, वहीं अठाहरवीं लोकसभा के लिये चुने गए 251 सांसदों ने आपराधिक मामले दर्ज होने की बात मानी है। जो कुल संख्या का 46 फीसदी बैठती है। आज भारत की आजादी के अमृतकाल का एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्त्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने एक ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि अपहरण के आरोपी अदालत में पेश होने की जगह मंत्री पद की शपथ लेने पहुंच जाते हैं। अरविन्द केजरीवाल जैसे नेता आम चुनाव में कहते हैं कि आप लोग बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी को वोट दें ताकि मैं जेल जाने से बच जाऊं। हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे सुशासन एवं ईमानदार व्यवस्था स्थापित करेंगे? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे? कैसे संसद में दागियों के पहुंचने के लिये द्वार बंद होंगे? दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की सजग पहल पर ही वर्ष 2020 से सभी राजनीतिक दल लोकसभा व विधानसभा के उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड को प्रकाशित करने लगे है। निश्चित ही इस आदेश का मकसद देश की राजनीति को आपराधिक छवि वाले नेताओं से मुक्त करना ही था। लेकिन वास्तव में ऐसा हुआ नहीं क्योंकि तमाम राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जीतने वाले उम्मीदवार थे, अब चाहे उनका आपराधिक रिकॉर्ड ही क्यों न हो। बड़ा प्रश्न है कि आखिर राजनीति में तब कौन आदर्श उपस्थित करेगा? क्या हो गया उन लोगों को जिन्होंने सदैव ही हर कुर्बानी करके आदर्श उपस्थित किया। लाखों के लिए अनुकरणीय बने, आदर्श बने। चाहे आज़ादी की लड़ाई हो, देश की सुरक्षा हो, धर्म की सुरक्षा हो, अपने वचन की रक्षा हो अथवा अपनी संस्कृति और अस्मिता की सुरक्षा का प्रश्न हो, उन्होंने फ़र्ज़ और वचन निभाने के लिए अपना सब कुछ होम दिया था। महाराणा प्रताप, भगत सिंह, दुर्गादास, छत्रसाल, शिवाजी जैसे वीरों ने अपनी तथा अपने परिवार की सुख-सुविधा को गौण कर बड़ी कुर्बानी दी थी। गुरु गोविन्दसिंह ने अपने दोनों पुत्रों को दीवार में चिनवा दिया और पन्नाधाय ने अपनी स्वामी भक्ति के लिए अपने पुत्र को कुर्बान कर दिया। ऐसे लोगों का तो मन्दिर बनना चाहिए। इनके मन्दिर नहीं बने, पर लोगों के सिर श्रद्धा से झुकते हैं, इनका नाम आते ही। लेकिन आज जिस तरह से हमारा राष्ट्रीय जीवन और सोच विकृत हुए हैं, हमारी राजनीति स्वार्थी एवं संकीर्ण बनी है, हमारा व्यवहार झूठा हुआ है, चेहरों से ज्यादा नकाबें ओढ़ रखी हैं, उसने हमारे सभी मूल्यों को धराशायी कर दिया। राष्ट्र के करोड़ों निवासी देश के भविष्य को लेकर चिन्ता और ऊहापोह में हैं। वक्त आ गया है जब देश की संस्कृति, गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ शिखर के व्यक्तियों को भागीरथी प्रयास करना होगा। दिशाशून्य हुए नेतृत्व वर्ग के सामने नया मापदण्ड रखना होगा। अगर किसी हत्या, अपहरण या अन्य संगीन अपराधों में कोई व्यक्ति आरोपी है तो उसे राजनीतिक बता कर संरक्षण देने की कोशिश या राजनीतिक लाभ उठाने की कुचेष्ठा पर विराम लगाना ही होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार एवं अपराध मुक्त राजनीति को सदैव प्राथमिकता दी लेकिन चुनाव जीतने के रण में वे भी अपराधी राजनेताओं को प्रश्रय देते हुए दिखे हैं।

सभी राजनीतिक दलों ने ही दागी उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं। जो राजनीतिक दलों की कथनी और करनी के भारी अंतर को ही उजागर करता है। सवाल है कि देश के लिये नीति निर्धारण करने वाले ऐसे दागी लोग हमारे भाग्यविधाता बने रहेंगे तो हमारा भविष्य कैसा होगा?

100 साल बाद गंगा दशहरा पर बना अद्भुत संयोग

इन 3 राशियों के लिए रहेगा बेहद शुभ

100 साल बाद गंगा दशहरा पर बना अद्भुत संयोग, इन 3 राशियों के लिए रहेगा बेहद शुभ गंगा दशहरा का त्योहार साल 2024 में 16 जून को मनाया जाएगा। इस दिन कई शुभ योग भी बन रहे हैं, जिनके प्रभाव से कुछ राशियों के जीवन में सुखद बदलाव आ सकते हैं। आज हम आपको इन्हीं राशियों के बारे में जानकारी देंगे।

गंगा दशहरा के दिन हिंदू धर्म में आस्था रखने वाले लोग कई तरह के धार्मिक क्रियाकलाप करते हैं। इस दिन गंगा नदी में स्नान का बड़ा महत्व है, माना जाता है कि जो भी व्यक्ति इस दिन गंगा में डुबकी लगाता है उसके सारे पाप धुल जाते हैं। इस वर्ष गंगा दशहरा का पावन पर्व 16 जून को है। साल 2024 में गंगा दशहरा के दिन कई शुभ संयोग भी हैं, जो कई वर्षों के बाद बन रहे हैं।

आज हम आपको इन्हीं शुभ योगों के बारे में जानकारी देंगे, साथ ही हम आपको बताएंगे कि किन राशियों के लिए गंगा दशहरा पर बनने वाले ये योग लाभदायक सिद्ध होंगे।

गंगा दशहरा पर बन रहे हैं ये शुभ योग

साल 2024 में गंगा दशहरा के दिन अमृत सिद्धि योग रहेगा। इसके साथ ही सर्वार्थ सिद्धि और रवि नामक शुभ योग भी इस दिन होंगे। माना जा रहा है कि ऐसा संयोग लगभग 100 सालों के बाद बन रहा है। इन शुभ योगों में स्नान करने से आपके पुण्य का फल कई गुना बढ़ता है और कई पापों से आपको मुक्ति मिल सकती है। इन सभी शुभ योगों के बनने से किन राशियों के जीवन में सुखद बदलाव आ सकते हैं आइए अब इसके बारे में जानते हैं।

मिथुन राशि

गंगा दशहरा के दिन बनने वाले शुभ योगों के चलते आपके जीवन में कई अच्छे बदलाव देखने को मिल सकते हैं। आपके पारिवारिक जीवन में खुशियां लौटेंगी साथ ही पैसों से जुड़े मामलों में भी आपको अच्छे रिजल्ट मिल सकते हैं। इस राशि के जातकों को संतान पक्ष से भी सुखद समाचार इस दौरान मिल सकता है। इस दौरान अनुभवी लोगों की सलाह के बाद धन का निवेश करना भी आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। सेहत के लिहाज से भी समय काफी अच्छा रहेगा, किसी पुरानी बीमारी से आपको झुटकारा इस मिलने की संभावना है। आप अगर गंगा दशहरा के दिन गंगा नदी में डुबकी लगाते हैं या अपने नहाने के पानी में थोड़ा गंगाजल डालकर स्नान करते हैं, माता गंगा की आपको विशेष कृपा प्राप्त होगी।

सिंह राशि

इस राशि के जातकों के लिए भी गंगा दशहरा का पर्व बेहद सुखद साबित हो सकता है। आपकी आमदनी तो इस दौरान बढ़ेगी ही साथ ही कहीं निवेश आपने किया था तो उससे भी आपको धन लाभ मिल सकता है। इस राशि के जातकों को कई अन्य स्रोतों से भी धन लाभ मिलने की इस दौरान संभावना है। पारिवारिवाक जीवन में जो परेशानियां चली आ रही थीं उनका भी अंत गंगा दशहरा के बाद हो सकता है। आपको गंगा दशहरा के दिन सामर्थ्य अनुसार कुछ न कुछ दान अवश्य करना चाहिए, इससे माता गंगा के साथ ही पितरों का आशीर्वाद भी आपको प्राप्त होगा।

कुंभ राशि

गंगा दशहरा का पावन पर्व कुंभ राशि के जातकों के जीवन में भी खुशहाली ला सकता है। करियर के लिहाज से गंगा दशहरा के बाद का समय आपके लिए कई मायनों में शुभ होगा। अगर नौकरी में परिवर्तन करने का विचार बना रहे थे तो सफल हो सकते हैं। आपका द्वारा बीते समय में जो कार्य किए गए हैं उनका भी आशातीत परिणाम आपको प्राप्त हो सकता है। इस राशि के जातकों को शिक्षा के क्षेत्र में भी कोई बड़ी उपलब्धि प्राप्त हो सकती है। गंगा दशहरा के दिन आपको अपने पितरों के निमित्त पूजा-पाठ करने से सुखद परिणाम मिल सकते हैं।

इस दिशा में रख दें तांबे का कलश धन-वैभव से भर जाएगा घर

ज्योतिष शास्त्र में तांबे को एक महत्वपूर्ण धातु माना जाता है जो कई ग्रहों और राशियों से जुड़ा होता है। तांबे की वस्तुओं को घर में रखने से ग्रह दोषों से छुटकारा मिलता है। वहीं वास्तु शास्त्र में भी तांबे को एक शुभ धातु माना जाता है। सबसे पहले आपको बता दें कि वास्तु शास्त्र के अनुसार, तांबे के किसी भी वस्तु को घर की पूर्व दिशा में रखना बेहद शुभ माना गया है क्योंकि ये दिशा सूर्यदेव की दिशा मानी गई है। तांबा भी सूर्य ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है, ऐसे में पूर्व दिशा में तांबे की वस्तुएं रखना उत्तम फलदायी माना जाता है। इस दिशा में तांबे का सूर्य, दीपक या कलश रखने से घर में सुख-समृद्धि आती है।

वास्तु शास्त्र की मानें तो पूर्व दिशा के अलावा घर के ईशान कोण में तांबे की चीजें रखना शुभ फलदायी माना गया है क्योंकि ईशान कोण देवताओं और ज्ञान की दिशा मानी जाती है। ऐसे में ईशान कोण में तांबे की वस्तुएं जैसे कि तांबे का पिरामिड, श्री यंत्र रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और परिवार में सुख-संपन्नता आती है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार उत्तर-पश्चिम दिशा धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी जी की दिशा मानी जाती है। जिसके चलते इस दिशा में तांबे की वस्तुएं, तांबे की कलश और तांबे का दीपक रखने से व्यक्ति को जीवन धन, ऐश्वर्य और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

इतना ही नहीं दक्षिण-पूर्व दिशा में भी तांबे की वस्तुएं रखना अति शुभ माना गया हैक्योंकि दक्षिण-पूर्व दिशा को अग्नि देवता की दिशा मानी गई है। ऐसे में इस दिशा में तांबे का दीपक, तांबे का कलश या तांबे का यंत्र रखने से घर में बरकत आती है। परिवार में चल रही हर तरह की समस्याएं दूर होती है। इसी के साथ स्वास्थ्य अच्छा रहता है क्योंकि समृद्धि के साथ साथ स्वास्थ्य के लिए भी ये दिशा बहुत शुभ मानी गई हैं।

तांबे की चीजें कहां नहीं रखनी चाहिए

शास्त्रों के अनुसार, तांबे की चीजें या तांबे के बर्तनों को कभी भी शयन कक्ष में नहीं रखना चाहिए क्योंकि माना जाता है शयनकक्ष में तांबा रखने से आपके पति-पत्नी के रिश्तों में दरार आती है। ऐसे में आपको तांबे के बर्तन को कभी भी उस स्थान पर न रखें जहां आप सोते हैं।

पिता के लिए लकी साबित होती हैं इन तारीखों में जन्मी बेटियां

सनातन धर्म में बेटियों को लक्ष्मी का स्वरूप बताया गया है। बेटियों के जन्म के बाद घर में धन-दौलत और सुख-शांति की कमी नहीं होती। वैसे तो सभी बेटियां किस्मत की धनी होती हैं, लेकिन कुछ तारीखों में जन्मी बेटियां अधिक सौभाग्यशाली बताई गई हैं। कहा जाता है कि ये बेटियां पिता के लिए तो लकी होती ही हैं, साथ ही जिस घर में जाती हैं वहां भी खुशियों की दौलत की कमी नहीं रहती है। आइए जानते हैं इन तारीखों के बारे में-

विट्ठल मंदिर सिंकदराबाद के ज्योतिषाचार्य पं. पंढ़रीनाथ नर्सिकर बताते हैं कि, हिंदू धर्म में ज्योतिष शास्त्र की तरह अंक ज्योतिष का भी विशेष महत्व है। यह वैदिक ज्योतिष नव ग्रहों, नक्षत्रों के आधार पर भविष्य की जानकारी देता है। इसमें जातक की जन्मतिथि के अनुसार उसके मूलांक का निर्धारण किया जाता है। इसमें प्रत्येक जातक के लिए 01 से 09 अंक निर्धारित किए गए हैं। सभी मूलांक पर किसी न किसी ग्रह का अधिपत्य रहता है, जिसका प्रभाव जातक के जीवन पर देखने को मिलता है।

ये है शुभ मूलांक: ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, जो बेटियां पिता और पति दोनों के लिए लकी साबित होती हैं उनका मूलांक 3 होता है। इसका मतलब है कि ऐसी बेटियां जिनका जन्म किसी भी माह की 3, 12, 21 और 30 को हुआ हो। मूलांक 3 का स्वामी बृहस्पति है, जो सभी ग्रहों के गुरु कहलाते हैं। इस मूलांक की बेटियां का जज्बा काबिले तारीफ होता है।

माता-पिता का बढ़ाती मान: किसी भी माह की 3, 12, 21 और 30 में जन्मी बेटियां बुद्धि की तेज अपने माता-पिता का मान बढ़ाती हैं। माना जाता है कि इस मूलांक की बेटियां के कदम जिस भी घर में पड़ते हैं वहां सौभाग्य ही सौभाग्य रहता है। साथ ही धन-दौलत की भी कमी नहीं होती है।

पति के लिए भी लकी: मूलांक 3 की लड़कियों का दांपत्य जीवन बेहद सुखमय होता है। ये जितना पिता के लिए लकी होती हैं, उतनी ही पति के लिए भी। माना जाता है कि घर में इनके कदम पड़ते ही घर में खुशियों की बहार आने लगती है। वो जो एक बार ठान लेती हैं तो करके ही दम लेती हैं।

सामुद्रिक शास्त्र में मानव शरीर के अंगों का ज़िक्र किया गया है। इसके माध्यम से लोगों के स्वभाव और भविष्य के बारे में जानने में मदद मिलती है। किसी भी व्यक्ति के पैरों की बनावट से उसके अंदर छिपे हर राज का पता लगाया जा सकता है। सामुद्रिक शास्त्र में मनुष्य के अलग-अलग तरह के पैरों की बनावट के बारे में जिक्र किया गया है।

छोटे पैर वाले लोग

जिन लोगों के पैर बहुत छोटे होते हैं, उन लोगों को अच्छी-अच्छी वस्तुओं को खरीदने का बहुत ही शौक होता है। ऐसे पैरों वाले लोगों को बहुत सारी चीजों को खरीद कर उनको इकट्ठा करके रखना बहुत अच्छा लगता है। छोटे पैर वाले लोग दूसरों से ज्यादा से ज्यादा दूरी बनाकर रखते हैं, पर यह चाहते हैं कि लोग इनके आगे-पीछे घूमते रहें। इनको अपना अटेंशन दें, फिर जाकर यह लोग दूसरों को बुलाते हैं और अपने आपको ज्यादा अच्छे तरीके से पेश करते हैं।

जिनके पैर नीचे से थोड़े उठाव वाले होते हैं

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार जिन लोगों के पैर थोड़े उठे हुए या धनुष आकार के होते हैं। ऐसे लोग ज्ञान के बहुत धनी होते हैं। इस आकार के पैर वाले लोगों को दिन में ही सपने देखने का शौक होता है और यह अपनी मेहनत से उसे असलियत में भी बदल देते हैं। ऐसे लोगों की आंखों में कई सारे सपने होते हैं। इन लोगों को अपने जीवन में ज्यादा कुछ नहीं चाहिए होता, जितना मिला होता है यह उसी में संतुष्ट रहते हैं।

सपाट पैर वाले लोग

सपाट पैर वाले लोग खुले दिल के होते हैं और इनका स्वभाव बहुत ही दयालु होता है। समाज सेवा करने के लिए ऐसे लोग हमेशा ही तैयार रहते हैं। जिसके चलते सामाजिक कामों में इन लोगों का सहयोग बाकी लोगों के मुताबिक अधिक होता है। समाज में ऐसे लोगों को बहुत ही मान-सम्मान मिलता है। ऐसे लोगों को दूसरों के साथ मिलना-जुलना बहुत अच्छा लगता है, यह अपने आपको सपने देखने की पूरी छूट देते हैं और उन्हें पूरा करने की भी क्षमता रखते हैं।

गद्देदार पैर वाले लोग

जिन लोगों के पैर गद्देदार या मोटे होते हैं या जिनको देखकर ऐसा लगता है कि पैरों में सूजन है, ऐसे लोग बहुत ही परेशान रहते हैं। यह किसी से भी अपने दिल की बात कहने में हिचकिचाते हैं और मन ही मन में उस बात को लेकर सोच-विचार करते रहते हैं। अपने दिल की बात को किसी के सामने खुलकर नहीं रखते और हर समय इनके चेहरे पर उदासी छाई रहती है।

फटे पैर वाले लोग

जिन लोगों के पैर की एड़ियां बिना किसी कारण से फटती रहती हैं, वो अपने जीवन में किसी भी तरह का फैसला नहीं ले पाते। किसी भी काम में खुद फैसला या खुद का स्टैंड लेने में इन को बहुत मुश्किल होती है। सारी जिन्दगी दूसरे के फैसले या सलाह पर ही निर्भर रहते हैं। ऐसे लोगों को यही नहीं पता होता कि इन्हें जीवन में किस रास्ते में जाना है या इन्हें क्या काम करना है क्या नहीं करना। अपने जीवन को लेकर हमेशा परेशानी में रहते हैं। इनके अंदर आत्म-विश्वास की भी बहुत कमी होती है।

हार मानने के लिए तैयार नहीं होते इन 4 राशियों वाले

हार मानने के लिए तैयार नहीं होते इन 4 राशियों वाले, हर मुश्किल का करते हैं डटकर सामना

ज्योतिष में कुछ ऐसी राशियों का जिक्र मिलता है जो हार मानने के लिए कभी तैयार नहीं होती। आज हम आपको इन्हीं राशियों के बारे में जानकारी देंगे।

हर व्यक्ति को जीवन में कभी न कभी संघर्ष का सामना करना पड़ता है, और हर कोई अपनी तरह से हर चुनौती का सामना करने की कोशिश करता है। कुछ लोग जीवन की चुनौतियों से थककर हार मान लेते हैं और दुनिया के बने बनाए ढर्रे पर चलने लग जाते हैं। वहीं ज्योतिष में कुछ ऐसी राशियों का जिक्र मिलता है जो, कई संघर्षों के बाद भी हार मानने को तैयार नहीं होती। आज हम आपको इन्हीं राशियों के बारे में अपने इस लेख में जानकारी देंगे।

वृषभ राशि

इस राशि के लोगों को दृढ़-निश्चयी माना जाता है। एक बार जो ये ठान लेते हैं उसे पूरा करने के लिए जी तोड़ मेहनत करने के लिए भी ये तैयार रहते हैं। कठिनाइयों से पार पाने के लिए और संघर्षों का सामना करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाते आपको दिख सकते हैं। मेहनत करने का इनका गुण, जीवन में ऊंचाइयों तक इन्हें ले जा सकता है।

कन्या राशि

इस वाले जातक हर कार्य में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं और इसीलिए असफलता इनको भाती नहीं है। हार मानने के लिए ये कभी तैयार नहीं होते, एक बार हारने के बाद ये फिर से प्रयास करने के लिए आगे बढ़ते हैं। इनका कर्मठ स्वभाव बाकी लोगों से इनको अलग बनाता है। सफलता पाने के लिए ये किसी भी तरह का समझौता जिंदगी के साथ करने को तैयार रहते हैं, इसलिए आप इस राशि के लोगों को ऊंचे पदों पर देख सकते हैं।

वृश्चिक राशि

मंगल के स्वामित्व वाली वृश्चिक राशि के लोग भले ही गरीब घर में जन्म लें लेकिन अपनी स्पष्ठ सोच से ये सफलता जीवन में प्राप्त कर सकते हैं। एक बार हारकर जब ये उठते हैं तो इनसे बेहतर प्रदर्शन शायद ही कोई कर पाए। जीवन में क्या काम इन्हें फायदा देगा और क्या काम करने से इन्हें नुकसान हो सकता है इसका भी इन्हें अच्छी तरह से पता होता है। इसीलिए भले ही चुनौतियां इनके जीवन में आएं लेकिन हार ये नहीं मानते, अपनी गलतियों से सीखकर आगे बढ़ना ये जारी रखते हैं।

मकर राशि

शनि के स्वामित्व वाली मकर राशि के लोग जिद्दी होते हैं। एक बार जो लक्ष्य इन्होंने तय कर लिया उसे पाने के लिए जी तोड़ मेहनत ये करते हैं। बार-बार असफल होने पर भी इनके अंदर का जज्बा खत्म नहीं होता। सफलता इनके आत्मविश्वास को कम करने की बजाय इन्हें आगे बढ़ने का रास्ता दिखा सकती है। इस राशि के लोग भी न तो हार मानते हैं और ना ही चुनौतियों से डरते हैं। अपनी गलतियों से सीखकर ये जीवन में अपना अलग मुकाम बनाने में कामयाब हो सकते हैं।

अनमोल वचन

उठो और जागो और तब तक रुको नहीं जब तक कि तुम अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं कर लेते।
जितना बड़ा संघर्ष होगा जीत उतनी ही शानदार होगी।

एक समय में एक काम करो, और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमे डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ।

पढ़ने के लिए जरूरी है एकाग्रता, एकाग्रता के लिए जरूरी है ध्यान। ध्यान से ही हम इन्द्रियों पर संयम रखकर एकाग्रता प्राप्त कर सकते हैं।
जब तक जीना, तब तक सीखना, अनुभव ही जगत में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक है।
हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का ध्यान रखिए कि आप क्या सोचते हैं।

जो तुम सोचते हो वो हो जाओगे। यदि तुम खुद को कमजोर सोचते हो, तुम कमजोर हो जाओगे, अगर खुद को ताकतवर सोचते हो, तुम ताकतवर हो जाओगे।

शनि देव की बरसती है कृपा...

ज्योतिष शास्त्र में राशि के अनुसार धातु पहनने को बहुत शुभ माना जाता है। अगर आप पर कोई धातु या रत्न अच्छा असर करने लगे तो आपको जीवन बदल सकता है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि वो कौन सी राशियां हैं जिनके लिए शनि का रत्न लोहा सबसे शुभ माना जाता है, और क्या परिवर्तन लोहा पहनने के बाद इनके जीवन में आ सकते हैं।

मकर

राशिचक्र की दसवीं राशि मकर के स्वामी शनि ग्रह हैं। लोहा और स्टील शनि से संबंधित धातुएं मानी जाती हैं। ऐसे में अगर मकर राशि के लोग लोहे या स्टील का कड़ा पहन लेते हैं तो उनके जीवन में अच्छे बदलाव आने लग जाते हैं। पृथ्वी तत्व के मकर राशि के लोग कई बार कड़ी मेहनत करने के बाद भी जीवन में पीछे रह जाते हैं, लेकिन लोहे का कड़ा इन्हें फर्श से अर्श तक ले जा सकता है। लोहे का कड़ा पहनने से इनका जिद्दीपना भी कम होता है और निर्णय लेने की क्षमता का भी विकास होता है।

कुंभ

कुंभ राशि के स्वामी ग्रह भी शनि ही हैं इसलिए इस राशि के लोगों के लिए भी कड़ा पहनना बहुत शुभ माना जाता है। कुंभ राशि वालों में गुण तो बहुत से होते हैं लेकिन आलस्य और बहुत ज्यादा सोचने की आदत इन्हें परेशानियों में डाल सकती है। ऐसे में अगर ये लोहे का कड़ा पहन लेते हैं तो आलस्य धीरे-धीरे कम

होने लगता है और बेवजह के विचार भी मन में नहीं आते। लोहे का कड़ा पहनने से इनका फोकस बढ़ता है और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में इनको सफलता मिलने लगती है।

कन्या

कन्या राशि का स्वामी ग्रह बुध है और ज्योतिष में शनि-बुध के बीच मित्रता मानी गयी है। इसलिए कन्या राशि के लोगों को भी लोहा सूट करता है। अगर ये लोहे का कड़ा धारण कर लेते हैं तो इनकी सोच में गहराई आती है जिसका लाभ इन्हें हर क्षेत्र में मिलता है। इस राशि वालों को सामाजिक स्तर पर भी अच्छे परिणाम लोहा धारण करने के बाद मिल सकते हैं। करियर से जुड़ी परेशानियां अगर कन्या राशि के लोगों के जीवन में चल रही हों तो वो भी दूर हो सकती हैं।

कैसे और कब पहनें लोहे का कड़ा

लोहे का कड़ा पहनने के लिए सबसे अच्छा दिन शनिवार का माना जाता है। इस दिन अगर रोहिणी, पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र में लोहे का कड़ा पहना जाए तो शुभ परिणाम मिलते हैं। लोहे का कड़ा पहनने से पहले इसे गंगाजल या गाय के दूध में डालकर शुद्ध कर लेना चाहिए। कड़ा पहनते समय आपको शनि ग्रह के बीज मंत्र 'ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः' का 108 बार आपको जप करना चाहिए।

मुस्लिम लड़के से निकाह करने के फैसले से नाराज हैं सोनाक्षी के भाई और पापा?

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर खान की शादी की खबरें चर्चा में हैं। कहा जा रहा है कि कपाल जून के अंत में शादी के बंधन में बंध जाएंगे। हालाँकि इस बारे में कुछ भी फ़ुटबॉली अनौंस नहीं किया गया है. सोनाक्षी सिन्हा के लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जहीर खास संग शादी करने की खबरें देश में छाई हुई हैं। लेकिन ये भी कहा जा रहा है कि अभिनेत्री के मुस्लिम लड़के से निकाह करने को लेकर उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा और भाई लव सिन्हा खुश नहीं हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोनाक्षी सिन्हा इसी महीने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड जाहिर खास के बावजूद शादी कर सकती हैं। कहा जा रहा है कि हीरामंडी की फरीदन की शादी में बॉलीवुड के कई सेलेब्स शिरकत कर सकते हैं। ये भी कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस ने अपने हीरामंडी को-स्टार्स को भी शादी का न्योता भेजा है। आखिरकार हर जगह सोनाक्षी और जहीर की शादी के ही चर्चे हो रहे हैं। इन सबके बीच अब सोनाक्षी की शादी को लेकर उनके परिवार का भी रिएक्शन आना शुरू हो गया है।

सोनाक्षी की शादी पर उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि उनकी अपनी बेटी की शादी की कोई खबर ही नहीं है। जब शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा- मैं दिल्ली में हूं। चुनाव के रिजल्ट के बाद से मैं दब गया हूँ। मेरी अभी बेटी के प्लान को लेकर बात नहीं हुई है. आपका सवाल क्या है कि वो शादी कर रही है? इसका उत्तर यह है कि उन्होंने मुझे अभी तक कुछ नहीं बताया है। मैं तो केवल उन्हीं मीडिया में पढ़ता हूं। जब भी वो मुझसे इस बारे में बात करेगी तो मेरा आशीर्वाद उनके साथ है। हम चाहते हैं कि वे दुनिया की सारी खुशियाँ मिलें।

शुत्रघ्न सिन्हा ने आगे कहा कि लोग मुझसे शादी को लेकर सवाल कर रहे हैं। आपको इस बारे में कुछ पता नहीं है और मीडिया को सब पता है। इस पर मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूँ कि आजकल के बच्चे माँ-बाप से नहीं जुड़े हैं, बस उन्हें बताता हूँ। हमें तो चलने जाने का इंतजार है. वहीं सोनाक्षी के भाई लव सिन्हा भी अपने पिता शत्रुघ्न सिन्हा की तरह ही बहन की शादी को लेकर अनजान हैं। लव ने सोनाक्षी की शादी को लेकर आगे कहा, "मेरा इस मामले में कोई इन्वालमेंट नहीं है।"

भाई औ पिता के इस बयान के बाद लोगों को ऐसा लग रहा है कि सोनाक्षी की फैमिली उनके मुस्लिम लड़के से शादी करने के फैसले से खुश नहीं है। लोगों को लग रहा है कि सोनाक्षी ने अपनी फैमिली की मर्जी के खिलाफ शादी करने की प्लानिंग की है। क्योंकि सोनाक्षी के परिवार की तरफ से अभी तक ऐसा कोई दौर नहीं आया है, जिससे ये लग रहा हो कि परिवार उनकी शादी से खुश है। हालांकि सच क्या है ये तो सिन्हा फैमिली या एक्ट्रेस ही बता सकती हैं। इन सबके बीच सोनाक्षी और जहीर के जीवन में भी रहने की खबरें आई थीं। पिछले साल एक्ट्रेस ने नया अपार्टमेंट भी खरीदा था जिसके बाद उनकी लिवइन की खबरें सच मान ली गई थीं। बता दें कि सोनाक्षी और जहीर की पहली मुलाकात सलमान खान द्वारा होस्ट की गई एक पार्टी में हुई थी। यहां से ये बातें शुरू हुईं फिर मिलीं और जल्द ही ये एक दूसरे को दिल दे बैठे थे।

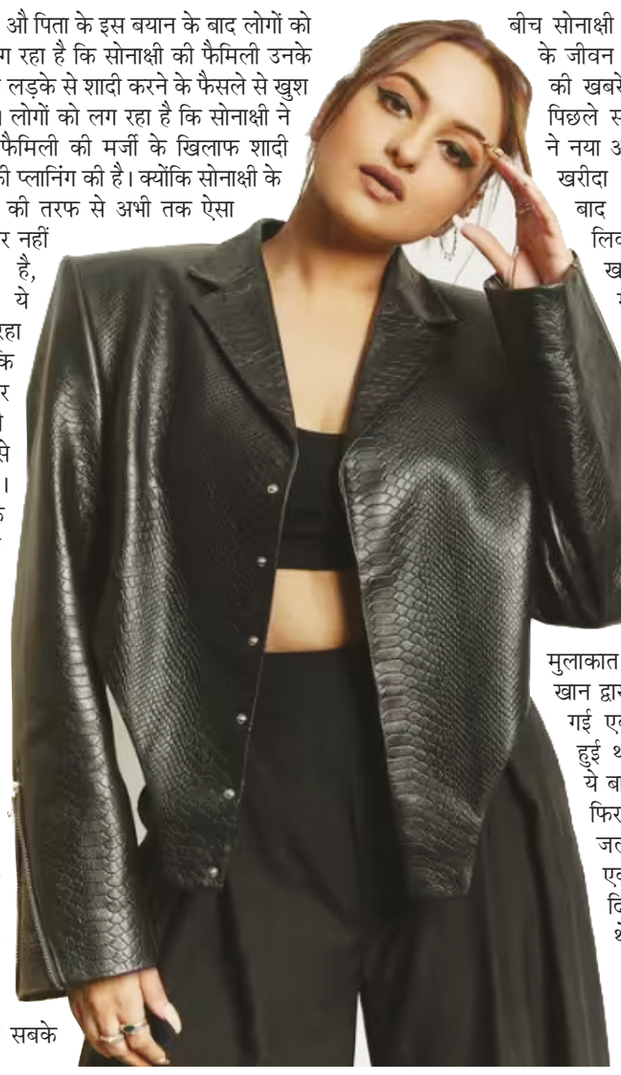

सलमान खान की पहली पेंटिंग 'यूनिटी 1' को बेचने के लिए तैयार हैं, जाने- कैसे खरीद सकते हैं

सलमान खान की पहली पेंटिंग बिक्री के लिए तैयार: सलमान खान सिर्फ एक अच्छे अभिनेता ही नहीं बल्कि बेहतरीन होस्ट भी हैं। वह अपनी फिल्मों के जरिए फैंस के दिलो पर राज करते हैं। इंडस्ट्री के भाईजान को अभिनय के अलावा पेंटिंग का भी काफी शौक है और वह इस बात को समय-समय पर सोशल मीडिया पर बताते रहते हैं। अभिनेता खाली समय में पेंटिंग करते हैं. इसी क्रम में भाईजान के दीवानों के लिए एक बेहतरीन खबर आई है। खबर है कि सलमान खान की पहली पेंटिंग उनके फैंस के लिए बिकने वाली है। तो अगर आप भी उस पेंटिंग को खरीदने का शौक रखते हैं तो बताते हैं कि वह पेंटिंग कब और कहां से खरीदें।

सलमान खान की पहली पेंटिंग कब और कहां खरीदी गई, जो कि 14 जून को आर्ट टेक्नोलॉजीज कंपनी आर्टफी पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगी। सुपरस्टार ने हाल ही में अपने एक्स अकाउंट पर जाने की घोषणा की। उन्होंने लिखा, 'रोमांचक खबर! मेरी पहली आर्टवर्क इकाई 1 @artfiglobal पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगी। इस खास पेंटिंग का एक हिस्सा बनने का मौका जल्द ही आ रहा है। 'आर्टवर्क के बारे में अधिक जानने के लिए लिंक पर क्लिक करें और अपने पसंदीदा फ्रैक्शन्स को पाने के लिए तैयार हो जाएं।'

सलमान खान का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। आर्टफी की वेबसाइट पर इस पेंटिंग की सारी डिटेल्स शेयर की गई हैं। सलमान खान की पेंटिंग की खास बात यह है कि यह आर्टवर्क भारतीय समाज की विविधता, प्यार और सम्मान का आइना है। सलमान खान ने फिल्म इंडस्ट्री में एक्टिंग के अलावा निर्माता, टीवी व्यक्तित्व, गायक और अब पेंटिंग में भी हाथ आजमाया है।

सलमान की पेंटिंग की कीमत तय

सलमान खान की पेंटिंग को लेकर आर्टफी के सीईओ का कहना है कि इस पेंटिंग को लेकर लोग खूब दिलचस्पी दिखा रहे हैं। हालांकि उच्च डिमांड के बाद भी उन्होंने ऑक्शन की घर इस पेंटिंग की कीमत तय कर दी है। ऐसा इसलिए क्योंकि सलमान खान के फैंस उनके काम को खरीदकर उसका कलेक्शन कर लेंगे।

सलमान के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी आने वाली फिल्म अलेक्जेंडर है, जो अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होगी। इस फिल्म में सलमान का एक्शन अंदाज देखने को मिलेगा। फिल्म में सलमान खान के अलावा रश्मिका मंदाना भी अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं।

देबिना बनर्जी के लिए 2 बेटियों को संभालना हुआ मुश्किल, नहीं कर पा रही कोई काम

रामायण फेम देबिना बनर्जीः देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी टीवी इंडस्ट्री के बॉलीवुड कपल्स में से एक हैं। देबिना हमेशा स्टोरी में बनी रहती हैं। ये कपल दो प्यारी बेटियाँ लीना और दिविशा के माता-पिता हैं। देबिना सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर अपनी और फैमिली की प्यारी तस्वीरें और वीडियो शेयर कर अपनी लाइफ से जुड़ी हर अपडेट शेयर करती रहती हैं।

बेटी के चक्कर में देबिना नहीं कर पा रही काम?

हाल ही में 'रामायण' फेम एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि दो बेटियों के साथ उन्हें कुछ भी काम करने में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। देबिना ने इसकी झलक फैन्स को वीडियो शेयर कर दिखाई है. इस वीडियो में देखा जा सकता है कि देबिना 'हीरामंडी द डायमंड बाजार' के चौदहवीं शब गाने पर खूब अदाएं दिखा रही हैं। वहीं इस वीडियो को बनाने में एक्ट्रेस की बेटी ने उन्हें काफी परेशान किया।

वीडियो के कैप्शन में देबिना बनर्जी ने लिखा, 'अगर आपको लगता है कि दो बच्चों की मां के रूप में सामग्री बनाना आसान है क्योंकि कैमरे पर प्यारे बच्चे और सब कुछ बहुत अच्छा दिखता है, तो फिर से सोचें।' उन्होंने आगे कहा, 'ये वीडियो मेरी सामग्री के पर्दे के पीछे की सच्चाई को दिखा रहा है। इसमें बच्चों के नखरे, उनकी जिद और भी बहुत कुछ है। फिर भी, वास्तविकता के बीच में अलग मजा है. मैं वास्तव में अपने बच्चों को अपने आस-पास रखना पसंद करती हूं, चाहे कितना भी व्यस्त माहौल क्यों न हो।'

आईवीएफ का ऑप्शन लेने के बाद देबिना भड़की हुई थीं ट्रोल

जैसे ही देबिना बनर्जी ने वीडियो पोस्ट किया, फैंस ने भी खूब कमेंट्स किए। वीडियो में एक फैन ने लिखा, 'हाहा हर मां संघर्ष करती है', एक दूसरे फैन ने लिखा- 'हाहाहाहा.. सभी मां के सामने ये परेशानी आती है'। बता दें कि देबिना बनर्जी और उनके पति गुरमीत चौधरी के घर अप्रैल 2022 में आईवीएफ के जरिए पहली बेटी लियाना का जन्म हुआ था। कपल ने नवंबर 2022 में दूसरी बेटी दिविशा का वेलकम किया था। देबिना को आईवीएफ का विकल्प लेने के लिए काफी ट्रोल भी किया गया था।

हत्या आरोपी एक्टर दर्शन पर पत्नी ने लगाए थे पीटने के आरोप पराई औरत से अफेयर के कारण भी खूब हुई थी बदनामी

कन्नड़ स्टार दर्शन थुगूदीपा को एक मर्डर केस में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और छह दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। बेंगलुरू पुलिस ने दर्शन को 11 जून को उनके मैसूर वाले फार्महाउस से हिरासत में लिया और फिर पूछताछ की थी। उन पर बेंगलुरु के चित्रदुर्ग के रहने वाले रेणुका स्वामी के मर्डर में शामिल होने का आरोप है। रेणुका पर आरोप था कि वह दर्शन की खास दोस्त और एक्ट्रेस पवित्रा गौड़ा को आपत्तिजनक मैसेज और अश्लील तस्वीरें भेजता था। इस कारण रेणुका स्वामी की हत्या कर दी गई। यह पहली बार नहीं है जब दर्शन बवाल में फंसे हों।

दर्शन कन्नड़ सिनेमा के टॉप स्टार्स में शुमार हैं और कई हिट फिल्में उनके खाते में दर्ज हैं। वह एक-दो बार नहीं, बल्कि 9 बार बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड भी जीत चुके हैं। पर दर्शन काफी विवादों में भी रहे हैं। वह पहले भी कई बार बड़ी-बड़ी मुश्किलों में फंस चुके हैं। उन पर पत्नी संग मारपीट और घरेलू हिस्सा से लेकर अवैध वन्य जीव रखने का भी आरोप था।

1. पत्नी संग मारपीट और जान से मारने की धमकी का आरोप, गए थे जेल

साल 2011 में दर्शन की पत्नी विजयलक्ष्मी ने दर्शन थूगुदीपा पर घरेलू हिंसा और मारपीट के आरोप लगाए थे, और पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। तब दर्शन को 14 दिनों तक पुलिस की कस्टडी में रहना पड़ा था। दर्शन पर आईपीसी की धारा 207 (जान से मारने की धमकी) के तहत केस दर्ज किया गया था। हालांकि, बाद में पत्नी ने शिकायत वापस ले ली थी। दर्शन को बेल मिल गई थी, जिसके बाद उन्होंने फैंस से पब्लिकली माफी मांगी थी। दर्शन पर पत्नी को न सिर्फ पीटने बल्कि रिवॉल्वर से भी धमकी देने का आरोप था। दर्शन ने सफाई में पत्नी विजयलक्ष्मी के लिए कहा था कि उनका बॉयफ्रेंड है और वह उसी के साथ रहती हैं।

2. गैरकानूनी तरीके से वन्य जीव रखे, वन अधिकारियों की छापेमारी

साल 2018 में दर्शन, उनके दोस्त एंटनी और एक्टर देवराज उस वक्त विवाद में फंसे, जब उनकी एसयूवी उत्तरी मैसूर में

एक स्ट्रीटलाइट से टकरा गई। मैसूर जिले के बाहरी इलाके में दर्शन के खेत पर 20 जनवरी, 2023 को वन अधिकारियों ने एक वीडियो क्लिप के मद्देनजर छापा मारा था, जिसमें दर्शन को अपने खेत में मंगोलिया के चार बार-हेडेड बत्तखों के बारे में बात करते हुए सुना गया है। वन अधिकारियों ने दर्शन के चंगुल से उन बत्तखों को बचाया था। एक्टर पर गैर कानूनी तरीके से वन्य जीवों को रखने का आरोप लगा था।

3. दलित वेटर को बुरी तरह पीटा, आंखों की रोशनी चली गई

साल 2021 में दर्शन पर मैसूर के एक होटल में एक दलित वेटर के साथ बदसलूकी करने का आरोप लगा था। डायरेक्टर इंद्रजीत लंकेश ने दावा किया था कि दर्शन ने मैसूर स्थित संदेश होटल के दलित वेटर संग गलत बर्ताव किया था। उन्होंने दोस्तो के साथ मिलकर वेटर को बुरी तरह पीटा था, इस कारण उसकी आंखों की रोशनी भी चली गई। हालांकि, बाद में सामने आया कि दर्शन ने वेटर के साथ समझौता कर लिया था। उन्होंने 50 हजार रुपये देकर मामले को रफा-दफा कर दिया था।

4. पवित्रा गौड़ा संग एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर

दर्शन एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर के कारण भी चर्चा में रहे हैं। उनका एक्ट्रेस पवित्रा गौड़ा के साथ 10 साल लंबा रिश्ता है और वो लिव-इन में रहे। रेणुका स्वामी के मर्डर केस में दर्शन के साथ-साथ पवित्रा गौड़ा को भी हिरासत में लिया गया। दर्शन ने पवित्रा संग 10 साल पूरे होने पर एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर प्यार जगजाहिर किया था।

5. भाग्य की देवी पर विवादित कमेंट

दर्शन को एक बार भाग्य की देवी पर विवादित कमेंट करके बुरे फंस गए थे। तब लोगों से भरे इवेंट में उन पर किसी ने चप्पल फेंककर मारी थी। दर्शन ने साल 2022 में एक इंटरव्यू में विवादित बयान दिया था कि भाग्य की देवी आपका दरवाजा नहीं खटखटाती। अगर वह दरवाजा खटखटाए तो उसे पकड़ लो और घसीटकर कमरे में ले जाओ। वहां उसके सारे कपड़े उतार दो।

बेशुमार संपत्ति के मालिक हैं पवन कल्याण

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार पवन कल्याण राजनीति के मैदान में भी खूब चमक रहे हैं। हाल ही में आंध्र प्रदेश के विधानसभा चुनावों में उनकी जनसेना पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया है। खुद पवन कल्याण ने आंध्र की पीथापुरम सीट से चुनाव जीता है। आज उन्होंने प्रदेश के डिप्टी सीएम का पद संभाला है। तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू ने आज बुधवार को आंध्र प्रदेश के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। वहीं, पवन कल्याण डिप्टी सीएम बने हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पवन कल्याण के डिप्टी सीएम बनने की जानकारी साझा करते हुए अभिनेता को बधाई दी है। अमित शाह ने लिखा, मुख्यमंत्री नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण को आज पद की शपथ लेने पर बधाई, मेरा दृढ़ विश्वास है कि एनडीए सरकार आंध्र प्रदेश को समृद्धि की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी और जनता की उम्मीदें पूरी होंगी'। आज विजयवाड़ा में हुए शपथ ग्रहण समारोह में कई सुपरस्टार भी शामिल हुए।

सीएम नायडू के शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी भी आए। उन्होंने पवन कल्याण और नायडू से मुलाकात की। मुख्यमंत्री नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने इस दौरान पीएम मोदी को भगवान की प्रतिमा भेंट कर उनका सम्मान किया। समारोह में पवन कल्याण के भाई चिरंजीवी व सुपरस्टार रजनीकांत भी नजर आए। पवन कल्याण की राजनीतिक पारी के लिए उन्हें प्रशंसक बधाई दे रहे हैं।

पवन कल्याण का जन्म आन्ध्र प्रदेश के बापतला में 2 सितंबर 1968 को हुआ। 55 वर्षीय पवन कल्याण अपनी फिल्मों के जरिए दर्शकों के बीच खास जगह बनाई है। उन्होंने साल 1996 में अपनी फिल्मी पारी शुरू की। तेलुगु सिनेमा में खास पहचान बनाने के बाद अब वे आंध्रप्रदेश की राजनीति का अहम चेहरा बन चुके हैं। पवन कल्याण इन दिनों अपनी नेट वर्थ को लेकर भी चर्चा में हैं। वे बेशुमार संपत्ति के मालिक हैं।

जन सेना पार्टी के संस्थापक और एक्टर पवन कल्याण अकूत संपत्ति के मालिक हैं। अभिनेता ने अपने चुनावी हलफनामे में कुल 164.53 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति बताई। रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले पांच सालों उनकी संपत्ति करीब 60 करोड़ रुपये बढ़ी। एफिडेविट के मुताबिक, पवन कल्याण पर 65.77 करोड़ रुपये का कर्ज भी है। बता दें कि साल 2019 में उनके पास करीब 56 करोड़ रुपये की संपत्ति थी। पवन कल्याण की पत्नी और उनके बच्चों की कुल चल संपत्ति 46.17 करोड़ और अचल संपत्ति 118.36 करोड़ रुपये है। जन सेना प्रमुख पवन कल्याण के पास कुल 11 वाहन हैं, जिनकी कीमत 14 करोड़ रुपये से अधिक है। इनमें एक हार्ले डेविडसन बाइक और रेंज रोवर भी है। शिक्षा की बात करें तो पवन कल्याण 10वीं तक पढ़े हैं।

फीस से टीडीएस कटने पर तंग हो जाते थे कार्तिक

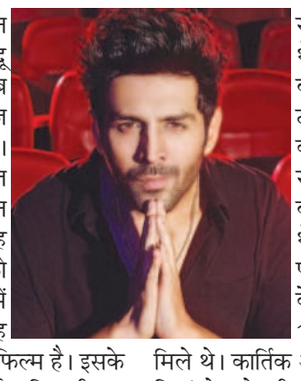

कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' अब रिलीज की दहलीज पर पहुंच गई है। एथलीट मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित यह फिल्म 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है। इसके बाद कार्तिक आर्यन दिवाली पर 'भूल भूलैया 3' में नजर आएंगे। अब वो इंडस्ट्री में अपने पैर जमा चुके हैं। आज वो एक फिल्म के लिए करोड़ों रुपये की फीस लेते हैं, लेकिन करियर की शुरूआत में यह आंकड़ा एक लाख रुपये से भी नीचे हुआ करता था।

पहले विज्ञापन के लिए मिले थे कुल 1,500 रुपये

कार्तिक आर्यन की पहली फिल्म 'प्यार का पंचनामा' थी। कार्तिक ने राज शमनी के पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान बताया कि उन्हें इस फिल्म के लिए कुल 70 हजार रुपये मिले थे। इसमें से भी सात हजार रुपये टीडीएस के काट लिए गए थे और इस तरह उनके हाथ में 63 हजार रुपये ही आए थे। कार्तिक ने बताया कि वो टीडीएस में कटने वाली रकम को लेकर बड़े तंग रहते थे। उन्हें अपने पहले विज्ञापन के लिए कुल 1,500 रुपये मिले थे। कार्तिक आर्यन ने बताया कि 'सोनू के टीटू की स्वीटी में' काम करने के बाद उनकी कमाई में इजाफा होने लगा था।

'शहजादा' के लिए नहीं ली थी कोई फीस

एक हालिया साक्षात्कार में कार्तिक ने बताया कि उन्होंने 'शहजादा' फिल्म के कोई फीस नहीं ली थी। इस फिल्म में उन्हें बतौर निर्माता भी क्रेडिट दिया गया है। इसकी वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण फिल्म का निर्माण करना मुश्किल हो गया था। इसलिए उन्होंने फीस ना लेने का फैसला लिया था। कार्तिक ने यह भी बताया कि वो ऐसा करने वाले अकेले कलाकार नहीं है। इंडस्ट्री के कई लोग ऐसा करते रहते हैं।

लगातार कामयाबी की नई सीढ़ियां चढ़ रहे हैं दिलजीत अब इस अंतरराष्ट्रीय शो में करेंगे शिरकत

दिलजीत दोसांझ भारतीय मनोरंजन जगत के जाने माने चेहरा हैं। वह पंजाबी फिल्मों के सुपरस्टार अभिनेता होने के साथ-साथ एक बेहतरीन गायक भी हैं। उन्होंने कई हिंदी फिल्में भी की हैं। हाल में ही वह निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'चमकीला' में नजर आए थे। उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। अब वह इस मशहूर अंतरराष्ट्रीय शो में शिरकत करने वाले हैं।

जिमी फॉलन के 'द टुनाइट शो' पर करेंगे शिरकत

दिलजीत दोसांझ लगातार लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में कामयाब रहे हैं। अपनी गायकी और अभिनय से उन्होंने लगातार दर्शकों का दिल जीता है। अब एक बार फिर वह अपने फैंस को उत्साहित करने वाले हैं। दरअसल अभिनेता सह गायक जिमी फॉलन के बेहद लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय शो 'द टुनाइट शो' पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाले हैं। उन्होंने इसे लेकर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जानकारी दी है।

इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट साझा कर दी जानकारी

दिलजीत दोसांझ ने इस बारे में आज, यानी 12 जून को अपने

इंस्टाग्राम अकाउंट पर जानकारी देते हुए एक पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में उन्होंने अपनी और जिमी फॉलन की एक तस्वीर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, ₹पंजाबी आ गए ओये इस हफ्ते के मेहमान₹। दिलजीत की इस उपलब्धि से उनके फैंस काफी उत्साहित हैं और सोशल मीडिया पर लगताार अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं।

'जट्ट एंड जूलियट 3' में आएंगे नजर

बात करें दिलजीत के वर्क फ्रंट की तो वह जल्द ही अपनी आगामी पंजाबी फिल्म 'जट्ट एंड जूलियट 3' में नजर आने वाले हैं। दिलजीत और नीरू बाजवा की ये फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा का निर्देशन जगदीप सिद्धू ने किया है। यह उनके लोकप्रिय 'जट्ट एंड जूलियट' फ्रेंचाइजी की तीसरी कड़ी है। फिल्म 28 जून, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इसके अलावा हाल में ही दिलजीत, इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित फिल्म 'चमकीला' में नजर आए थे। इस फिल्म के लिए उन्हें काफी सराहना भी मिली थी।

फंगस पौधों को खराब कर रहा है तो घर पर स्प्रे तैयार करें

अक्सर पौधों के ऊपर दिखने वाली सफेद पपड़ीनुमा परत आपके पौधे के लिए नुक़सानदेह होने के साथ ही मिट्टी की उर्वरक क्षमता को भी कम कर सकती है। ऐसा पौधों की उचित देखभाल न कर पाने, उनमें पानी की अधिकता हो जाने या मौसम के प्रतिकूल परिवर्तन के कारण होता है। पौधों में इस प्रकार से पनपी इस फंगस के कारण पत्तियों और पौधों के ऊपरी हिस्से के अलावा इसकी मिट्टी की उर्वरता को भी नुक़सान पहुंचता है। ऐसे में कुछ प्राकृतिक उपाय पौधे को इस समस्या से बचा सकते हैं।

फंगस से बचाव में लाभकारी हैं कुछ स्प्रे

नीम का स्प्रे बनाने के लिए दो लीटर पानी में दो चम्मच नीम का तेल डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और स्प्रे पंप में भरकर पौधों और इनकी मिट्टी में स्प्रे करें।

एप्पल साइडर विनेगर स्प्रे बनाने के लिए एक लीटर पानी में दो चम्मच एप्पल साइडर विनेगर मिलाएं। स्प्रे से संक्रमित पत्तों और तने पर छिड़काव करें।

पौधों से फंगस हटाने के लिए दो लीटर पानी में आधा चम्मच लिक्विड सोप और एक बड़ा चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर स्प्रे करने से फंगस दूर हो जाती है।

एक लीटर पानी में दो से तीन

ग्राम हल्दी पाउडर लेकर इसका स्प्रे भी कर सकते हैं। इससे फफूंद एवं चींटियों के प्रकोप से भी छुटकारा मिल जाएगा।

दालचीनी के पाउडर को सीधे मिट्टी में मिला सकते हैं तथा इसको 48 घंटे तक पानी में भिगोकर इसका स्प्रे पत्तों और तनों पर करना भी लाभकारी हो सकता है।

ऐसे बनाएं मिट्टी को उपजाऊ

गाय का गोबर और गुड़...

देशी गाय के सड़े गोबर में कई करोड़ सूक्ष्म जीवाणु पाए जाते हैं, इन्हीं सूक्ष्म जीवाणुओं की अधिकता गमलों की मिट्टी को उपजाऊ करने में सहायक होती है। इसके लिए पौधे की मिट्टी में गाय के गोबर और गुड़ को मिलाकर खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता है। पर इस बात का ध्यान रखें कि गाय के गोबर के सही तरह से सड़ जाने के बाद ही इसका उपयोग करें अन्यथा गोबर के सही प्रकार से न सड़ने पर ये पौधे को जला भी सकता है।

मिट्टी में रेत का प्रयोग

अगर गमले या ग्रो बैग की मिट्टी ज़्यादा सख्त या चिकनी है तो मिट्टी को उपजाऊ और नरम बनाने के लिए रेत का इस्तेमाल कर सकते हैं। अमूमन गमलों के लिए थोड़ी रेतीली मिट्टी काफ़ी अच्छी होती है। पर बहुत ज़्यादा मात्रा में रेत मिला देने से भी पौधे को क्षति हो सकती है। इसलिए मिट्टी नरम और उपजाऊ बनाने के लिए, मिट्टी और रेत को 7:1 के अनुपात में मिलाना चाहिए।

पानी की मात्रा का निर्धारण

पौधे को स्वस्थ बनाने के लिए सही मात्रा में पानी देना ज़रूरी है। पर ज़रूरत से ज़्यादा पानी देना आपके गमले की मिट्टी और पौधे के लिए नुक़सानदेह हो सकता है। ऐसे में पौधे के स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए पानी तभी डालें जब गमले की ऊपरी परत सूखी दिखाई देने लगे।

कैल्शियम या अंडे के छिलके

मिट्टी की उर्वर शक्ति बढ़ाने के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। इसके लिए मिट्टी में स्टोन पाउडर का इस्तेमाल किया जा सकता है। कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए अंडों के छिलके भी डाले जा सकते हैं।

पत्तों की खाद्य का प्रयोग

गमलों की मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने लिए बरगद, केले, और पीपल के पत्तों से बनी खाद का इस्तेमाल कर सकते हैं। पर याद रखें जो भी पत्ते गमलों की मिट्टी में मिलाएं वे रोगमुक्त और कवक रहित होने चाहिए अन्यथा यह मिट्टी को ख़राब कर सकते हैं।

नीम की खली का इस्तेमाल

नीम की खली आपके गमलों या ग्रो बैग की मिट्टी को उपजाऊ बनाने में मददगार साबित हो सकती है। यह पौधों में लगने वाली फंगस से भी निजात दिलाने में सहायक है। नीम की खली पौधों में कीड़े लगने से भी रोकती है। पर याद रहे नीम की खली का उपयोग आप 6 महीने में एक बार ही करें।

ऐसे करें बेबी की स्किन गोरी और बेदाग

न्यूबॉर्न बेबी की त्वचा बेहद अधिक नाजुक होती है, यही कारण है कि उनकी त्वचा पर केमिकल वाली चीजों का उपयोग करने से बचा जाता है। यहां कुछ नैचुरल तरीकों के बारे में बता रहे हैं जिनकी सहायता से बेबी की त्वचा को साफ किया जा सकता है तथा इससे उनकी रंगत पर भी फर्क नजर आता है।

ये है बेबी की त्वचा साफ करने के नैचुरल तरीके:-

कच्चा दूध:- त्वचा को साफ करने के लिए कच्चा दूध अच्चा है। इसे उपयोग करना भी बहुत अधिक सरल है। इसके लिए आप बस थोड़े से कच्चे दूध को लें एवं बेबी की त्वचा पर लगाएं। इसे उसी प्रकार से लगाना है जैसे आप साबुन लगाते हैं। अच्छी प्रकार से लगाने के बाद स्किन को पानी से साफ करें।

दूध-ब्रेड:- बेबी की त्वचा साफ करने के लिए ये अच्छा तरीका है। इसके लिए कच्चे दूध में कुछ ब्रेड को भिगो दें। जब ब्रेड अच्छे से डूब जाए तब इसे बेबी की त्वचा पर लगाएं। इसे हल्के हाथों से ही लगाएं। फिर बेबी को पानी से साफ करें।

बेसन:- बेबी को साफ करने के लिए आप बेसन के पैक का उपयोग कर सकती हैं। इसके लिए बेसन में सरसों का तेल या फिर नारियल का तेल मिलाएं एवं फिर इसे लगाएं। इस पैक में आप ताजी मलाई भी मिला सकती हैं।

दही:- आप दही से भी बेबी की त्वचा को साफ कर सकते हैं। इसके उपयोग से रंग भी साफ होता है। बस ध्यान रखें कि दही बहुत अधिक ठंडा ना हो नहीं तो बेबी को परेशानी हो सकती है।

हेल्दी दिखने वाली इस चीज को न खाएं, कागज जितनी पतली हो जाएगी मोटी चमड़ी

मोटे लोगों की चमड़ी काफी मोटी लगती है। इसके नीचे फैट की लेयर होती है जिसे हटाना जरूरी होता है। वजन घटाने के लिए एक्सरसाइज के साथ खाने-पीने में बदलाव करना पड़ता है। इसके लिए एक्सपर्ट की मदद लेनी चाहिए। क्योंकि कुछ हेल्दी दिखने वाले फूड असल में फैट बढ़ाने का काम करते हैं।

न्यूट्रिशनिस्ट के मुताबिक गलत तरीके का सलाद खाना वेट लॉस की आम गलतियों में से एक है। अधिकतर लोगों से यह वेट लॉस मिस्टेक होती है। यह सलाद ज्यादा कैलोरी देता है, जिससे फैट कम नहीं हो पाता।

वेट लॉस नहीं करता ये सलाद

सलाद बेहद हेल्दी फूड है। लेकिन अगर आप रेस्तरां या होटल में जाकर फैन्सी सलाद खा रहे हैं तो यह गलती है। इससे आपका वजन नहीं घटेगा और चमड़ी मोटी बनी रहेगी। इसकी जगह आपको हरी ताजी

सब्जियों का सादा सलाद खाना चाहिए, जैसा घर पर बनता है।

कैलोरी की बाढ़

फैन्सी सलाद में नट्स के साथ कई बार नाचोज, मायो और ऑयल ड्रेसिंग हो सकती है। जो लगभग 700 कैलोरी दे सकती है। वेट लॉस के लिए कैलोरी को कंट्रोल करना जरूरी होता है। अक्सर लोग पास्ता, पिज्जा जैसी क्रेविंग को कंट्रोल करने के लिए इसे खाते हैं, जो असल में ज्यादा कैलोरी दे रहा है।

पास्ता की कैलोरी ऐसे करें कम

क्रीम सॉस की जगह टमाटर बेस्ड पास्ता ऑर्डर करें

कम तेल और बटर डालने के लिए कहें

सब्जियां शामिल करने के लिए कहें

प्रोटीन की सुनिश्चिता करें

साथ में आने वाली गार्लिक ब्रेड ना खाएं।

पिज्जा को हेल्दी ऐसे बनाएं

थिन कर्स्ट वाला पिज्जा खाएं

ज्यादा सब्जियां और प्रोटीन डालने के लिए कहें

एक्स्ट्रा चीज़ वाला न खाएं

बेकन पेपरोनी जैसे हाई कैलोरी पिज्जा न खाएं

एक स्लाइस में 250 कैलोरी हो सकती है तो थोड़ा ही खाएं

ऊपर से ऑयल ड्रेसिंग वाला न खाएं।

बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए इन तरीकों से इस्तेमाल करें रीठा

बालों की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए हम अलग-अलग तरीके ट्राई करते हैं। कई बार हम मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करते हैं। लेकिन उनसे भी बालों की ग्रोथ नहीं बढ़ती। इसी वजह से ज्यादातर लड़कियां परेशान रहती हैं। इसकी वजह से बाल और ज्यादा झड़ने शुरू हो जाते हैं। कई बार ऐसा होता है कि, दोमुंहे बालों के कारण भी ग्रोथ कम होती है।

अगर आपके भी बालों की ग्रोथ अच्छे से नहीं हो रही है तो इसके लिए आप रीठा का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट जैसे तत्व पाए जाते हैं जिसकी मदद से बालों से जुड़ी समस्या खत्म होती है। चलिए आपको बताते हैं कैसे आप रीठा का इस्तेमाल अलग-अलग तरीके से कर सकती हैं।

रीठा से बनाएं शैंपू

रीठा से आप घर पर ही शैंपू बना सकती हैं। जिससे आप हफ्ते में 2-3 बालों को साफ कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको रात में गर्म पानी रीठा भिगो लेना है। इसका बाद इसकी गुठली निकालकर इसे साफ करें। फिर इसे अच्छे से मैश करें। इसके बाद इस मिश्रण को गीले बालों में लगाएं और मसाज करें। इसके बाद पानी से बालों को साफ कर लें। आपके बालों की समस्या कुछ ही महीनों में दूर हो जाएगी।

रीठा हेयर मास्क बनाएं

अगर आपके बाल कमजोर हो गए हैं, तो ऐसे में आप हेयर मास्क (बालों की ग्रोथ के लिए हेयर मास्क) को भी अपने बालों में लगा सकती हैं। इसके लिए रीठा के साथ आंवला और शिकाकाई मिलाएं। इसके बाद तीनों चीजों को गर्म पानी में पूरी रात छोड़ दें। आप चाहे तो मार्केट में मिलने वाले पाउडर का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। अब इसका पेस्ट तैयार करें। इसे अपने बालों में अप्लाई करें। इसे करीब 30 मिनट के लिए बालों में लगा रहने दें। फिर पानी से बालों को साफ कर लें।

बालों में लगाएं रीठा का तेल

बालों में तेल मालिश जरूर करनी चाहिए। इससे बालों के स्कैल्प मजबूत रहते हैं, साथ ही बालों की ग्रोथ भी काफी अच्छी हो जाती है। आप रीठा के तेल का इस्तेमाल (डैंड्रफ की समस्या के लिए करें रीठा का इस्तेमाल) बालों की ग्रोथ के लिए कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले रीठा और आंवला के टुकड़े को अच्छे से भुने। फिर इन्हें ठंडा कर लें और इसमें नारियल का तेल मिलाएं। अब आप रात के वक्त इस तेल का इस्तेमाल करें और बालों की चंपी करें। आपके बालों की ग्रोथ होनी दोबारा शुरू हो जाएगी।

रसोईघर में पनपने वाली फफूंद से बचना बहुत ज़रूरी

बोलचाल के 'फफूंद लगना' मुहावरे का अर्थ है किसी बात, मुद्दे या काम को ख़राब कर देना। खाद्य पदार्थों में लगी फफूंद भी उनको ख़राब कर देती है- न सिर्फ़ ख़राब, बल्कि इतना ज़हरीला बना देती है कि सेहत को गंभीर ख़तरा पैदा हो जाता है। रसोईघर में पनपने वाली फफूंद से बचना बहुत ज़रूरी है। लंबे समय तक रखे हुए खाद्य पदार्थों में अक्सर फफूंद लग जाती है। मसाले, सब्ज़ियां-फल, ब्रेड, पके हुए भोजन आदि पर आपने इन्हें देखा ही होगा। कई बार तो फ्रिज में रखने के बावजूद खाद्य पदार्थ फफूंद की चपेट में आ जाते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि भोजन में हवा के माध्यम से फफूंद के बीजाणु पहुंच जाते हैं। खाद्य पदार्थ जितना पुराना होगा और उसमें नमी का स्तर जितना ज़्यादा होगा, फफूंद जल्दी लगने की आशंका उतनी ही अधिक होगी। फफूंद दिखने में साधारण होती है, लेकिन इसकी कम मात्रा भी स्वास्थ्य को बड़ा नुक़सान पहुंचा सकती है।

फफूंद कितनी ख़तरनाक है?

फफूंद शरीर में जाने के बाद कई तरह की समस्याएं पैदा कर सकती है। यह ज़हरीले और घातक रसायन (मायकोटॉक्सिंस) उत्पन्न करती है। इसकी वजह से स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। शरीर के भीतर पहुंचकर फफूंद श्वसन तंत्र में दिक़्क़त पैदा कर सकती है। इससे सीने में जलन, खांसी व उल्टी हो सकती है। आंतों को भी नुक़सान पहुंच सकता है। फफूंदी लगे खाद्य पदार्थों के चलते फूड पॉइज़निंग हो सकती है, बुख़ार की चपेट में आ सकते हैं और कई मामलों में मौत भी हो सकती है। इसके सेवन से मूत्र मार्ग और गैस्ट्रो से संबंधित समस्याएं भी होती हैं।

रंग से पहचानिए

हरी फफूंद : ब्रेड, चीज़, नींबू, रोटी आदि पर हरे रंग की फफूंद नज़र आती है। काली फफूंद : भोजन पर हरापन लिए हुए काले रंग की दिखने वाली फफूंद स्टैचीबोट्रीज़ चार्टारम होती है जो ज़हरीली होती है। यह नम स्थानों पर मिट्टी व अनाज में पाई जाती है। प्याज़ में लगने वाली फफूंद एस्पर्जिलस नाइज़र होती है।

गुलाबी फफूंद : यह मांस, ब्रेड और दुग्ध उत्पादों पर होती है। सफ़ेद फफूंद : ये स्नो फंगस, स्नो ईयर, सिल्वर ईयर फंगस, व्हाइट जेली मशरूम और व्हाइट क्लाउड ईयर के नाम से जानी जाती है।

नीली फफूंद : पनीर, चीज़, ब्रेड या संतरे-नींबू पर देख सकते हैं।

पीली और नारंगी फफूंद : पीले रंग की फफूंद आंवला, नींबू पर लगी देखी होगी। लाल फफूंद : यह लगभग लाल रंग की दिखाई देती है, लेकिन इसका रंग एक-सा नहीं रहता। यह भी अन्य फफूंद के मुक़ाबले कम ख़तरनाक होती है, परंतु फिर भी इसके संपर्क में आने से बचना चाहिए।

सावधानी ही बचाव

जहां-जहां खाद्य पदार्थ रख रहे हैं वहां साफ़-सफ़ाई रखें। अगर फ्रिज में अधिक दिनों तक खाद्य पदार्थों को रख रहे हैं तो फ्रिज के अंदर का हिस्सा साफ़ रखें। अगर फ्रिज के अंदर का हिस्सा थोड़ा भी गंदा है तो फफूंदी लगने की आशंका बहुत बढ़ जाती है। इसके साथ यह भी ध्यान रखें कि फ्रिज में हमेशा ताज़ी सब्ज़ियां और फल ही रखें। ज़्यादा दिनों तक इनका इस्तेमाल न करें, इनका सेवन करके ख़त्म कर दें।

ऐसे खाद्य जिनको फ्रिज की आवश्यकता होती है उन्हें ज़्यादा देर तक बाहर न रखें। सामान्य तापमान में कई घंटों तक इन खाद्यों को बाहर रखेंगे तो फफूंदी जल्दी लग सकती है।

रसोई साफ़ करने वाला सामान जैसे तौलिया, स्पंज, बर्तन धोने का कपड़ा और पोंछा हमेशा साफ़ और सूखा रखें। फफूंद बढ़ने के लिए थोड़ी-सी गंदगी और नमी ही पर्याप्त है। मिक्सी के जार और अन्य हिस्सों में खाद्य न जमने दें।

यदि किसी खाद्य पदार्थ में पहले से ही फफूंद लग चुकी है तो उसे प्लास्टिक की थैली में डालकर कूड़ेदान में फेंक दें। उसे ज़्यादा देर तक घर में न रहने दें क्योंकि उन खाद्य पदार्थों में लगी फफूंद से अन्य खाद्य पदार्थों में भी फफूंद लग सकती है।

खाना परोसने के बाद हमेशा भोजन को ढककर रखें क्योंकि हवा में मौजूद बीजाणुओं के संपर्क में आने से फफूंद पनपती है।

बाज़ार से लाए फल व सब्ज़ियों को हमेशा प्लास्टिक की थैली में ही ढककर रखें। उन्हें बाहर रखने पर फफूंद लगने का डर बढ़ जाता है।

लंबे समय तक घर से बाहर जाएं और फ्रिज बंद करें तो उसे पूरी तरह ख़ाली करके साफ़ करें और सुखाएं। पुनः चालू करने से पहले भी उसे साफ़ करें।

ये ग़लती न करें

अगर आपके खाने में फफूंदी लगी है तो उसे प्रयोग में ना लाएं। कुछ लोग फफूंदी लगने पर सिर्फ़ प्रभावित हिस्से को काटकर अलग करके शेष का सेवन कर लेते हैं, परंतु उन्हें यह ध्यान रखना चाहिए कि फफूंदी लगने का मतलब है कि भोजन में वह पहले से ही जड़ जमा चुकी है, यानी वह पूरा ख़राब हो चुका है। यदि फफूंदी लगे भाग को हटाकर शेष हिस्सा खाते हैं तो भी उसका दुष्प्रभाव हो सकता है। फफूंदी वाले भोजन को बच्चों और पालतू जानवरों से भी दूर रखें।

इनमें जल्दी लगती है फफूंद

कुछ ऐसे खाद्य हैं जो फफूंद की चपेट में जल्दी आते हैं, जैसे ब्रेड, पनीर, चीज़, सूखे मेवे, मूंगफली, अचार, रोटी, मक्का; फल जैसे कि स्ट्रॉबेरी, अंगूर और रसभरी; सब्ज़ियां जैसे- टमाटर, मिर्च और खीरे आदि। अगर इनको ठंडी व सूखी जगह पर न रखा जाए तो फफूंद लग सकती है। आंवला और नींबू में जल्दी फफूंद लगती है। पिसे मसालों में जब नमी आ जाती है तो इनमें भी फफूंद पनपने लग जाती है। साबुत मसाले भी इससे सुरक्षित नहीं हैं।

कहती नहीं है पर हर लड़की को पसंद होती है लड़कों की ये बातें

रिलेशनशिप में कुछ ऐसी खास बातें होती हैं, जिन्हें लड़कियां अक्सर बताती नहीं हैं। ये वो छोटी-छोटी चीजें हैं जो उनके दिल को छू जाती हैं और रिश्ते को मजबूत बनाती हैं। आइए आपको बताते हैं क्या हैं वो बातें जो लड़कों को लड़कियां पसंद करती हैं।

रिश्तों में कुछ ऐसी खास बातें होती हैं, जिन्हें लड़कियां अक्सर जाहिर नहीं करती हैं, क्योंकि ज्यादातर लड़कियां अपनी पसंद को लेकर थोड़ी इंट्रोवर्ट होती हैं। न वो ये बताती हैं कि उन्हें किस बात का बुरा लगा है और न ही वो उन बातों को शेयर करती हैं। अब आप कहेंगे कि भला जब को कहेंगी नहीं तो हमें पता कैसे चलेगा, है ना! आपको अपनी गर्लफ्रेंड की दिल की बातों को जानने के लिए ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आज हम आपको लड़कों की 5 ऐसी बातों के बारे में बताने वाले हैं, जिन्हें कहती नहीं हैं पर हर लड़की पसंद करती है। तो फौरन जान लीजिए अपनी पार्टनर के दिल की ये बातें।

कई सारी तस्वीरें लेना

कई लड़कियां कभी खुद से नहीं कहती हैं कि लेकिन वो चाहती हैं कि आप उनके साथ कपल फोटो लें और रेंडम वीडियो बनाएं। उन्हें ऐसी चीजें बहुत पसंद आती हैं, इससे उन्हें ये महसूस होता है कि आप उन्हें कितना चाहते हैं। ये देखकर उन्हें और भी ज्यादा खुशी होती है।

डीप और लंब कन्वर्जेशन गहरी और लंबी बातचीत

हर लड़की को एक ऐसा साथी चाहिए जिससे वो खुलकर बातें कर सके। ऐसी बातचीत जो उनके विचारों, सपनों और फीलिंग्स को भी शामिल करे। जब आप अपनी पार्टनर के साथ किसी टॉपिक पर डीप कन्वर्जेशन करते हैं तो उन्हें कनेक्शन महसूस होता है और लड़की को लगता है कि आप उसे समझते हैं। इसलिए अगर आप किसी लड़की को पसंद करते हैं तो उनकी बातों को गौर से सुनिए, बीच में टोकें नहीं, उनके विचारों में दिलचस्पी दिखाएं। साथ ही उन्हें अपनी फीलिंग्स भी बताएं, इससे आप दोनों के बीच विश्वास

और समझ बढ़ेगी।

कडल करना

लड़कियों को टच से ही पता चल जाता है कि लड़के की फीलिंग क्या है। लेकिन लड़कियां ये बात कहती नहीं हैं पर उन्हें बहुत अच्छा लगता है जब कोई लड़का उनके बालों के साथ खेलता है और पीठ सहलाता है। इससे वो काफी रिलेक्स फील करती हैं ऐसे में जब वो थकी हों या परेशान हों, तो आप प्यार से उन्हें हग भी कर सकते हैं।

कमर से खींचकर किस करना

किस एक तरीका है अपने प्यार इजहार करने का, लेकिन किस आप किस तरीके से किस करते हैं ये भी बहुत मायने रखता है। लड़कियां तब स्पेशल फील करती हैं जब उनका पार्टनर उन्हें प्यार से कमर से पकड़कर अपनी ओर खींचता है और किस करता है। उन्हें ये काफी रोमांटिक लगता है। लेकिन ऐसा अचानक न करें। पहले उन्हें थोड़ा उन्हें कम्फर्ट में लाएं और फिर धीरे से कमर पकड़कर अपनी ओर लाएं और फिर धीरे से किस करें।

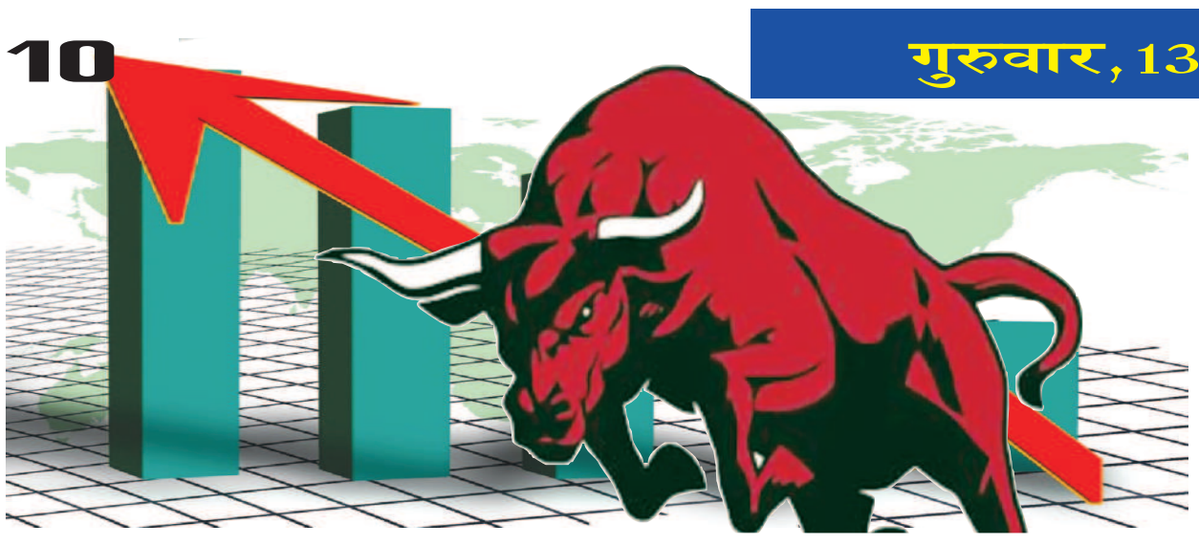

शेयर बाजार में हरे निशान पर क्लोजिंग

सेंसेक्स 150 अंक उछला, निफ्टी 23300 के पार पहुंचा

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत के बाद क्लोजिंग भी हरे निशान पर हुई। बुधवार को सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर बंद हुए। इससे पहले निफ्टी और मिडकैप इंडेक्स दिन के कारोबार में अपने नए हाई पर पहुंचे। हालांकि दिन का कारोबार समाप्त होने के बाद बाजार में मुनाफावसूली दिखी। आखिरकार सेंसेक्स 149.98 (0.19%) अंकों की बढ़त के साथ 76,606.57 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 58.11 (0.25%) अंक चढ़कर 23,322.95 के लेवल पर बंद हुआ।

चुनाव परिणामों के दिन की गिरावट से तेजी से उबरा बाजार

भारतीय शेयर बाजार बीते दिनों के चुनावी झटके से हाल के वर्षों में सबसे तेज गति से उबरा है। इस दौरान घरेलू निवेशकों ने पिछले सप्ताह में बाजार में आई करीब 400 अरब डॉलर की बिकवाली को खरीदारी के अवसर के रूप में इस्तेमाल किया।

पिछले एक दशक में बाजार में दिखी सबसे तेज रिकवरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाले एनडीए गठबंधन को अपेक्षा से कम सीटें आने के बाद चुनाव परिणामों के दिन 4 जून को बेंचमार्क एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स लगभग 6% तक गिर गया था। हालांकि, अगले तीन सत्रों में बाजार अपने नुकसान की भरपाइर करने में सफल रहा। यह पिछले दशक में 5% से अधिक की गिरावट के बाद बाजार की सबसे तेज रिकवरी रही।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे

निफ्टी 50 इंडेक्स में कोल इंडिया, पावर ग्रिड, एनटीपीसी और बीपीसीएल जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के शेयर टॉप गेनर्स रहे। वहीं, घरेलू बाजार आधारित स्मॉलकैप और मिडकैप इंडेक्स 1% की बढ़त के साथ बंद हुए।आईटी कंपनियों के शेयर भी बुधवार को 1.65% की बढ़त के साथ बंद हुए।

फेड की ओर से ब्याज दरों में कटौती की संभावना घटी

अमेरिक में मुद्रास्फीति में पिछले महीने कमी आने की उम्मीद थी, लेकिन उम्मीद से अधिक मजबूत नौकरियों के आंकड़े ने मुद्रास्फीति स्थिर रहने की आंशका बढ़ा दी है, जबकि विकास मजबूत बना हुआ है। सितंबर में फेड की ओर ओर से ब्याज दरों में कटौती की संभावना एक सप्ताह पहले के 78% से घटकर 56% हो गई है।

निवेशक अब संभावित दर में कटौती के समय पर संकेत के लिए नीति निर्माताओं के आगे की रणनीति और टिप्पणियों को करीब से नजर बनाए हुए हैं। एक शेयरों में टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस 5% की बढ़त के साथ बंद हुआ। कंपनी ने सिंगापुर में इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन सॉल्यूशंस (आईएससीएस) सेवा के लिए डेमलर ट्रक साउथ ईस्ट एशिया पीटीई के साथ नए पांच साल के रणनीतिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है।

जुलाई में आएगा पूर्ण बजट! सरकारी नौकरीपेशा और महिलाओं के लिए खुलेगा खजाना

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। मोदी 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट जुलाई के पहले या तीसरे सप्ताह में आ सकता है। पहले पूर्ण बजट में महिलाओं-किसानों और युवाओं के लिए सरकार खजाना खोल सकती है। युवाओं के लिए रोजगार बढ़ाने के नए उपाय बजट में दिखाई दे सकते हैं, तो महिलाओं को लखपति बनाने की भाजपा की योजना को आगे बढ़ाने के लिए सरकार भारी निवेश की घोषणा कर सकती है। केंद्र सरकार ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के इलाज के लिए बड़ी घोषणा भी कर सकती है। इसके लिए एक माह का सत्र बुलाया जा सकता है। चुनावी वर्ष होने के कारण फरवरी माह में सरकार ने अंतरिम बजट पेश किया था जिसमें किसी बड़ी घोषणा से दूरी बरती गई थी।

रोजगार के मोर्चे पर सबसे अहम प्रयास

केंद्र सरकार के लिए आने वाले वर्षों में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना सबसे बड़ी चुनौती रहने वाला है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार एक बार फिर सड़क परिवहन, बंदरगाह, रेल, विभिन्न शहरों में मेट्रो, मोनोरेल और हवाई अड्डों के विकास को अपनी प्राथमिकता में रख सकती है। स्टार्टअप और स्किल इंडिया के विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए विकास देना सरकार की प्राथमिकता रह सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, आयकर छूट की सीमा पहले ही काफी अधिक है, लिहाजा इसे और ज्यादा बढ़ने की संभावना नहीं है। लेकिन सरकारी नौकरी पेशा लोगों की बचत बढ़ाने के लिए जीवन बीमा निगम और शेयर बाजार सहित विभिन्न योजनाओं में निवेश के बाद उन्हें और ज्यादा टैक्स छूट का लाभ मिल सकता है।

ग्रीन बजट पर रहेगा जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के एक करोड़ घरों पर सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। इसके लिए केंद्रीय बजट में बड़े निवेश की घोषणा की जा सकती है। इससे सौर ऊर्जा सेक्टर में तेजी आ सकती है, तो लोगों को स्वच्छ हरित ऊर्जा प्राप्त करने में भी मदद मिल सकती है। इसी साल हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसका असर भी केंद्र सरकार के पूर्ण बजट पर दिखाई दे सकता है।

बड़े निवेश से अर्थव्यवस्था को मिलेगी तेज रफ्तार

आर्थिक मामलों के जानकार डॉ. नागेंद्र कुमार शर्मा ने अमर उजाला से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही गरीबों के लिए तीन करोड़ नए मकान बनाने की घोषणा कर दी है। पहले पूर्ण बजट में इस योजना के लिए भारी धनराशि जारी की जा सकती है। इस राशि के बाजार में आने से सीमेंट, स्टील, पेंट्स, ईंट, वाहन, फर्नीचर सहित लगभग 50 क्षेत्रों में तेजी आ सकती है। चूंकि, केंद्र सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण इलाकों में गरीबों को आवास उपलब्ध कराने की अधिक है, लिहाजा इस योजना का अधिकतम हिस्सा ग्रामीण इलाकों में जा सकता है। इससे ग्रामीण इलाकों में रोजगार के निर्माण में मदद मिलेगी। विशेषकर आदिवासी बहुल इलाकों में गरीबों को आवास देना सरकार की प्राथमिकता में रह सकता है।

लगातार सातवीं बार बजट पेश करके बनाएंगी रिकॉर्ड मोदी सरकार में लगातार तीसरी बार बनीं मंत्री

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। नवनिर्वाचित वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2025 के लिए जुलाई में पूर्ण बजट पेश करेंगी। यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत तीसरी सरकार की प्राथमिकता व विकसित भारत की दिशा तय करेगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने 1 फरवरी 2024 को लोकसभा में अंतरिम बजट पेश किया था। जुलाई में सीतारमण लगातार सातवां बजट और लगातार छठा पूर्ण बजट पेश करके एक रिकॉर्ड बनाएंगी।

निर्मला सीतारमण ने लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए वित्त मंत्रालय का कार्यभार बुधवार को संभाल लिया। नॉर्थ ब्लॉक स्थित कार्यालय में वित्त सचिव टीवी सोमनाथन और अन्य शीर्ष अधिकारियों ने सीतारमण का स्वागत किया। इस दौरान वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी मौजूद थे। चौधरी ने मंगलवार शाम को पदभार ग्रहण किया। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट अगले महीने नवगठित 18वीं लोकसभा में पेश किए जाने की संभावना है।

डीसीआईएल को श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह प्राधिकरण से मिला काम, होगा 2000 करोड़ से अधिक का भुगतान

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। ड्रेजिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीसीआईएल) को पश्चिम बंगाल में श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह प्राधिकरण से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का ऑर्डर मिला है। डीसीआईएल ने एक बयान में कहा कि यह ठेका हुगली मुहाना में तलकर्षण (ड्रेजिंग) के रखरखाव के लिए है, जो मुख्य रूप से हल्दिया डॉक की ओर जाने वाले शिपिंग चैनल में है। कंपनी ने कहा कि पांच साल के अनुबंध का मूल्य 2,015.88 करोड़ रुपये है।

हुगली ज्वारनदमुख समुद्री व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है। हल्दिया डॉक से जहाजों को सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराने के लिए इसकी गहराई बनाए रखना आवश्यक है। शिपिंग चैनल के जरिए जहाजों के आने-जाने की सुगमता करो बनाए रखने के लिए रखरखाव ड्रेजिंग महत्वपूर्ण है। इससे क्षेत्र में सुचारू और कुशल समुद्री संचालन की सुविधा मिलती है।

सोने-चांदी की कीमतों में इजाफा

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। भारतीय सर्राफा बाजार में आज, 12 जून, 2024 की सुबह सोने और चांदी की कीमतें बढ़ी हैं. सोना अब 71 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है तो वहीं, चांदी का भाव 88 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक है. राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 71600 रुपये है. जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 88257 रुपये है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, मंगलवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 71445 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो आज (बुधवार) सुबह महंगा होकर 71600 रुपये पहुंच गया है. इसी तरह शुद्धता के आधार पर सोना और चांदी महंगी हुई है।

कृषि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही ड्रोन की भूमिका

2025 तक 7000 से अधिक ड्रोन्स प्रयोग होंगे

मुंबई, 12 जून (एजेंसियां)। सरकार पिछले कुछ सालों से कृषि क्षेत्र में फसल के लिए जमीन की मापी, पोषक तत्व, उर्वरक और सिंचाई जैसी गतिविधियों के लिए ड्रोन को बढ़ावा दे रही है। इसलिए मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) की मांग में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

उद्योग के अनुमान के अनुसार वर्तमान में कृषि क्षेत्र में 3,000 से अधिक के ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2025 तक यह संख्या 7,000 से अधिक सकती है। जानकारों का कहना है कि इससे पानी, मिट्टी के पोषक तत्वों और फसल सुरक्षा फॉर्मूलेशन के सही इस्तेमाल से फसल की उत्पादकता को बढ़ाने में काफी सहायता होती है।

कृषि क्षेत्र में ड्रोन्स हैं मददगार

ड्रोन निर्माता कंपनी दक्षा अनमैंड सिस्टम्स के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025 के अंत तक सरकार के समर्थन से ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ सकता है। इसके इस्तेमाल से कृषि क्षेत्र में पानी का उपयोग 70 प्रतिशत तक कम हो सकता है। साथ ही ड्रोन्स उर्वरक के उपयोग में भी 20 से 30 प्रतिशत तक की कमी लाने में मदद करेंगे। उद्योग जगत का मानना है कि वर्तमान में कृषि क्षेत्र में 3,000 से अधिक के ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है, वित्त वर्ष 2025 तक यह संख्या 7,000 से अधिक हो सकती है। ड्रोन निर्माताओं के अनुसार फिलहाल ड्रोन्स की कीमतें 6 से 7 लाख रुपये के बीच हैं। नैनो यूरिया और डाय-अमोनियम फॉस्फट (डीएपी) को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख सहकारी संस्था इफको ने जुलाई 2023 में नैनो मिट्टी पोषक तत्वों का छिड़काव करने के लिए 2500 ड्रोन की खरीदारी करने की घोषणा की थी। सहकारी संस्था ने जानकारी देते हुए बताया था कि इन्हें ऑपरेट करने के लिए 5000 ग्रामीण उद्यमियों को प्रशिक्षण दी जा रही है।

कृषि के अलावे अन्य उद्योगों में भी ड्रोन्स का इस्तेमाल बढ़ेगा

ड्रोन उपकरणों को संचालित करने वाली और ड्रोन पायलट्स को प्रशिक्षण देने वाली कंपनी ड्रोन डेस्टिनेशन के प्रबंध निदेशक चिराग शर्मा भी इस नए उद्योग के भविष्य को लोकर आशान्वित हैं। वे बताते हैं कि अगले कुछ सालों में कृषि के साथ अन्य उद्योगों के परिचालन में भी ड्रोन्स का इस्तेमाल बढ़ेगा।

भारत नौकरियां देने के मामले में दुनिया में छठे स्थान पर

उत्तर भारत में सर्वाधिक 36 फीसदी नियुक्ति

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। भारत जुलाई-सितंबर, 2024 तिमाही में नौकरियां देने के परिदृश्य के मामले में दुनिया में छठे स्थान पर है। देश की 30 फीसदी कंपनियां अगले तीन महीने में अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ा सकती हैं। मैनपावरग्रुप की वैश्विक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक, भारत जुलाई-सिंतबर अवधि में नौकरी देने के वैश्विक औसत से आठ अंक ऊपर है। कोस्टारिका भर्तियों के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर है।

यहां 35 फीसदी कंपनियां अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ा सकती हैं। स्विट्जरलैंड 34 फीसदी के साथ दूसरे, ग्वाटेमाला 32 फीसदी के साथ तीसरे, मेक्सिको 32 फीसदी के साथ चौथे और दक्षिण अफ्रीका 31 फीसदी के साथ पांचवें स्थान पर है। यह सर्वे 42 देशों की 3,150 कंपनियों से भर्तियों की मिली जानकारी पर आधारित है।

आईटी क्षेत्र पर मंदी का असर

मैनपावरग्रुप के भारत-पश्चिम एशिया के प्रबंध निदेशक संदीप गुलाटी ने कहा, वैश्विक मंदी का असर भारत के आईटी क्षेत्र पर काफी समय से पड़ रहा है। हालांकि, रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेशकों की रुचि बढ़ी है। आवासीय क्षेत्र में 1.1 अरब डॉलर का पूंजी प्रवाह हुआ है।

उत्तर भारत में सर्वाधिक 36 फीसदी नियुक्ति

सर्वे के मुताबिक, उत्तर भारत में नियुक्ति की संभावना सबसे अधिक 36 फीसदी है। पश्चिम भारत में 31 फीसदी, दक्षिण में 30 फीसदी और पूर्व में 21 फीसदी कंपनियों ने भर्ती करने की इच्छा जताई है। आम धारणा के विपरीत करीब 68 फीसदी कंपनियां अगले दो साल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग को अपनाने के कारण कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रही हैं। इसका नेतृत्व संचार सेवा क्षेत्र, वित्तीय, रियल एस्टेट, उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र करेंगे।

पहली बार मत्स्य उत्पादन से आगे निकली जलीय कृषि, 13.09 करोड़ टन तक हुई पैदावार

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर पहली बार जलीय कृषि उत्पादन पारंपरिक मत्स्य पालन से आगे निकल गया है। शीर्ष 10 देशों जिनमें चीन, इंडोनेशिया, भारत, वियतनाम, बांग्लादेश, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, नॉर्वे, मिस्र और चिली शामिल हैं, इनका जलीय कृषि उत्पादन में लगभग 90 फीसदी योगदान है। जलीय कृषि का अर्थ मछली, मोलस्क, क्रस्टेशियंस और जलीय पौधों सहित जलीय जीवों की खेती से है।

खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की रिपोर्ट 'द स्टेट ऑफ वर्ल्ड फिशरीज एंड एक्वाकल्चर 2024' में कहा कि 2022 में जलीय कृषि उत्पादन 13.09 करोड़ टन तक पहुंच गया, जिसमें 9.44 करोड़ टन जलीय जीव थे जो कुल जलीय पशु उत्पादन का 51 फीसदी के बराबर है। जलीय कृषि उत्पादन में वृद्धि के कारण मोलस्क और क्रस्टेशियन की हिस्सेदारी में भी वृद्धि हुई है। साल 2022 में पकड़ी गई 75 प्रतिशत फिनफिश में से आधी समुद्री प्रजातियां थीं, जबकि 44 फीसदी मीठे या ताजे पानी की प्रजातियां थीं। समुद्री फिनफिश भी उत्पादित कुल जलीय जीवों का 38 फीसदी हिस्सा थीं और उसके बाद मीठे पानी की मछलियां 33 फीसदी थीं। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में मछलियों की खपत तेजी से बढ़ रही है। 1961 और 2016 के बीच 3.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है। जबकि इस दौरान जनसंख्या 1.6 फीसदी की रफ्तार से बढ़ी है। रिपोर्ट के अनुसार, 2015 में विश्व स्तर पर जानवरों से मिलने वाले प्रोटीन में मछलियों की हिस्सेदारी 17 फीसदी रही। हालांकि यह सभी देशों के लिए एक बराबर नहीं। दुनिया में इनकी प्रति व्यक्ति वार्षिक खपत 1961 में 9.1 किलोग्राम थी, जो 2022 तक बढ़कर 20.7 किलोग्राम हो गई।

दुनियाभर को भोजन उपलब्ध कराने में सक्षम

एफएओ के सहायक महानिदेशक मैनुअल बारंगे कहते हैं कि जलीय कृषि दुनिया भर में बढ़ती जनसंख्या को भोजन उपलब्ध कराने की क्षमता रखती है। यह पिछले पांच दशकों में दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली खाद्य उत्पादन प्रणाली रही है। जलीय कृषि उत्पादन को यूरोपीय ग्रीन डील द्वारा भोजन और चारे के लिए 'कम कार्बन' प्रोटीन के स्रोत के रूप में भी मान्यता दी गई है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर के एक तिहाई सागरों में जरूरत से ज्यादा मछलियां पकड़ी जा रही हैं और इसकी वजह मछलियों की रिकॉर्ड खपत है। सबसे ज्यादा खपत करने वाले देश चीन, म्यांमार, वियतनाम और जापान हैं।

दैनिक पंचांग

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-45 सूर्यास्त. - 18-47
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 21-33 तक उपरान्त अष्टमी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल, गुरुवार 13 June
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी 05-08 तक उपरान्त उत्तराफाल्गुनी
योग - वज्र 18-04 तक उप सिद्ध
करण- गर 06-33 तक उप वणिज
विशेष:- व्रत -त्योहार - भद्रा काल - 21-33 से

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	वृष--	03-55 बजे
चंद्र-	सिंह में	मिथुन..	05-57 बजे
मंगल	मेष में	कर्क...	08-08 बजे
बुध-	वृष में	सिंह...	10-21 बजे
गुरु-	वृष में	कन्या..	12-28 बजे
शुक्र-	मिथुन में	तुला....	14-33 बजे
शनि-	कुंभ में	वृश्चिक.	16-42 बजे
राहु-	मीन में	धनु.....	18-56 बजे
केतु-	कन्या में	मकर....	21-03 बजे
		कुंभ....	22-53 बजे
		मीन...	00-31 बजे
		मेष....	02-08 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:55 से 15:33 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05:45 - 07:21 शुभ	अमृत	18:47 - 20:12 शुभ
रोग.	07:21 - 08:59 अशुभ	चंचल	20:12 - 21:33 शुभ
उत्पात	08:59 - 10:38 अशुभ	रोग	21:33 - 22:55 अशुभ
चंचल	10:38 - 12:16 शुभ	काल	22:55 - 24:16 अशुभ
लाभ	12:16 - 13:55 शुभ	लाभ	24:16 - 01:38 शुभ
अमृत	13:55 - 15:33 शुभ	उत्पात	01:38 - 02:59 अशुभ
काल	15:33 - 17:11 अशुभ	शुभ।	02:59 - 04:21 शुभ
शुभ	17:11 - 18:47 शुभ	अमृत	04:21 - 05:45 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आप अन्दर से डरे हुए से हैं यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे हालांकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैंआपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे । दिन आंतरिक उर्जा के उफान से शुरू होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आपके किसी करीबी के जीवन में कुछ समस्याएँ चल रही हैं और आज आपको उनकी बात सहानुभूति से सुननी पड़ेंगी ऐसा हो सकता है की आप इस आदमी की बातों से निराश और बेचैन सा अनुभव करें ,लेकिन आपको बिना किसी आलोचना के इस आदमी की सहायता करनी चाहिए इससे आपके जीवन की बहुत महत्वपूर्ण दोस्ती या साझेदारी भी प्रभावित होगी

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें अगर आप थोड़ी सी समझदारी समझदारी से काम लेंगे तो समाधान जल्दी निकलेगा।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। थोड़ी से मेहनत और धीरज के साथ आपका दिन आज बहुत सफल सिद्ध हो सकता है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

दिन आपके लिए अच्छा रहेगा ,लेकिन ऐसा हो सकता है कि आप छोटी सी बात के बारे में सोच-सोचकर परेशान हों ऐसा सोचना प्राक्रतिक है ,लेकिन इससे आपकी घर और कार्यस्थल की शांति और कार्य की गति प्रभावित होगी यह समय बड़े लक्ष्यों को सोचकर छोटी-मोटी बातों को नजरंदाज कर देने का है

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

जेपी नड्डा की जगह कौन संभालेगा बीजेपी की कमान

सुनील बंसल, बीएल संतोष या तावड़े होंगे नए अध्यक्ष; कैसे होता है चुनाव

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अब मोदी कैबिनेट में स्वास्थ्य मंत्री हैं। बतौर अध्यक्ष उनका कार्यकाल इसी महीने खत्म हो रहा है। बीजेपी 'एक व्यक्ति एक पद' को मानती है इसलिए चर्चा तेज हो गई है कि अब बीजेपी का अगला अध्यक्ष कौन होगा?

बीजेपी अध्यक्ष पद के लिए किसका दावा सबसे मजबूत और इस पद के लिए कैसे होता है चुनाव

सवाल 1 : बीजेपी अध्यक्ष पद की रेस में कौन-कौन शामिल है और उनकी दावेदारी की क्या वजह है?

जवाब : बीजेपी अध्यक्ष पद की रेस में सुनील बंसल, विनोद तावड़े, बीएल संतोष, केशव प्रसाद मौर्य और अनुराग ठाकुर की चर्चा सबसे ज्यादा हो रही है

मजबूत दावेदारी की वजहः भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पूर्व प्रचारक हैं। अमित शाह के करीबी माने जाते हैं। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान बंसल ने देश भर के सभी कॉल सेंटरों को संभाला, फीडबैक जमा किया और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करने का काम किया। वह ओडिशा, बंगाल और तेलंगाना के प्रभारी भी हैं।

कमजोर कड़ीः राजस्थान से आते हैं और 2014 चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में प्रभारी थे। इनके नेतृत्व में बीजेपी ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया था। 2024 के चुनाव में राजस्थान और उत्तर प्रदेश दोनों ही राज्यों में बीजेपी को झटका लगा है।

राजस्थान में बीजेपी को 11 सीटों का, जबकि उत्तर प्रदेश में 29 सीटों का नुकसान हुआ है। ऐसे में संभव है कि राष्ट्रीय स्तर पर लाने के बजाय पार्टी इन्हें एक बार फिर इन्हीं दोनों में से किसी एक प्रदेश में संगठन को नए सिरे से मजबूत करने के लिए भेज दे।

मजबूत दावेदारी की वजह : इस समय राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) यानी बीजेपी में अध्यक्ष के बाद दूसरे सबसे ताकतवर पद पर हैं। 2008 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत दिलाने में इन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। कर्नाटक में आरएसएस के हार्डलाइनर प्रचारक रहे हैं। आरएसएस से जुड़े रहने का फायदा इन्हें मिल सकता है। बीबीसी की एक रिपोर्ट में पार्टी के एक अधिकारी ने बताया था कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के बूथ-स्तर के कार्यकर्ताओं की संख्या दो करोड़ से 11 करोड़ तक जा पहुंची। इसमें संगठन महासचिव बीएल संतोष की अहम भूमिका रही है। दक्षिण भारत के प्रभारी के तौर पर संबंधित राज्यों में बीजेपी को मजबूत करने की जिम्मेदारी भी इन पर रही है।

कमजोर कड़ीः कर्नाटक से आते हैं और वहां के सबसे बड़े नेताओं में से एक येदियुरप्पा से इनका टकराव है। कहा जाता है कि 2011 में जमीन विवाद में येदियुरप्पा फंसे तो उन्हें सीएम पद से इस्तीफा देने के लिए संतोष ने ही मजबूर किया था। दोनों में बढ़ते टकराव को देखकर पार्टी ने बीएल संतोष को संगठन में बुला लिया था। राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद हर किसी को साथ लेकर चलने वाला होता है। ऐसे में संभव है कि ये टकराव इनकी राह का रोड़ा बन जाए।

मजबूत दावेदारी की वजहः 1995 में इन्हें पहली बार बीजेपी की तरफ से महाराष्ट्र महासचिव बनाया गया। इनकी सांगठनिक क्षमता को देखते हुए 2002 में इन्हें दोबारा ये जिम्मेदारी दी गई। 2014 में महाराष्ट्र के बोरीवली विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर देवेंद्र फडणवीस की सरकार में शिक्षा मंत्री बने। तावड़े 12वीं और 13वीं लोकसभा चुनाव में बीजेपी की समन्वय समिति के प्रमुख सदस्य थे। इनके बारे में कहा जाता है कि ये कुशल प्रशासक के साथ-साथ कुशल संगठनकर्ता भी हैं। विनोद तावड़े हरियाणा के प्रभारी भी रह चुके हैं। इनके प्रभारी रहते ही हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर की सरकार बनी थी। पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस साल के अंत में महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव हैं। ऐसे में इन्हें भाजपा अध्यक्ष बनाने से प्रदेश में एक अच्छा संदेश जाएगा। लोकसभा चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन को देखते हुए यह फैसला विधानसभा चुनाव के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। कमजोर कड़ीः बिहार के प्रभारी हैं और वहां अगले साल ही विधानसभा चुनाव होना है। लोकसभा चुनाव में पार्टी की सीटें 17 से घटकर 12 रह गई हैं। तावड़े को नई जिम्मेदारी दिए जाने से नए प्रभारी को नए सिरे से यहां काम शुरू करना होगा।

यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य 5 दिन से दिल्ली में डटे हैं। इस बीच यूपी में सीएम योगी 2 बार कैबिनेट की बैठक कर चुके हैं, लेकिन इसमें मौर्य शामिल नहीं हुए। माना जा रहा है कि केशव मौर्य को केंद्र या प्रदेश में बड़ी जिम्मेदारी देने की तैयारी है, इसलिए उन्हें दिल्ली में रोका गया है। केशव से बीएल संतोष और जेपी नड्डा ने बातचीत भी की। बताया जाता है, केशव को पार्टी अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने पर भी विचार कर रही है।

इन 4 के अलावा ओम माथुर और देवेंद्र फडणवीस जैसे नेताओं की भी चर्चा हो रही है। हालांकि, बीजेपी अपने चौंकाने वाले फैसलों के लिए जानी जाती है। कोई बिल्कुल नया नाम भी सामने आ सकता है, जिसकी मीडिया में कोई चर्चा न हो।

सवाल 2 : बीजेपी अध्यक्ष का चुनाव कौन करता है और कैसे होता है?

जवाबः 18 फरवरी 2024 को दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर एक प्रस्ताव पास हुआ। इसके मुताबिक पद खाली होने पर पार्लियामेंट्री बोर्ड अध्यक्ष की नियुक्ति कर सकेगा। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी के संविधान की धारा-19 में अध्यक्ष के चुनाव के लिए नियम बनाए गए हैं। इसके मुताबिक राष्ट्रीय परिषद और प्रदेश परिषदों के सदस्य मिलकर राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करते हैं। अध्यक्ष पद का चुनाव पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के बनाए गए नियमों के मुताबिक ही होता है।

अध्यक्ष बनने के लिए जरूरी है कि चुनाव के लिए नामांकन दर्ज करने वाला व्यक्ति कम से कम 15 साल तक पार्टी का प्राथमिक सदस्य रहा हो। प्रदेश या राष्ट्रीय कार्यकारिणी के कम से कम 20 सदस्य अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए किसी व्यक्ति के नाम का प्रस्ताव पेश कर सकते हैं। इस प्रस्ताव पर कम से कम 5 प्रदेशों के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों की सहमति होनी जरूरी है। अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए प्रस्ताव पर उम्मीदवार के दस्तखत जरूरी हैं। भाजपा के संविधान के मुताबिक कम से कम 50% यानी आधे राज्यों में संगठन चुनाव के बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव किया जा सकता है। इस लिहाज से देश के 29 राज्यों में से 15 राज्यों में संगठन के चुनाव के बाद ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होता है।

सवाल 3: राष्ट्रीय परिषद और प्रदेश परिषदों के सदस्य कौन होते हैं और इनका चुनाव कैसे होता है?

जवाबः राष्ट्रीय परिषद में पार्टी के संसद सदस्यों में से 10 प्रतिशत सदस्य चुने जाते हैं। यदि संसद सदस्यों की कुल संख्या दस से कम हो तो सभी चुने जाएंगे। परिषद में पार्टी के सभी भूतपूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेशों के अध्यक्ष, लोकसभा, राज्यसभा में पार्टी के नेता, सभी प्रदेशों की विधानसभाओं और विधान परिषदों में पार्टी नेता सदस्य होंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से अधिक से अधिक 40 सदस्य नामांकित किए जा सकते हैं। राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सभी सदस्य भी इसमें शामिल होते हैं। विभिन्न मोर्चों और प्रकोष्ठों के अध्यक्ष और संयोजक भी सदस्य होते हैं। सभी को 100 रुपए सदस्यता शुल्क देना पड़ता है। राष्ट्रीय परिषद की तरह ही प्रदेश अध्यक्ष चुनाव से पहले प्रदेश परिषदों के सदस्य भी चुने जाते हैं।

अनुराग ठाकुर हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर सीट से 5वीं बार चुनाव जीते हैं

मोदी सरकार के मंत्रिमंडल से बाहर रखे जाने के बाद वे चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में भी ठाकुर को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का दावा किया जा रहा है।

मजबूत दावेदारी की वजहः 2008 में सक्रिय राजनीति में आने वाले अनुराग ठाकुर 2010 में भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष बने और 2016 तक पद पर बने रहे। मोदी 2.0 में ठाकुर वित्त, कॉर्पोरेट अफेयर, सूचना प्रसारण और खेल जैसे मंत्रालयों की जिम्मेदारी उठा चुके हैं। संगठन और सरकार दोनों का अनुभव होने की वजह से उन्हें इस पद का मजबूत दावेदार बताया जा रहा है।

कमजोर कड़ीः अगर अनुराग ठाकुर अध्यक्ष चुने जाते हैं, तो इसका मतलब होगा कि हिमाचल प्रदेश को सरकार और संगठन दोनों ही जगह दो शीर्ष पद दिए गए हैं। नड्डा और ठाकुर दोनों ही पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश से आते हैं। इसके अलावा ठाकुर को अध्यक्ष पद देने का मतलब होगा कि भाजपा ने दोबारा हिमाचल प्रदेश के नेता को ही पार्टी प्रमुख चुना है।

उपमुख्यमंत्री ने बलोदा बाजार की घटना को असामाजिक तत्वों की करतूत बताई

कार्रवाई का दिया आश्वासन

रायपुर, 12 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में सतनामी समाज के पवित्र प्रतीक जैतखाम को नुकसान पहुंचाए जाने के बाद हुए उपद्रव का राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने सोमवार देर रात जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस घटना में असामाजिक तत्वों का हाथ है, और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया।

प्रदर्शनकारियों ने कल जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित संयुक्त जिला कार्यालय में तोड़फोड़ एवं आगजनी की। घटना का जायजा लेने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा देर रात करीब डेढ़ बजे बलौदा बाजार कलेक्ट्रेट पहुंचे। उनके साथ खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल एवं राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा भी थे। उन्होंने कलेक्टर एव एसपी से घटना की विस्तृत जानकारी ली। साथ ही पूरे परिसर में हुई आगजनी, जिला पंचायत, कुटुंब न्यायालय एवं जनपद पंचायत कार्यालय सहित शहर का भी मुआयना कर नुकसान का जायजा लिया। शर्मा ने घटना पर गहरा दुःख प्रकट किया। उन्होंने अधिकारियों को दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारी संख्या में वाहनों को क्षति पहुंचाई गई है। साथ ही शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया है। रिकॉर्ड रूम में न जाने कितने दस्तावेज जल चुके हैं, बिल्डिंग को जला दिया गया है जो बड़ी मुश्किल से तैयार होते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी सम्पति को तबाह करने वाले इस समाज के नहीं हो सकते। पूरे प्रदेश में बाबा गुरु घासीदास को माना जाता है। वह श्वेत ध्वजवाहक हैं तथा शांति के प्रतीक हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले महीने अमर गुफा में जैतखाम को क्षति पहुंचाई गई थी। इस पर पुलिस की जांच से असंतुष्ट समाज के लोगों ने जांच की मांग की थी। सभी प्रकार की चर्चा के पश्चात मुख्यमंत्री

के निर्देश पर न्यायिक जांच की घोषणा की गई थी। इस पर समाज के लोगों ने संतुष्टि जाहिर कर मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए कार्यक्रम रखा था। इसी दौरान असामाजिक तत्वों ने भीड़ में घुसकर घटना को अंजाम दिया है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा, संजीव शुक्ला, कलेक्टर के.एल. चौहान, एसपी सदानंद कुमार सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और अन्य लोग भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि सोमवार को सतनामी समाज के लोग जैतखाम को क्षतिग्रस्त किए जाने की घटना के विरोध में प्रदर्शन करने सड़क पर उतरे थे। इसी दौरान कुछ लोग हिंसा पर उतर आये, वाहनों में आग लगा दी और कलेक्ट्रेट में तोड़फोड़ करने के साथ आगजनी की।

इरिकपाल हत्याकांड में अब तक 6 आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर, 12 जून (एजेंसियां)। जगदलपुर में जमीन विवाद को लेकर उपजे विवाद में इरिकपाल गांव के एक दर्जन से अधिक लोगों ने दो भाइयों की हत्या कर दी। घटना के बाद से गांव में तनाव की स्थिति बन गई थी, जिसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

बताया जा रहा है कि इरिकपाल में रहने वाले चंद्रशेखर और योगेश के द्वारा गांव में पांच एकड़ जमीन खरीदकर उसे अपने नाम करवाने के साथ ही वहां खेती किसानी कर रहे थे। लेकिन गांव के कुछ लोग उस जमीन को हथियाने के फिराक में थे, वर्षों से चले आ रहा विवाद कोर्ट तक भी जा पहुंचा था।

हिंसक प्रदर्शन के बाद राज्य सरकार का एक्शन

हटाए गए कलेक्टर और एसपी, अब इन्हें मिली जिम्मेदारी

रायपुर, 12 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में सतनामी समाज के आंदोलन के दौरान कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव किया गया था। इस दौरान उमड़े भीड़ ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में तोड़फोड़ आगजनी जैसे घटनाओं को अंजाम दिया था। इस पर अब राज्य शासन ने एक्शन लिया है। मंगलवार की देर रात राज्य सरकार ने आदेश जारी कर बलौदाबाजार जिले के कलेक्टर और एसपी को हटा दिया है। इनके जगह पर 2011 बीच के आईएएस दीपक सोनी को कलेक्टर के रूप में नियुक्त किया है। वहीं 2012 बैच के आईएएस विजय अग्रवाल को एसपी बनाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, 2009 बैच के आईएएस कुमार लाल चौहान कलेक्टर जिला बलौदाबाजार-भाटापारा को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यंत विशेष सचिव, मंत्रालय के पद पर पदस्थ किया गया है। वहीं 2011 बैच के आईएएस दीपक सोनी रजिस्ट्रार सहकारी संस्थाएं तथा अतिरिक्त प्रभार आयुक्त मनरेगा को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यंत कलेक्टर जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के पद पर पदस्थ किया गया है।

साथ ही गृह विभाग की ओर से बलौदाबाजार के एसपी सदानंद कुमार को उप पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय रायपुर के पद पर पदस्थ किया गया है। 2012 बैच के आईएएस विजय अग्रवाल एसपी अंबिकापुर को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यंत एसपी बलौदाबाजार-भाटापारा के पद पर पदस्थ किया गया है। साथ ही 2018 बैच आईएएस योगेश पटेल को अंबिकापुर के एसपी बनाया गया है।

पांच साल से नहीं मिली पेंशन

50 किमी का सफर तय कर पटनम पहुंचे बुजुर्ग, लगाई गुहार

बीजापुर, 12 जून (एजेंसियां)। बीजापुर के ग्राम पंचायत एड़ापल्ली के ईरपागुट्टा गांव के बुजुर्ग वेलादी बीरा और वेलादी हड़मा लड़खड़ाते हुए कदमों से हाथ में लकड़ी थामे दो दिनों से 50 किलोमीटर पैदल और ट्रैक्टर से सफर तय कर पेंशन कि गुहार लगाने ब्लाक मुख्यालय भोपालपटनम पहुचे हैं। उन्हें तकरीबन पांच साल से पेंशन नहीं मिली है। सरकार कि महत्वपूर्ण योजना वृद्धावस्था पेंशन से वो वंचित है बुजुर्ग ने बताया कि पिछले पांच साल से पेंशन के लिए सचिव से गुहार लगा रहा है लेकिन उसके खाते में पेंशन जमा नहीं हो रही है। अपनी समस्या बताते उन्होंने इससे पहले भी भोपालपटनम आकर पंचायत सचिव से मुलाक़ात कर चले गए सचिव द्वारा जल्द ही खाते में पेंशन आने की बात कहकर भेज देते हैं।

नेशनल पार्क एरिया के एडापल्ली, सेंड्रा, बड़ेकाकलेड इन ग्राम पंचायतों के सैकड़ो लोगों को कई सालों से पेंशन नही मिल रहा है, सेंड्रा में 22, बड़ेकाकलेड़ में 37 और एडापल्ली में 34 हितग्राही है। इन लोगो को कई सालों से पेंशन नही मिल रहा है, और कई हितग्राही ऐसे भी है जिनका नाम भी नही जुड़ा है, आपको बता दे कि ग्रामीण आँचल के लोग ज्यादा बोल और समझ नहीं पाते है और उन्हें जिस तरह से बोला जाये वहीं सुन भी लेते है बुजुर्ग हड़मा नें बताया कि उनका सहारा कोई नहीं है बच्चे उनकी जरुरत पूरी नहीं करते कभी किसी चीज कि जरुरत पड़ी तो बार- बार मांगकर सुनना पड़ता है। शक्कर, चायपत्ती, साबुन जैसी जरुरी चीजों कि जरुरत रहती है।लेकिन उसके लिए पैसे नहीं रहते है।

दो दिन में किया 50 किलोमीटर का सफर तय

ब्लाक मुख्यालय भोपालपटनम से तक़रीबन 50 किमी दूर ईरपागुट्टा के बुजुर्ग दो दिनो का सफर तय कर अपनी समस्या सुनाने यहां आए है। घर से निकलने के बाद उन्होंने एक रात कानलापर्ती गांव मे रूककर दूसरे दिन वहां से फिर निकल गए, कुछ दूर चलने जे बाद वे ट्रेक्टर मे बैठकर भोपालपटनम पहुचे है। उन्होंने बताया कि गांव मे वो अकेले नहीं है उनके साथ और भी ग्रामीण है जिन्हे पेंशन नहीं मिल रहा है।

60 माह से नहीं मिला पेंशन

बुजुर्ग हड़मा नें बताया कि उन्हें 5 साल से पेंशन नहीं मिल रहा है पासबुक देखे तो 2017 के बाद खाते मे लेनदेन कि इंट्री नहीं हुई है। पीड़ित पासबुक आधार कार्ड वोटर आईडी ओरिजल और फोटो कॉपी लेकर घूम रहे है। बुजुर्ग ग्रामीणों ने बताया कि सचिव से मिलने गए थे, उसने कहा है कि अब अगले साल पेंशन मिलेगा। वही दूसरी ओर ग्राम पंचायत एडापल्ली के सचिव गोटा समैया ने बताया कि उनके पंचायत में कुल 34 हितग्राही है। जिसमे समाजिक सुरक्षा पेंशन के 15, वृद्धावस्था के 01, विधवा पेंशन केव14 और सुखद सहारा पेंशन के 4 हितग्राही है। उन लोगो के खाते केवाईसी नही होने के वजह से दो सालों से पेंशन नही आ रहा है।वही डिप्टी कलेक्टर व प्रभारी जनपद पंचायत भोपालपटनम के सीईओ दिलीप उइके ने कहा है कि नेशनल पार्क एरिया के बड़ेकाकलेड, सेंड्रा व एडापल्ली पंचायतों के कई ग्रामीणों के पास आधार कार्ड नहीं हैं।

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव...नए सिरे से परिसीमन होगा

रायपुर, 12 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में दिसंबर तक नगर निगम के चुनाव हो सकते हैं। इससे पहले राज्य सरकार ने नए सिरे से वार्डों का परिसीमन करने के लिए कहा है। इसे लेकर नगरीय प्रशासन और विकास विभाग की ओर से सभी जिलों के कलेक्टर को आदेश जारी कर दिया गया है।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसव राजू एस. ने आदेश में कहा है कि, 2011 की जनगणना के बाद से जनसंख्या में वृद्धि हो चुकी है।

अमित शाह पर टिप्पणी के खिलाफ सुनवाई में शामिल नहीं हुए राहुल गांधी

रांची, 12 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की कोर्ट में अनुपस्थिति पर एमपी एमएलए की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई। लेकिन, इस दौरान राहुल गांधी कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। कोर्ट ने अब अगली तारीख निर्धारित की है।

अधिवक्ता विनोद साहू ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहाकि राहुल गांधी की टिप्पणी से अमित शाह की छवि को नुकसान पहुंचा है और यह टिप्पणी आपत्तिजनक थी। हालांकि कोर्ट को यह जानकारी नहीं मिल पाई कि राहुल गांधी को समन मिला है या नहीं। इस कारण, कोर्ट ने उपस्थिति के लिए अगली तारीख निर्धारित की है। विशेष कोर्ट ने राहुल

गांधी को उपस्थिति के लिए समन जारी किया है। जबकि उनकी निजी जानकारी के मुताबिक राहुल गांधी को इस बात की जानकारी है कि उन्हें कोर्ट ने हाजिर होने के लिए सम्मन जारी किया हुआ है। **मामले की पृष्ठभूमि :** यह मामला मार्च 2018 में कांग्रेस के महाधिवेशन के दौरान की गई एक टिप्पणी से संबंधित है। महाधिवेशन में राहुल गांधी ने कहा था कि भाजपा में कोई भी हत्यारा बन सकता है राष्ट्रीय अध्यक्ष। इस टिप्पणी को लेकर बीजेपी कार्यकर्ता नवीन झा ने राहुल गांधी के खिलाफ अवमानना का केस दायर किया था। साल 2018 में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह थे।

क्या है आरोप : राहुल गांधी पर आरोप लगाया गया है कि उनकी टिप्पणी ने अमित शाह की छवि को धूमिल किया है। इस आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर रांची और चाईबासा में भी केस दर्ज किया गया था। निष्कर्षः कोर्ट ने मामले की सुनवाई को आगे बढ़ाने के लिए अगली तारीख निर्धारित की है और राहुल गांधी को समन जारी किया है। कोर्ट इस मामले में उचित कार्रवाई करेगी और दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद निर्णय लेगी।

बोकारो के फुसरो में दिन-दहाड़े फायरिंग

मेनरोड के ज्ञान ज्वेलर्स में फायरिंग, दुकान से खोखा भी बरामद, बाइक में आए थे अपराधी

बोकारो, 12 जून (एजेंसियां)। बोकारो जिले के फुसरो में व्यापार करने वाले लोगों को डराने और रंगदारी वसूलने को लेकर अपराधी अब फायरिंग करने लगे हैं। एक माह में फायरिंग की दूसरी घटना घटी है। आज फुसरो मेन रोड स्थित मेघदूत मार्केट के ज्ञान ज्वेलरी को अपराधियों ने निशाना बनाया। यह घटना उस वक्त घटी जब फुसरो के सुभाष नगर निवासी ज्ञान वर्मा के बेटे ऋषभ वर्मा ने दुकान खोली ही थी।

बाइक से आए, फायरिंग कर भागे

बताया जाता है कि फुसरो के पुराना बीडीओ ऑफिस की ओर से आए बाइक सवार दो अपराधी मेन रोड पर रुके और बड़े आराम से दुकान को निशाना बना कर फायरिंग की। इसके बाद आराम से बैंक मोड की ओर आगे बढ़ गए। फायरिंग के बाद जांच के दौरान दुकान से पिस्टल का एक खोखा बरामद किया गया है। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी चन्द्रपुरा की तरफ निकल गए। बाइक सवार अपराधियों के चेहरे खुले थे। इधर, घटना के बाद बेरमो पुलिस अंचल निरीक्षक नवल किशोर सिंह व बेरमो थाना प्रभारी अशोक कुमार दल-बल के साथ पहुंचे।

घटना के बाद व्यवसायी नाराज

घटना को लेकर बाजार के व्यवसायी आक्रोशित हो गए। युवा व्यवसायी संघ फुसरो के अध्यक्ष वैभव चौरसिया ने कहा कि अब जब तक इस तरह की घटना पूरी तरह से रुक नहीं जाती, तब तक अनिश्चितकालीन बाजार बंद रखा जाएगा। बताया गया कि जिनके दुकान पर फायरिंग की गई उनके मोबाइल पर मैसेज भेज रंगदारी मांगी गई थी।

पहले भी हुई है फायरिंग

ऐसा नहीं है कि फायरिंग की यह पहली घटना है। इससे पहले 17 मई को भी बाजार के मेन रोड स्थित मोती अलंकार ज्वेलर्स पर इसी तरह बाइक सवार दो अपराधियों ने फायरिंग की थी। उससे पहले बीते साल 12 अक्टूबर को मोती अलंकार ज्वेलर्स के बगल में प्रसिद्ध हार्डवेयर प्रतिष्ठान मेसर्स नागरमल अग्रवाल के बाहर फायरिंग की गई थी। अभी इन दोनों प्रतिष्ठानों को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है। मोती अलंकार ज्वेलर्स पर फायरिंग की जिम्मेदारी धनबाद के कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान ने लेते हुए कहा था कि जो रंगदारी नहीं देगा, उसकी खोपड़ी खोल देंगे। वहीं मेसर्स नागरमल अग्रवाल के बाहर फायरिंग की चर्चा से पहले छोटे सरकार का शूटर मेजर के नाम से मोबाइल मैसेज आया था।

हमास चीफ सिनवार : फिलिस्तीनियों की मौत हमारे लिए जरूरी

कहा-इससे देश आजाद होगा, गाजा में सीजफायर से ज्यादा बमबारी से हमें फायदा

हमास, 12 जून (एजेंसियां)। हमास चीफ याह्या सिनवार ने कहा है कि जंग में गाजा के आम नागरिकों की मौत फिलिस्तीन की आजादी के लिए जरूरी है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, सिनवार ने हमास के लड़ाकों और सीजफायर के लिए बिचौलियों से संपर्क रखने वाले अधिकारियों से कहा है कि वे नहीं चाहते यह जंग रुके।

सिनवार का मानना है कि युद्ध में जितने ज्यादा आम नागरिकों की मौत होगी, हमास को उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, हमास के पॉलिटिकल लीडर इस्माइल हानिए के तीन बेटों और 4 पोतों की एयरस्ट्राइक में हुई मौत पर सिनवार ने कहा था, लोगों की इस कुर्बानी से फिलिस्तीन को नई जिंदगी मिलेगी। इससे देश विकास और सम्मान की तरफ आगे बढ़ेगा।

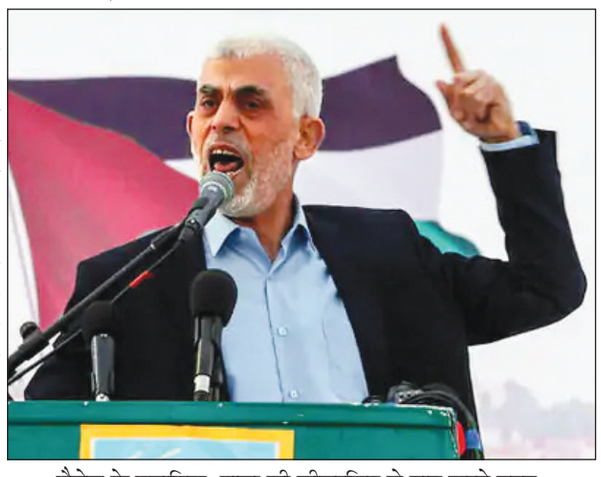

सिनवार बोला-हमास जंग लड़ने में सक्षम सीजफायर की चर्चा शर्मनाक

जंग शुरू होने के बाद सिनवार की तरफ अपने साथियों को भेजे गए संदेशों में उसने कहा है कि गाजा में बमबारी उनके मकसद के लिए सकारात्मक है। उन्हें सीजफायर से वह फायदा नहीं होगा, जो गाजा पर इजराइल के हमलों से होगा। जब तक हमास के लड़ाके जंग लड़ने में सक्षम हैं और हमास यह लड़ाई हारा नहीं है, तब तक सीजफायर से जुड़ी बैठकें करना शर्मनाक है। रिपोर्ट के मुताबिक, सिनवार ने पिछले हफ्ते अरब में मौजूद मीडिएटर्स ने कहा था कि हमास किसी भी कीमत पर परमानेंट सीजफायर की अपनी मांग से पीछे नहीं हटेगा। साथ ही वह हथियार सरेंडर करने के प्रस्ताव पर कभी राजी नहीं होगा।

सिनवार ने अल्जीरिया की आजादी की जंग से की फिलिस्तीनियों की मौत की तुलना

दरअसल, पिछले कुछ समय से हमास पर आरोप लगे हैं कि उसने जंग के 8 महीनों के दौरान जानबूझकर अपने लोगों को नुकसान पहुंचाया है। अब याह्या सिनवार के इन बयानों से ऐसे आरोपों को बल मिला है। सिनवार के एक मैसेज के मुताबिक, गाजा की लीडरशिप से बात करते वक्त सिनवार ने फिलिस्तीनियों की मौत की तुलना अल्जीरिया की आजादी की जंग से की थी। सिनवार ने कहा था कि यह देश के लिए जरूरी बलिदान है। 1954-1962 तक चले अल्जीरिया की आजादी की जंग में 15 लाख से ज्यादा अल्जीरियाई नागरिकों की मौत हुई थई। वहीं फ्रांस के आंकड़ों के मुताबिक, दोनों पक्षों के करीब 4 लाख लोगों ने अपनी जान गंवाई थी।

'फिलिस्तीनियों को ढाल बना रहा हमास, अब तक 15 हजार लड़ाकों की मौत'

गाजा पर बढ़ते हमलों के बीच इजराइल को लगातार अंतरराष्ट्रीय समुदाय की तरफ से आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। इजराइल पर आरोप लगे हैं कि वह हमास पर अटैक के बीच गाजा में आम नागरिकों के जीवन की रक्षा के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा है। साथ ही गाजा में मानवीय सहायता को भी पहुंचने नहीं दिया जा रहा है। वहीं इजराइल ने लगातार इन आरोपों से इनकार किया है। इजराइल ने हमास पर आरोप लगाया है कि वह जानबूझकर फिलिस्तीनियों को ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहा है, जिससे आम नागरिकों की मौत के आंकड़े बढ़ रहे हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इजराइल ने दावा किया है कि वह पिछले 8 महीने में 16 हजार हमास लड़कों को मार चुका है। पिछले साल 7 अक्टूबर को शुरू हुई इजराइल और हमास की जंग को 8 महीने से ज्यादा समय बीत चुका है। इस बीच गाजा में 37 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। वहीं 7 अक्टूबर को हमास के हमले में 1139 इजराइलियों ने जान गंवाई थी।

गाजा के शिविरों से निकलकर हमास का लीडर बना याह्या सिनवार

याह्या सिनवार, गाजा में हमास की सियासी विंग का लीडर है। वह इजराइल के मोस्ट वॉन्टेड लोगों में से एक है। याह्या सिनवार, इस्माइल हानिया के बाद हमास के दूसरे नंबर का नेता माना जाता है। 61 बरस के याह्या सिनवार को लोग अबु इब्राहिम के नाम से भी जानते हैं। उसका जन्म गाजा पट्टी के दक्षिणी इलाके में स्थित खान यूनिस के शरणार्थी शिविर में हुआ था। याह्या के मां-बाप अश्केलॉन के थे, लेकिन, जब 1948 में इसराइल की स्थापना की गई और हजारों फलस्तीनियों को उनके पुश्तैनी घरों से निकाल दिया गया, तो याह्या के माता-पिता भी शरणार्थी बन गए थे। फलस्तीनी उसे 'अल-नकबा' यानी तबाही का दिन कहते हैं।

बीबीसी के मुताबिक याह्या सिनवार को पहली बार इसराइल ने 1982 में गिरफ़्तार किया था। उस समय उसकी उम्र 19 साल थी। याह्या पर 'इस्लामी गतिविधियों' में शामिल होने का इल्जाम था। 1985 में उसे दोबारा गिरफ्तार किया गया। लगभग इसी दौरान, याह्या ने हमास के संस्थापक शेख अहमद यासीन का भरोसा जीत लिया। 1987 में हमास की स्थापना के दो साल बाद, याह्या ने इसके बेहद खतरनाक कहे जाने वाले अंदरूनी सुरक्षा संगठन, अल-मज्द की स्थापना की। तब सिनवार 25 साल का था।

शहबाज सरकार से बातचीत को तैयार इमरान

पीटीआई बोली-देश की भलाई में फैसला

लाहोर, 12 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई के चेयरमैन गौहर अली खान ने मंगलवार को कहा कि जेल में बंद इमरान सब कुछ भुलाने को तैयार हैं। पाकिस्तानी मीडिया 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के मुताबिक, गौहर अली खान ने यह सारी बात इमरान खान से मुलाकात के बाद कही है। उन्होंने कहा कि इमरान खान को शहबाज सरकार की तरफ से कोई भी डील ऑफर नहीं हुई है। इमरान ने बार-बार कहा है कि बातचीत होनी चाहिए। वह देश के खातिर सब कुछ माफ करने को तैयार हैं। उन्होंने बताया कि इमरान को उनके बेटे से मिलने की भी इजाजत नहीं दी गई। उन्हें कम से कम दो हफ्ते में एक बार अपने बच्चों से मिलने देना चाहिए। गौहर अली खान ने कहा कि इमरान खान को जेल से बाहर लाने के लिए कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले 9 जून को न्यूयॉर्क में हुए टी 20 विश्व कप में भारत बनाम पाकिस्तान मैच के दौरान स्टेडियम के ऊपर 'इमरान खान को रिहा करो' के बैनर के साथ एक एयरक्राफ्ट उड़ता देखा गया था।

इमरान खान 10 महीने से जेल में बंद

इमरान खान 10 महीनों से पाकिस्तान की जेल में बंद हैं। उन्हें सबसे पहले तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद इस साल फरवरी में पाकिस्तान में हुए चुनाव से कुछ दिन पहले ही खान को 3 मामलों में कुल 31 साल की सजा सुनाई गई। इनमें तोशाखाना से जुड़ा एक मामला और बुशरा के साथ गैरकानूनी निकाह का केस शामिल है। गौहर खान ने बताया कि इमरान ने उनसे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की चीन यात्रा के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि शरीफ के चीन जाने के बावजूद पाकिस्तान को कुछ हासिल नहीं हुआ। सरकार अपने खर्चों को पूरा करने में विफल रही है। गौहर ने कोर्ट से इमरान के मामले में जल्द सुनवाई करने की अपील की है।

फौज के साथ डील करके फिर से पीएम बन जाएंगे इमरान

इससे पहले पीटीआई के नेता फवाद चौधरी ने कहा था कि अगर इमरान फौज के साथ डील कर लें तो वे प्रधानमंत्री बन जाएंगे। ऐसे में पीएम शहबाज को अपने घर नहीं बल्कि उन लोगों से खतरा है, जो उन्हें सत्ता में वापस लाए हैं। दरअसल, करीब 1 महीने पहले मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इमरान और फौज के बीच बातचीत हुई है। दरअसल, इमरान और फौज के बीच समझौते की बातों को हवा तब मिली जब पीटीआई के नेता शहरयार अफ्रीदी ने जियो न्यूज से बातचीत में कहा था कि उनकी पार्टी जल्द ही आर्मी चीफ और आईएसएस प्रमुख से बातचीत करेगी। 28 अप्रैल को मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इमरान खान ने फौज के साथ समझौता करने के लिए हरी झंडी दे दी है।

विक्रमसिंघे बोले-साल के अंत में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव अहम

> देश की सफलता और विफलता तय करेंगे

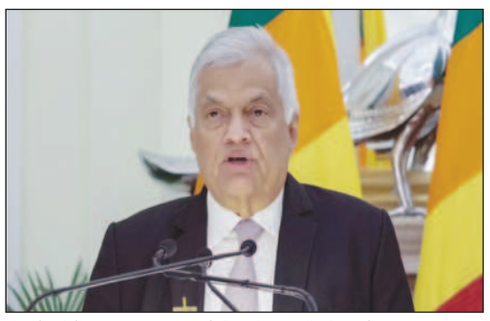

कोलंबो, 12 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघ ने कहा कि इस साल के अंत में होने वाले चुनाव व्यक्तिगत जीत या हार के बजाय द्वीप राष्ट्र की सफलता और विफलता तय करेंगे। पिछले महीने श्रीलंका के चुनाव आयोग ने कहा था कि राष्ट्रपति चुनाव 17 सितंब से 16 अक्तूबर के बीच होंगे। विक्रमसिंघे ने नीति सुधार पर एक चर्चा को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी चुनाव के नतीजे सिर्फ मेरी निजी जीत या हार नहीं होंगे, बल्कि यह तय करेंगे कि देश सफल होगा या विफल।

विक्रमसिंघे ने जुलाई 2022 के मध्य से अपदस्थ राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे का शेष कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। उन्होंने दोबारा चुनाव को लेकर अब तक कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग ने उनके हवाले से कहा, यह चुनाव केवल व्यक्तियों को चुनने के बारे में नहीं है। बल्कि, हमारे देश की प्रगति के लिए सबसे अहम प्रणाली (सिस्टम) चुनने के बारे में है। अगर हम मौजूदा विजन की खूबियों में भरोसा करते हैं, तो हमें उसी के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए। 'डेली मिरर' अखबार की खबर के मुताबिक, विक्रमसिंघे ने नकदी संट से जूझ रहे देश में दीर्घकालीन समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए मजबूत आर्थिक सुधारों को लागू करने के महत्व पर प्रकाश डाला। विक्रमसिंघे के नेतृत्व वाली सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) कार्यक्रम द्वारा तय सख्त आर्थिक सुधारों को लागू किया है। चर्चा के दौरान विक्रमसिंघे ने कहा कि लोग अगर संतुष्ट हैं तो वे सरकार के आर्थिक कार्यक्रम का समर्थन करें। अन्यथा उन्हें एक बर्बाद अर्थव्यवस्था वाले देश में रहने के नतीजों का सामना करना पड़ेगा। दवाओ और उर्वरक जैसी जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। ईंधन और गैस के लिए लंबी कतारों में लगना पड़ेगा।

सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के अंदर के मतभेद आए सामने

पीपीपी ने पीएमएलएन पर बजट न देने का लगाया आरोप

इस्लामाबाद, 12 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान में सियासी हलचल जारी है। यहां की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार में सब कुछ सही नहीं होने की जानकारी लगातार सामने आ रही थीं। अब यह साफ भी हो गया है। सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के भीतर मतभेद उभरकर सामने आ गए हैं। एक प्रमुख सहयोगी पीपीपी ने सत्तारूढ़ पीएमएल-एन पर वार्षिक बजट की तैयारी में उसके सुझावों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है। साथ ही, उसने सवाल उठाया है कि क्या शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार अब भी उसके समर्थन को महत्व देती है।

समिति की बैठक में आपत्ति जताई

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने संसद में वित्त वर्ष 2024-25 का बजट पेश करने से पहले पार्टी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई अपनी संसदीय समिति की बैठक में यह आपत्ति जताई। पीपीपी ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सरकार पर वार्षिक बजट तैयार करते समय पार्टी से कोई जानकारी नहीं लेने का आरोप लगाया और आश्चर्य जताया कि क्या वह अब भी सहयोगी का समर्थन चाहती है।

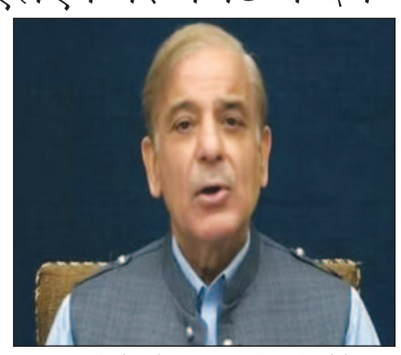

सांसदों के प्रति अपनाया गया रवैया समस्या पैदा कर रहा

नेशनल असेंबली की सदस्य और पीपीपी की सूचना सचिव शाजिया मैरी ने संसदीय निकाय की बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा कि सांसदों ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों की समस्याओं से नेतृत्व को अवगत कराया और विकास योजनाओं पर अपनी आपत्तियां व्यक्त कीं। उन्होंने पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली सरकार के व्यवहार पर पीपीपी की नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, 'संघीय सरकार द्वारा हमारे सांसदों के प्रति अपनाया गया रवैया हमारे सदस्यों के लिए समस्या पैदा कर रहा है, क्योंकि वे लोगों के प्रति जवाबदेह हैं।'

हमारी राय नहीं ली गई

उन्होंने कहा, 'बजट तैयार करने में हमारी पार्टी की राय नहीं ली गई। यहां तक कि संघीय पीएसडीपी (सार्वजनिक क्षेत्र विकास कार्यक्रम) में भी हमारी राय नहीं ली गई। हमने ऐसी स्थिति को रोकने की कोशिश की और पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों ने सरकार से संपर्क किया, लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। हमें उम्मीद नहीं थी कि हमारी आवाज नहीं सुनी जाएगी।' प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में सोमवार को राष्ट्रीय आर्थिक परिषद (एनईसी) की बैठक में संघीय पीएसडीपी को चालू वर्ष के 950 अरब रुपये की तुलना में 47 प्रतिशत से अधिक बढ़ाकर 1.4 ट्रिलियन रुपये करने को मंजूरी दी गई।

बाइडेन का बेटा हंटर गन केस में दोषी करार

> 25 साल की जेल हो सकती है, 120 दिन बाद होगा सजा का ऐलान

वॉशिंगटन, 12 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में 5 नवंबर को होने वाले चुनावों से पहले राष्ट्रपति जो बाइडेन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनके बेटे हंटर बाइडेन को गन केस में 7 दिन की सुनवाई के बाद दोषी करार दिया गया है। डेलावेयर की एक कोर्ट ने हंटर को दोषी ठहराया है।

यह पहली बार है, जब अमेरिका में किसी मौजूदा राष्ट्रपति की संतान को कोर्ट ने दोषी ठहराया है। हंटर पर आरोप है कि उन्होंने गन के लाइसेंस के लिए आवेदन के दौरान अपनी नशे की लत की जानकारी छिपाई थी। हंटर के दोषी पाए जाने के 120 दिनों के अंदर उनकी सजा का ऐलान हो सकता है। उन्हें 25 साल तक की जेल हो सकती है। 4 दिन पहले फ्रांस दौरे पर बाइडेन ने कहा था कि अगर गन ट्रायल में उनका बेटा दोषी पाया जाता है तो वे उसे कभी माफ नहीं करेंगे।

120 दिन में हो सकता है सजा का ऐलान

जिन 3 मामलों में हंटर को दोषी माना गया है, उनमें से 2 में 10-10 साल की जेल और तीसरे मामले में 5 साल की सजा का प्रावधान है। फेडरल गाइडलाइंस की सिफारिशों की मानें तो सजा को कम या ज्यादा रखना जज पर निर्भर करता है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, जिस व्यक्ति का कोई क्रिमिनल रिकॉर्ड न हो और उसने धोखे से खरीदे हथियार का इस्तेमाल किसी अपराध में न किया हो, उसे आमतौर पर कम सजा होती है। यह 15 से 21 महीने की हो सकती है। हर मामले में उन्हें 2 करोड़ रुपए जुर्माना भरना होगा। हंटर को सजा 120 दिन (4 महीने) के भीतर सुनाई जा सकती है। यानी हर स्थिति में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले हंटर की सजा पर फैसला हो जाएगा।

हंटर पर क्या आरोप लगे

हंटर बाइडेन पर आरोप है कि अक्टूबर 2018 में उन्होंने कोल्ट कोबरा हैंडगन खरीदते समय सही जानकारी छुपाई थी।

उस वक्त वे ड्रग्स के आदी थे और नशीली दवाओं का नियमित सेवन करते थे। उन्होंने बंदूक खरीदने के लिए डॉक्यूमेंट में गलत जानकारी दी थी। दरअसल, अमेरिकी कानून के मुताबिक मादक पदार्थ का सेवन करने वाला व्यक्ति अपने पास बंदूक या कोई जानलेवा हथियार नहीं रख सकता है।

हंटर की पूर्व प्रेमिका ने दी थी कोर्ट में गवाही

हंटर बाइडेन की पूर्व प्रेमिका हेली ने कोर्ट में बड़ा बयान दिया था। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक हेली ने कहा कि जब उसने हंटर की कार की तलाशी ली तो उसे वहां पर एक गन मिली थी, जिसे देखकर वह घबरा गई थी। हेली ने कोर्ट में यह भी कहा था कि उसने कई बार हंटर को ड्रग्स लेते हुए पकड़ा था।

हेली ने अदालत में कहा था कि हंटर की वजह से ही उन्हें भी ड्रग्स की लत लग गई थी। हेली ने अगस्त 2018 में ड्रग्स का इस्तेमाल करना बंद कर दिया। हंटर ने अपने मेमोयर (संस्मरण) 'ब्यूटीफुल थिंग्स' में खुलासा किया था कि भाई बीयू की मौत के बाद उन्हें कोकीन की लत लगी थी और बाद में उन्हें एक साल तक इस लत को छोड़ने के लिए इलाज कराना पड़ा था।

मस्क पर महिला कर्मचारियों से सेक्शुअल रिलेशन बनाने का आरोप

दावा-बच्चे पैदा करने को कहा, मना करने पर स्पेस-एक्स ने नहीं दी सैलरी

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। इलॉन मस्क पर स्पेस-एक्स में काम करने वाली महिला कर्मचारियों से सेक्शुअल रिलेशन बनाने का आरोप लगा है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्पेसएक्स और टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क ने महिला एम्प्लॉईज पर अपने बच्चे पैदा करने का दबाव भी डाला। इस मामले में तीन महिलाएं सामने आई हैं, जिनमें से दो ने दावा किया है कि इलॉन मस्क और उनके बीच यौन संबंध थे। एक महिला ने बताया कि मस्क ने उससे कई बार अपने बच्चे पैदा करने को लेकर बात की थी। इन महिलाओं में से एक स्पेस-एक्स में इंटर्न थी। महिलाओं ने बताया है कि जब उन्होंने मस्क से बच्चे करने को मना किया तो उन्हें सैलरी देने से मना कर दिया गया। इतना ही नहीं, जानबूझकर उनकी परफॉर्मेंस भी खराब की गई। उधर, इलॉन मस्क के वकीलों ने वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट को खारिज किया है। उनका कहना है कि यह रिपोर्ट फर्जी है और इसमें झूठे आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा स्पेस-एक्स की प्रेसिडेंट ग्वेने शॉटवेल ने भी आरोपों को गलत बताया है।

चीन से नतीजों के 8 दिन बाद मोदी को बधाई

पीएम कियांग बोले-मिलकर रिश्ते आगे बढ़ाने को तैयार, ताइवान की बधाई पर ऐतराज जताया था

बीजिंग, 12 जून (एजेंसियां)। भारत में लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के 8 दिन बाद चीन के चीन के स्टेट मीडिया शिनहुआ के मुताबिक, प्रधानमंत्री ली कियांग ने पीएम मोदी को बधाई दी है। चीनी पीएम ने कहा, चीन-भारत संबंधों का मजबूत और स्थिर विकास न केवल देशों की भलाई के लिए जरूरी है, बल्कि यह पूरे क्षेत्र और दुनिया में स्थिरता लाने का भी काम करता है।

ली कियांग ने आगे कहा, चीन भारत के साथ मिलकर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को सही दिशा में ले जाने के लिए तैयार है। यह दोनों देशों के नागरिकों के लिए भी सही फैसला होगा। इससे पहले चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने भी पीएम नरेंद्र मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी थी।

तिब्बत की 30 जगहों के नाम बदलेगा भारत

चीन का यह बयान तब आया है, जब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि नई सरकार बनने के बाद भारत जल्द ही तिब्बत की 30 जगहों के नाम बदलने वाला है। भारतीय सेना जल्द ही नए नामों के साथ एलएसी का नया मैप भी जारी करेगी। तिब्बत की जगहों के नाम काफी रिसर्च के बाद भारत के पुराने नामों के आधार पर रखे गए हैं। दरअसल, चीन कई बार अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर वहां की जगहों के नाम बदलता रहता है। इसी मामले में चीन को जवाब देने के लिए भारत ने यह फैसला किया है।

पीएम मोदी के बयान पर चीन ने कहा था-ताइवान से दूर रहे भारत

इससे पहले 6 जून को चीन ने ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग ते के मोदी को बधाई देने और उस पर पीएम के जवाब पर आपत्ति जताई थी।। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा था कि दुनिया में सिर्फ एक चीन है। ताइवान चीन का ही एक हिस्सा है। चीन ताइवान को अलग देश मानकर उससे रिश्ते रखने वाले देशों का विरोध करता है। उन्होंने कहा था कि दुनिया एक चीन के सिद्धांत को मानती है। इसी आधार पर वह दुनियाभर देशों के साथ संबंध बनाता है। भारत भी उन देशों में है जो वन चाइना पॉलिसी का समर्थन करता है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी को ताइवान के राष्ट्रपति की बधाई का विरोध करना चाहिए।

दरअसल, ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चिंग ते ने 5 जून को पीएम मोदी को लोकसभा चुनाव में जीत पर बधाई दी थी। इस पर मोदी ने अपने जवाब में लिखा था, 'भारत ताइवान के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए तैयार है।' मोदी के इस कमेंट से चीन भड़क गया था। चीन ने भारत को चेतावनी दी थी कि वह ताइवान से दूर रहे।

गलवान झड़प के बाद से भारत-चीन में तनाव बढ़ा

भारत-चीन के बीच 2020 में हुई गलवान झड़प के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। दरअसल, अप्रैल-मई 2020 में चीन ने ईस्टर्न लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों में एक्सरसाइज के बहाने सैनिकों को जमा किया था। इसके बाद कई जगह पर घुसपैठ की घटनाएं हुई थीं। भारत सरकार ने भी इस इलाके में चीन के बराबर संख्या में सैनिक तैनात कर दिए थे।

हालात इतने खराब हो गए कि 4 दशक से ज्यादा वक्त बाद एलएसी पर गोलियां चली थीं। इसी दौरान 15 जून को गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। गलवान झड़प में चीन के 38 सैनिक मारे जाने की बात कही गई थी।

यमन के समुद्र में नाव डूबी, 49 की मौत

140 लोग लापता, 71 को बचाया गया; इसमें 260 यात्री सवार थे

यमन, 12 जून (एजेंसियां)। यमन में अदन तट के पास शरणार्थियों से भरी एक नाव पलट गई, जिसमें सवार 49 लोगों की मौत हो गई और 140 से ज्यादा लोग लापता हो गए। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, नाव में 260 लोग सवार थे, इनमें से सबसे ज्यादा लोग इथियोपिया और सोमालिया के थे।

शरणार्थी ईस्ट अफ्रीका से यमन जा रहे थे। ये लोग ईस्ट अफ्रीका के सोमालिया से स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 3 बजे निकले थे, जो यमन से लगभग 600 किलोमीटर दूर है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया, जिसमें 71 लोगों को बचा लिया गया। इनमें से 8 लोगों की हालत गंभीर है। आईओएम ने 31 महिलाओं समेत 6 बच्चों के शव बरामद कर लिए हैं। आईओएम के अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल युद्ध-स्तर पर बचाव कार्य जारी है। आईओएम के अधिकारियों ने बताया कि नाव में 115 सोमाली और 145 इथियोपियाई नागरिक सवार थे। उन्होंने बताया कि आईओएम की टीम को सीमित संसाधनों के साथ रेस्क्यू करना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के मुताबिक, नाव सोमालिया के बोसासो से रविवार को रवाना हुई थी।

आज 12 जिलों में बारिश का अलर्ट, कल ओलावृष्टि होगी

जयपुर, 12 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में शुरू हुई प्री-मानसून की बारिश आज से तीन दिन जारी रहने की संभावना है। उदयपुर-कोटा संभाग के लिए मौसम विभाग ने 15 जून तक आंधी और ओलावृष्टि का भी अलर्ट जारी किया है। इसके दूसरी तरफ पूर्वी राजस्थान के भरतपुर और उत्तरी राजस्थान के बीकानेर संभाग (भरतपुर, धौलपुर, करौली, अलवर, गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू और बीकानेर) में बुधवार व गुरुवार को गर्मी तेज रहने और लू चलने की आशंका है।

मौसम केन्द्र जयपुर की ओर से बुधवार को उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, बारां, झालावाड़, कोटा, बूंदी, भीलवाड़ा, टोंक और राजसमंद जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी जारी की है। इन जिलों में आज सुबह से आसमान में बादल भी छाए है। दोपहर बाद यहां गरज-चमक के साथ हल्की बारिश भी हो सकती है।

उदयपुर में गर्मी से मिली राहत

इससे पहले मंगलवार को

उदयपुर, भीलवाड़ा, राजसमंद के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हुई। उदयपुर शहर और मावली जंक्शन पर तूफानी बारिश हुई। उदयपुर में मंगलवार का अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। चित्तौड़गढ़, उदयपुर, भीलवाड़ा समेत कई शहरों में मंगलवार को 1 इंच से ज्यादा बरसात हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक बांसवाड़ा के दानपुर में 30MM, जगपुरा में 22, कुशलगढ़ में 19, लुहारिया में 16, गढ़ी में 15, चित्तौड़गढ़ के राशमी में 25, बड़ी सादड़ी में 3, अजमेर के भिनाय में 5, उदयपुर के गिर्वा में 26, झाड़ोल में 23, मावली में 14, कानोड में 10, टोंक के मालपुरा में 2MM बारिश दर्ज हुई।मंगलवार को उदयपुर संभाग के जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हुई, लेकिन उत्तरी राजस्थान में गर्मी तेज रही। चूरू, गंगानगर में दिन का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया। सर्वाधिक गर्मी मंगलवार को चूरू में रही, जहां का अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

हनुमानगढ़, फतेहपुर, बीकानेर, बाड़मेर और पिलानी में भी मंगलवार को गर्मी तेज रही, इन शहरों में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। राजधानी जयपुर में दिन का तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। इन सभी शहरों में मंगलवार को दिन में तेज गर्म हवा भी चली।उदयपुर, सिरोही को छोड़कर लगभग सभी शहरों में मंगलवार को दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज हुआ। मौसम विशेषज्ञों की माने तो राजस्थान के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में अभी गर्मी का प्रभाव 2 दिन और रहने की संभावना है।

5 जून तक बारिश की संभावना

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर की ओर से 13, 14 और 15 जून का उदयपुर, कोटा संभाग के जिलों (उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, बारां, झालावाड़, कोटा, बूंदी, भीलवाड़ा) में गरज-चमक के साथ बारिश होने और कहीं-कहीं तेज हवाएं चलने के साथ ओले गिरने की भी चेतावनी जारी की है।

उदयपुर सांसद को जान से मारने की धमकी

कंगना रनौट की तरह गेम बजाने की बात लिखी; मन्नालाल बोले - ये सिरफिरे, गंभीरता से जांच हो

उदयपुर, 12 जून (एजेंसियां)। उदयपुर से बीजेपी सांसद मन्नालाल रावत को जान से मारने की धमकी मिली है। यूट्यूब पर उनके एक इंटरव्यू के वीडियो के कमेंट बॉक्स में लिखा है- इसका कंगना की तरह गेम बजाना पड़ेगा। मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय से उच्च स्तरीय कमेटी जांच में जुट गई है। इसको लेकर सांसद रावत ने एसपी को भी सूचना दी है।

कमेंट में धमकी सोशल मीडिया पर यूट्यूब अकाउंट @kunibhagoraofficial3246 से एक कमेंट के जरिए रावत को धमकी दी गई है। इसमें लिखा है- कंगना रनौट की तरह गेम बजाना पड़ेगा। सांसद बना कर गलती कर दी। यूजर ने लिखा है- बहुत जल्द ही उदयपुर में भी रगड़ा निकाल दिया जाएगा। तुम्हारी वाडिया (विसर्जन) उठने वाली है। यूट्यूब के इसी अकाउंट से सांसद मन्नालाल रावत को धमकी दी गई है। यूट्यूब के इसी अकाउंट से सांसद मन्नालाल रावत को धमकी दी गई है।

उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत ने कहा कि मंगलवार देर रात मुझे किसी कार्यकर्ता ने इस बात की जानकारी। बुधवार सुबह मुख्यमंत्री कार्यालय को इस मामले की जानकारी दी। सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे उदयपुर एसपी योगेश गोयल को पूरी जानकारी दी है। देश और राजस्थान में डबल इंजन की सरकार बनी है तो कुछ लोग बौखलाहट में ऐसा कर सकते हैं। इसके पीछे कुछ सिरफिरे हो सकते हैं। गंभीरता से इसकी जांच करनी होगी। इसमें धमकी देने वाले की आईडी सबके सामने है।

इससे पहले कैबिनेट मंत्री और झाड़ोल (उदयपुर) विधायक बाबूलाल खराड़ी को भी 2 बार जान से मारने की धमकी मिल चुकी है।

सीएम जनसुनवाई केंद्र के सामने ली भू-समाधि

भरतपुर, 12 जून (एजेंसियां)। भरतपुर में सीएम जनसुनवाई केंद्र के सामने अनुकंपा नियुक्ति की मांग को लेकर एक युवक ने भू-समाधि ली है। युवक के पिता सीआरपीएफ में तैनात थे। उनका 1999 में फील्ड ऑपरेशन के दौरान दिमागी बुखार से निधन हो गया था। इसी को लेकर युवक ने अनुकंपा नियुक्ति की मांग की। लेकिन सेना की भर्ती में उसे मेडिकल अनफिट पाया गया। इसके बाद सेना ने राजस्थान सरकार को पत्र लिखकर उसे एलडीसी की नौकरी देने की सिफारिश की। हालांकि लगातार तीन साल से कैबिनेट और राज्य मंत्रियों से आश्वासन मिलने के बाद युवक ने बुधवार की सुबह करीब साढ़े 9 बजे महाराजा सूरजमल की प्रतिमा के पास भू-समाधि ली है।

सरकारी स्कूलों के बच्चों को अमावस्या के दिन मिलेगा इनाम

मां-बाप के सामने दिए जाएंगे 20 रुपए, केवल तीन महीने होगा कार्यक्रम

बीकानेर, 12 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी स्कूलों के बच्चों को अब 20 रुपए का इनाम मिलेगा। रेगुलर अटेंडेंस और क्लास वर्क पूरा होने पर ये पुरुस्कार मिलेगा। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। साल के तीन महीनों अगस्त, अक्टूबर और दिसंबर में अमावस्या के दिन पुरस्कार दिया जाएगा। इसे समुदाय जागृति दिवस कार्यक्रम नाम दिया गया है। राज्य के सभी प्राइमरी, अपर प्राइमरी और सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विद्यालय विकास समिति की ओर से ये आयोजन किया जाएगा।

समुदाय जागृति दिवस पर होने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य पढ़ाई के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक करना है।

समुदाय जागृति दिवस पर होने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य पढ़ाई के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक करना है।

हर स्कूल को दिया बजट

इसके लिए शिक्षा विभाग ने बजट भी जारी कर दिया है। हर स्कूल में पांच स्टूडेंट्स को न्यूनतम 20 रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। ऐसे में हर कार्यक्रम में सौ रुपए के पुरस्कार दिए जाएंगे। कार्यक्रमों के लिए तीन-तीन सौ रुपए का बजट जारी किया गया है। प्रदेश के 69 हजार 401 स्कूलों को दो करोड़ 18 लाख 20 हजार तीन सौ रुपए का बजट आवंटित किया गया है।

अमावस्या को कार्यक्रम क्यों?

सरकारी स्कूल में अधिकांश श्रमिकों के बच्चे पढ़ते हैं। ऐसे में विभाग चाहता है कि पुरस्कार वितरण समारोह में ये श्रमिक भी उपस्थित रहें। उनके सामने ही बच्चों को पुरस्कार मिलेगा तो पढ़ने के प्रति स्टूडेंट्स की ललक जागेगी। अगर किसी दिन अमावस्या को सरकारी अवकाश है या फिर रविवार है तो कार्यक्रम अन्य किसी दिन किया जा सकता है।

स्कूल शिक्षा परिषद् ने स्कूलों में नियमित रूप से पीटीएम करने का आदेश दिया है। इस दौरान स्कूल में बाल विवाह, बालश्रम नहीं करने पर चर्चा होगी। महिला सशक्तिकरण, आपदा प्रबंधन, स्वच्छाता, शौचालय, पेयजल, मिड-डे मील, ठहराव व उपस्थिति, बालिका शिक्षा व जनसहयोग पर चर्चा की जाएगी।

पुरस्कार राशि बहुत कम

पुरस्कार देने के निर्णय का तो स्वागत हो रहा है, लेकिन पुरस्कार राशि बहुत कम बताई जा रही है। शिक्षक नेता रवि आचार्य ने कहा है कि सरकार को पुरस्कार राशि कम से कम एक बार में सौ रुपए रखनी चाहिए। महज बीस रुपए में एक सामान्य पेन के अलावा कुछ भी नहीं खरीद सकते।

बेटी की नौकरी की मन्नत मांगने गए थे वैष्णो देवी

भाई बोले - 7 घंटे तक मौत की खबर छुपाई, आतंकियों ने मेरे परिवार उजाड़ दिए

जयपुर, 12 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले ने जयपुर के चौमूं निवासी ओमप्रकाश सैनी से दो परिवार छीन लिए। एक तरफ बेटी पूजा और 2 साल के दोहिते की मौत हो गई तो दूसरी तरफ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले छोटे भाई और उसकी पत्नी को भी इस हमले ने छीन लिया।

ओमप्रकाश की बेटी पूजा 2 साल के बेटे लिवांश की लंबी उम्र तो छोटा भाई अपनी बेटी की सरकारी नौकरी की मन्नत मांगने वैष्णो देवी गया था। लाखों का लोन लेकर राजेंद्र ने कुछ समय पहले ही नया बिजनेस खोला था। वह अपने लिए नया मकान भी बनवा रहा था, लेकिन मुहूर्त से पहली पत्नी सहित मौत हो गई।

गमगीन माहौल में हम ओमप्रकाश सैनी से मिले तो इस सदमे के बारे में बताते ही बिलख पड़े। बोले- मेरा परिवार उजड़ गया, सुख-दुख का साथी छोटा भाई चला गया। बच्चों से 72 घंटे तक छिपाकर रखा मौत का सच

मंगलवार की सुबह चौमूं के वार्ड नंबर-5 की पांच्यावाली ढाणी स्थित राजेंद्र सैनी (मृतक) के घर दाखिल हुए। वहां बैठे राजेंद्र के बड़े भाई ओमप्रकाश सैनी ने बताया कि रविवार की रात करीब 9.15 बजे उन्हें अपनी बेटी-दोहिते, भाई राजेंद्र और उनकी पत्नी ममता की मौत की मनहूस खबर मिली तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। मैं बस यही दुआ कर रहा था किसी भी तरह वो सब जिंदा घर लौट आएं, मगर सच को कौन झुठला सकता है। कैसे भी करके उन्होंने इस गम को 72 घंटे तक बच्चों से छुपाकर रखा। ये सदमा बच्चे अचानक से झेल नहीं पाते। मैंने बस अपने आंसू पी लिए, मन ही मन रोता रहा। बस सभी को यही दिलासा देता रहा- सभी का इलाज चल रहा है।

घर के बरामदे में आतंकी हमले में जान गंवाने वाले राजेंद्र और ममता की बड़ी बेटी वर्षा, दोनों बेटे राहुल और लकी एक चारपाई पर लेटे हुए थे। तभी घर में राजेंद्र के साले दाखिल हुए तो वर्षा ने उनसे सवाल पूछना शुरू कर दिया- आप बताओ ना... पापा-मम्मी कब ठीक होकर आएंगे?

घर से सड़क पर आया परिवार

ओमप्रकाश ने बताया कि भाई राजेन्द्र ने दो साल पहले लोन लेकर मकान बना रहा था। उसका काम पूरा होने के बाद मुहूर्त करना था। उससे पहले ही राजेन्द्र सैनी और उसकी पत्नी ममता की मौत हो गई।

अब पीछे तीन जवान बच्चे रह गए हैं। मंगलवार दोपहर तक उन्हें यह भी मालूम नहीं था कि वे अनाथ हो चुके हैं। घर की दहलीज से पूरा परिवार एक झटके में सड़क पर आ गया है। ललित सैनी (राजेंद्र के साले) ने बताया- जीजा राजेन्द्र ने लोन लेकर सरकारी हॉस्पिटल के पीछे गणपति ट्रेडर्स के नाम से रेडीमेड कपड़ों की दुकान खोली थी।

पत्नी को कुल्हाड़ी से काटा बोला- ज्यादा मोबाइल देखती थी

सोते समय किए ताबड़तोड़ वार, बेटी बचाने आई तो उसे भी घायल किया

बाड़मेर, 12 जून (एजेंसियां)। पति ने सो रही पत्नी पर कुल्हाड़ी से अचानक हमला कर मर्डर कर दिया। मां की चीख सुनकर 17 साल की बेटी बीच-बचाव करने आई तो उस पर भी आरोपी ने वार किए। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां महिला को मृत घोषित कर दिया। घटना बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना थाना इलाके के आलमसरिया गांव की है। पुलिस के अनुसार आरोपी पत्नी के मोबाइल चलाने की आदत से परेशान था। दोनों के बीच झगड़े भी होते रहते थे। आरोपी को हिरासत में लिया गया है। पत्नी पर शक करता था आरोपी धोरीमन्ना थानाधिकारी माणकराम विश्नोई ने बताया कि जीयोदेवी (40), उसके बच्चे (3 बेटियां और 1 बेटा) और पति चुन्नीलाल (43) मंगलवार रात को घर के आंगन में सो रहे थे। अचानक रात को करीब ढाई बजे पति चुनीलाल पुत्र पांचाराम ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। आरोपी महिला पर शक करता था। उसका कहना है कि उसकी पत्नी ने अपनी आत्मा को मोबाइल से जोड़ लिया है। वह पत्नी के मोबाइल चलाने की आदत से भी परेशान था। इसके अलावा दोनों के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर झगड़ा होता रहता था। धोरीमन्ना हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में मृतका का शव रखवाया गया। पुलिस पीहर पक्ष का इंतजार कर रही है। धोरीमन्ना हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में मृतका का शव रखवाया गया। पुलिस पीहर पक्ष का इंतजार कर रही है।

धोरीमन्ना थानाधिकारी विश्नोई ने बताया कि मंगलवार रात को करीब 3 बजे सूचना मिली। इस पर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को हॉस्पिटल लेकर आये। वहां पर जीयो पत्नी चुनीलाल की मौत हो गई। घायल बेटी सुमित्रा के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पीहर पक्ष आने के बाद पोस्टमार्टम करवाकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। मारने की पीछे क्या वजह रही है कि इसकी जांच की जा रही है।

एसआई भर्ती 2021 का पेपरलीक करने वाला मास्टरमाइंड गिरफ्तार

जयपुर, 12 जून (एजेंसियां)। सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 के हिंदी व सामान्य ज्ञान के पेपर को लीक करने वाले मास्टरमाइंड को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी राजू मैट्रिक्स ने ही पौरव गैंग को पेपर की फोटो भेजी थी। इससे पहले शुक्रवार को 3 ट्रेनी एसआई सहित पेपर लीक करने वाले व पेपर सॉल्व करने वाले 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

पौरव कालेर गैंग ने 13 सितंबर 2021 को बीकानेर की रामसहाय आदर्श सेकेंडरी स्कूल से हिंदी व जीके का पेपर परीक्षा से पहले पेपर लीक किया था। गैंग ने पेपर को सॉल्व करवाकर 10-10 लाख में बेचा था।

पौरव कालेर की गिरफ्तारी के बाद से एसओजी उसकी गैंग के मेंबर्स को पकड़ रही है। तीन दिन पहले एसओजी ने एडिशन एसपी नविता खोखर को भी इस केस में गिरफ्तार किया था।

एडीजी वीके सिंह ने बताया कि राजू मैट्रिक्स स्कूल संचालक दिनेश सिंह चौहान का परिचित था। राजू ने संचालक को दोनों पेपर के 10 लाख रुपए दिए थे। राजू ने स्ट्रॉन्ग रूम से परीक्षा कक्ष तक पहुंचाने के दौरान ही पेपर को मोबाइल से फोटो लिए थे।

पेपरलीक का खुलासा तब हुआ था, जब 13 सितंबर को पाली स्थित भारतीय विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय रामनगर, पाली सेंटर में राजेश बेनीवाल के मोबाइल में हिंदी का सॉल्व पेपर पर्यवेक्षक पवन शर्मा ने देख लिया। पर्यवेक्षक की शिकायत पर राजेश की गिरफ्तारी हुई। फिर सेंटर के बाहर से उसके साथी नरेंद्र खीचड़ को भी गिरफ्तार किया गया। तब नरेंद्र खीचड़ ने अपने चाचा नरेश दान चारण से पेपर खरीदना बताया था। पाली पुलिस की सूचना पर बीकानेर पुलिस ने नरेशदान सहित 6 को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो राजू मैट्रिक्स का नाम सामने आया।

गेहूं के लिए पति-पत्नी में लड़ाई बच्चों के साथ किया सुसाइड

सास-ससुर के हिस्से से नाराज थी; झगड़े के बाद हौद में लेकर कूदी

बाड़मेर, 12 जून (एजेंसियां)। गेहूं के बंटवारे को लेकर पति-पत्नी के बीच झगड़ा हो गया। दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मां ने अपने 8 साल की बेटी और 5 साल के बेटे के साथ हौद में कूद सुसाइड कर लिया।

मामला मंगलवार शाम को नागाणा थाना क्षेत्र के सिंधियों की ढाणी का है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि मृतका रहमत (28) पत्नी शकूर खान खाद्य सुरक्षा स्कीम में मिले गेहूं का बंटवारा सास-ससुर के साथ होना था।इस बात से वह नाराज हो गई और अपनी बेटी मरियम (8) व बेटे यासीन (5) के साथ हौद में कूदकर जान दे दी। मामले के बाद मृतका के मां की रिपोर्ट पर पुलिस ने ससुराल वालों पर दहेज प्रताड़ना और हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहले बच्चों को हौद में डाला, फिर मां कूदी

बाड़मेर एएसपी जसाराम बोस ने बताया कि रहमत ने पहले अपने बेटे और फिर बेटी को हौद में डाला। इसके बाद खुद इसमें कूद गई।

उन्होंने बताया कि मृतका पहले भी पति और ससुराल वालों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया था। ढाई महीने पहले ही राजीनामा होने के बाद शकूर अपनी पत्नी और बच्चों के साथ अलग होकर रहने लगा।

मंगलवार शाम को जब तीनों घर पर नहीं दिखाई दिए तो इन्हें ढूंढना शुरू किया। घर से किलोमीटर दूर ही एक हौद बना हुआ है। जहां बाहर तीनों की चप्पल पड़ी थी। टॉर्च की रोशनी से जब हौद में देखा तो तीनों के शव तैर रहे थे। इस पर गांव वालों की मदद से तीनों को बाहर निकाला गया। यहां से हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने स्थानीय लोगों से जानकारी जुटाई। स्थानीय लोगों ने बताया कि मंगलवार को शकूर खाद्य सुरक्षा स्कीम में मिले गेहूं के दो कट्टे लेकर आया था।

इसमें एक कट्टा खुद के लिए था और एक मां-बाप के लिए।

सरिस्का में होने लगी थी बाघों की तस्करी

3 साल तक बिना बाघ के रहा टाइगर रिजर्व, 7 गांवों को खाली कराया था; अब 43 टाइगर

अलवर,12 जून (एजेंसियां)। टाइगर रिजर्व सरिस्का में टाइग्रेस ST-17 ने तीन शावकों को जन्म दिया है। अब सरिस्का में कुल 43 बाघ हो चुके हैं। साल 2005 में 19 साल पहले एक वक्त था जब सरिस्का बिना बाघों के हो गया था। करीब 3 साल बाद 2008 में बिना बाघ के रहने के बाद यहां रणथम्भौर से एसटी 1 लेकर आए थे। 3 साल बाघ विहीन रहने के पीछे के मामले की जब पड़ताल की गई तो सामने आया कि सरिस्का में इन बाघों के अंगों की तस्करी की जा रही थी। इसके बाद शिकारियों को गिरफ्तार किया गया था। वन्यजीव प्रेमी अनिल जैन के अनुसार, सरिस्का टाइगर रिजर्व 1978-79 में घोषित हुआ था। उस समय यहां बाघों की संख्या करीब 40 से 44 थी। धीरे-धीरे ये संख्या घटती गई। 2005 में यहां एक भी टाइगर नहीं बचा। इसके बाद सरिस्का में शिकार करने के आरोप में संसारचन्द्र नाम के शिकारी को गिरफ्तार किया गया।

जब उससे पूछताछ हुई तो पता चला कि इनके अंगों की तस्करी हुई और चीन व ताइवान तक टाइगर के अंग बेचे गए थे। इससे पहले जब मई 2004 में सरिस्का में टाइगर की गणना की गई तो 6 से 7 टाइगर बताए गए। लेकिन, ये भी अगले 5 से 6 महीने में खत्म हो गए थे।

पुलिस कमांडो के सिर से आर-पार हुई गोली

गंभीर हालत में जोधपुर रेफर; उपराष्ट्रपति के दौरे की सुरक्षा के लिए पहुंच रहे थे जैसलमेर

जैसलमेर,12 जून (एजेंसियां)। जैसलमेर में पुलिस की ईआरटी टीम के कमांडो के सिर में गोली लग गई। गोली सिर के आर-पार हो गई। जोधपुर से जैसलमेर आते समय रास्ते में जैसलमेर के पास यह घटना हुई है।

घायल कमांडो को गंभीर हालत में जवाहिर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे जोधपुर रेफर कर दिया गया।

घटना की सूचना के बाद एसपी सुधीर कुमार जवाहिर अस्पताल पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी जुटाई। इसके बाद घायल जवान दिनेश कुमार को लेकर जा रही एंबुलेंस के आगे-आगे खुद की गाड़ी से जोधपुर रवाना हो गए। घायल जवान दिनेश कुमार पुत्र माला राम सांचौर जिले का रहने वाले हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ 13 जून को 2 दिवसीय जैसलमेर दौरे पर आ रहे हैं। उपराष्ट्रपति के दौरे को लेकर ही यहां सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करने जवान पहुंच रहे थे।

छुट्टियों के बाद बुधवार को फिर से शुरू स्कूल

सरकारी स्कूल में पढ़कर मैं जिला कलेक्टर बन गया- शशांक

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला प्रजा परिषद की अध्यक्ष अनीता हरनाथ रेड्डी बुधवार को रंगारेड्डी जिले के फारूक नगर मंडल के मोगलीगिड्डा गांव में पब्लिक स्कूलों के फिर से शुरू होने के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थीं। जिला प्रजा परिषद की अध्यक्ष अनिता हरनाथ रेड्डी, जिला कलेक्टर शशांक और शादनगर विधायक वीरलापल्ली शंकर ने ज्योति जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार सभी स्कूलों को उत्सवी माहौल में खोलने के इरादे से 12 जून को बड़ी संख्या में अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के साथ री-ओपनिंग कार्यक्रम शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि मोगिलीगिड्डा जिला परिषद हाई स्कूल की स्थापना 150 साल पहले हुई थी और बुर्गुला रामकृष्ण राव और हरगोपाल जैसे महान नेताओं ने इस स्कूल में पढ़ाई की थी। उन्होंने कहा कि मैं भी सरकारी स्कूल में पढ़ा हूं। उन्होंने कहा कि जिले के 1308 सरकारी स्कूलों के फिर से खुलने के पहले दिन छात्रों को पाठ्यपुस्तकों और नोटबुक के साथ-साथ वर्दी कपड़े भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की स्कूल यूनिफॉर्म सिलने की जिम्मेदारी स्व-सहायता महिला समूहों को दी गई है। कलेक्टर ने महिला संघ के सदस्यों, पीडी डीआरडीए और समय पर यूनिफार्म उपलब्ध कराने में मदद करने वाले दर्जियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पहले छात्रों को पाठ्य पुस्तकें, यूनिफॉर्म और नोट बुक उपलब्ध कराने में कुछ समय लग जाता था, लेकिन सरकार की मदद से वे पहली बार छात्रों को पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म और नोट बुक सौंपकर खुश हैं। स्कूल खुलने का दिन. अभिभावकों को अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सभी बुनियादी सुविधाओं वाले सरकारी स्कूलों में दाखिला दिलाने की पहल करनी चाहिए। कलेक्टर ने बताया कि बुनियादी ढांचे में सुधार के उपायों के तहत, जिले के सभी सरकारी स्कूलों में शौचालय और ताजे पानी के आवास का निर्माण अम्मा आदर्श स्कूल समितियों के तत्वावधान में चल रहा है। उन्होंने कहा कि कई लोग जो आज भी बड़े पदों पर हैं, उन्होंने सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की और इस स्तर तक पहुंचे. उन्होंने पब्लिक स्कूल की शिक्षा के बारे में बहुत कुछ समझाया कि केवल शिक्षा ही किसी व्यक्ति के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है और वह भी पब्लिक स्कूल में पढ़कर इस स्तर तक पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों को सरकार की ओर से हर तरह की सुविधा उपलब्ध कराकर बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि माता-पिता हम पर भरोसा करते हैं और अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजते हैं, हम बच्चों की देखभाल करने और उन्हें शिक्षित करने का प्रयास करेंगे, और इस प्रयास में आप सभी को सहयोग करना चाहिए, यदि सभी माता-पिता और शिक्षक मिलकर मेहनत करेंगे तो सफलता मिलेगी। बच्चों की जिंदगी बेहतर बनाने का मौका है। उन्होंने कहा कि लाखों रुपये खर्च करने के बाद आप निजी कॉरपोरेट स्कूलों की तुलना में सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि 10वीं कक्षा में 50 छात्रों ने 10/10 ग्रेड प्वाइंट हासिल किए हैं और यह सफलता शिक्षकों और अभिभावकों के सहयोग और छात्रों के प्रयासों से संभव हो सकी है। उन्होंने कहा कि जिले के 25 विद्यालय शत-प्रतिशत उत्तीर्ण हुए हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल सरकारी स्कूल में ही संभव है। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारी, जन प्रतिनिधि, शिक्षक और अभिभावक सभी मिलकर जिम्मेदारी से काम करेंगे तो छात्र सुनहरे रास्ते प्रशस्त कर सकेंगे।

शिक्षक भर्ती पर अपने वादे से हट रही है सरकार : हरीश राव

चुनावी वादा निभाने के लिए 25,000 शिक्षक पद भरें

सिद्दीपेट, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार 11,000 शिक्षक पदों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी करने की घोषणा करके 25,000 शिक्षक पदों को भरने के अपने वादे से पीछे हट रही है।

बुधवार को सिद्दीपेट के मल्टीपर्पज बॉयज़ स्कूल में छात्रों को वर्दी और किताबें वितरित करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए, राव ने मांग की कि सरकार वादे के अनुसार 25,000 रिक्तियों को भरने के लिए एक अधिसूचना जारी करे। उन्होंने सरकार से बरसात के मौसम को देखते हुए विद्यार्थियों को असुविधा से बचाने के लिए विद्या भरोसा के तहत धनराशि देकर स्कूलों में छोटे-मोटे मरम्मत कार्य कराने की मांग की है।

कांग्रेस द्वारा किए गए चुनावी वादों का हवाला देते हुए, राव ने राज्य सरकार से सभी स्कूलों में स्वच्छता कर्मचारियों की नियुक्ति के अलावा मुफ्त बिजली आपूर्ति प्रदान करने को कहा। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से इस संबंध में तुरंत एक जीओ जारी करने का आग्रह किया। राव ने सरकार से "मन ऊरु मन बड़ी" कार्यक्रम को जारी रखने के लिए कहा, जिसे पिछली बीआरएस सरकार ने स्कूलों को नया रूप देने के लिए शुरू किया था। पूर्व मंत्री ने अभिभावकों से भी अपील की कि वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखिला दिलाएं क्योंकि वे सभी सुविधाओं से सुसज्जित हैं। सरकारी स्कूलों में कॉर्पोरेट स्कूलों के बराबर डिजिटल शिक्षण, कंप्यूटर लैब, अंग्रेजी माध्यम, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशाला और कई अन्य सुविधाएं थीं।

70 वर्ष से अधिक उम्र वालों को मिलेगी अतिरिक्त पेंशन

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। 30 दिसंबर, 2020 को प्रस्तुत वेतन संशोधन आयोग की रिपोर्ट में की गई सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार के पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए उनकी उम्र के आधार पर अतिरिक्त मात्रा में पेंशन स्वीकृत की गई है। 70 वर्ष से 75 वर्ष तक मूल पेंशन का 15 प्रतिशत, 75 वर्ष से 80 वर्ष से कम तक मूल पेंशन का 20 प्रतिशत, 80 वर्ष से 85 वर्ष से कम तक मूल पेंशन का 30 प्रतिशत की वृद्धि होगी। 85 वर्ष से 90 वर्ष से कम तक यह मूल पेंशन का 40 प्रतिशत, 90 वर्ष से 95 वर्ष से कम तक मूल पेंशन का 50 प्रतिशत, 95 वर्ष से 100 वर्ष से कम तक मूल पेंशन का 60 प्रतिशत और 100 वर्ष तक होगा। 100 वर्ष और उससे अधिक आयु वालों के लिए मूल पेंशन का 100 प्रतिशत। पेंशन की अतिरिक्त मात्रा की गणना 1 जुलाई, 2018 से संशोधित मूल पेंशन या संशोधित समेकित मूल पारिवारिक पेंशन पर की जानी है और मौद्रिक लाभ 4 अप्रैल, 2020 से प्रभावी होंगे। पेंशन की अतिरिक्त मात्रा की राशि पेंशन भुगतान आदेश में स्पष्ट रूप से दिखाया जाना चाहिए।

तेलंगाना में आवासीय छत सौर परियोजनाओं को निष्पादित करेगा विद्युत निगम

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एनटीपीसी लिमिटेड की एक शाखा, एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम (एनवीवीएन), राज्य में 'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' के तहत ग्रिड से जुड़े आवासीय छत सौर परियोजनाओं को क्रियान्वित करेगी।

एनवीवीएन ने चैनल भागीदारों को शामिल करने के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं, जो छत पर सौर परियोजनाओं की स्थापना को पूरा करने के लिए इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) विक्रेताओं के साथ-साथ डिस्कॉम के साथ इंटरफेस कर सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार, परियोजनाएं तेलंगाना की उत्तरी विद्युत वितरण कंपनी (टीजीएनपीडीसीएल) और तेलंगाना की दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी (टीजीएसपीडीसीएल) के अंतर्गत आने वाले तीन स्थानों पर लागू की जाएंगी। एसपीडीसीएल और एनपीडीसीएल के तहत शुरू की जाने वाली परियोजनाओं के लिए दो-दो चैनल साझेदारों का चयन किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि ये चैनल पार्टनर एग्रीगेटर के रूप में कार्य करेंगे और सौर परियोजना स्थापना को पूरा करने के लिए कई ईपीसी विक्रेताओं के साथ सहयोग करेंगे। उपभोक्ताओं को केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए, आवासीय छत सौर ऊर्जा को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए केंद्र द्वारा पीएम सूर्य घर योजना शुरू की गई थी। कार्यक्रम का लक्ष्य 31 मार्च, 2027 तक 10 मिलियन परिवारों को कवर करना है। इस बीच, एनवीवीएन ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और तेलंगाना में अन्य सरकारी सुविधाओं के तहत विभिन्न इमारतों की छतों पर स्थापित की जाने वाली 1.562 मेगावाट की ग्रिड-कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा परियोजना के कार्यान्वयन के लिए ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित की हैं।

जीओ 317 पर कैबिनेट उप-समिति ने महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सार्वजनिक रोजगार से संबंधित जीओ 317 पर कैबिनेट उप-समिति ने बुधवार को अपनी बैठक की और जीओ से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। यह बैठक सचिवालय में स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा की अगुवाई में हुई और महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की गई। बैठक में परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

उपसमिति ने निर्णय लिया कि 14 से 30 जून तक आवेदन करने वाले कर्मचारियों को अवसर दिया जाए। स्थानीय स्थिति के अनुसार आवेदन दिए गए हैं और केंद्र सरकार के कर्मचारियों की पत्नी/पति को भी विकल्प दिए गए हैं। एक से अधिक आवेदन करने की अनुमति दी गई है और ऑनलाइन आवेदन करने वाले कर्मचारियों को रसीद दी जाएगी। बैठक में बताया गया कि अब तक वेबसाइट के माध्यम से 12,011 आवेदन प्राप्त हुए हैं और इन आवेदनों का पुनः सत्यापन किया गया है।अधिकारियों ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया के बाद कर्मचारियों के मोबाइल फोन पर आवेदन की स्थिति भेजी जाएगी।

सतर्क पीड़ित को वापस मिले पैसे

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एक 74 वर्षीय सेवानिवृत्त पुरुष को फेडएक्स से एक कॉल आया जिसमें एक पार्सल के बारे में बताया गया जिसमें पांच पासपोर्ट, तीन बैंक कार्ड, 140 ग्राम एमडीएमए, चार किलोग्राम कपड़े और एक लैपटॉप था। पीड़ित ने मुंबई क्राइम ब्रांच से संपर्क किया, जिसने पीड़ित के बैंक खातों को सत्यापित करने का अनुरोध किया। इसके बाद, पीड़ित ने सत्यापन के लिए पैसे ट्रांसफर किए। उसके बाद, पीड़ित ने आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया। एक प्राथमिकी दर्ज की गई और जांच की गई। जांच के हिस्से के रूप में, बुधवार को पीड़ित को 50,22,000 रुपये का चेक सौंप दिया गया।

सिरसिला में सड़क दुर्घटना, दो युवकों की मौत

राजन्ना सिरसिला, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गभीरावपेट मंडल के पेद्दम्मा स्टेज पर बुधवार को हुई सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब एक डीसीएम वाहन ने दो पहिया वाहन को टक्कर मार दी। शेख अब्दुल और सैयद चांद की मौके पर ही मौत हो गई। कामारेड्डी जिले के पेड्डाम्मल्लारेड्डी मंडल के मल्लुपल्ले निवासी मृतक वेमुलावाड़ा की ओर जा रहे थे। जब वे पेड्डाम्मा स्टेज पर पहुंचे तो डीसीएम वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

आरपीएफ ने दो बच्चों को तस्करी से बचाया

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण अभियान में, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) के साथ मिलकर बुधवार को लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन पर दो नाबालिग लड़कों को एक संदिग्ध बाल तस्कर के चंगुल से बचाया।

आरपीएफ कर्मियों और बीबीए टीम को प्लेटफार्म नंबर 1 पर अपने नियमित दौरे के दौरान दो बच्चे मिले जो परेशानी में दिख रहे थे और उनके साथ एक संदिग्ध व्यक्ति भी था। पूछताछ करने पर, बच्चों ने बताया कि उन्हें शहर के विभिन्न निर्माण स्थलों पर निर्माण श्रमिक के रूप में काम करने के लिए उत्तर प्रदेश से हैदराबाद लाया गया था। आरपीएफ के अनुसार, उत्तर प्रदेश के संदिग्ध मानव तस्कर ने स्वीकार किया कि वह पिछले दो वर्षों से हैदराबाद में रह रहा था और एक भवन निर्माण ठेकेदार के रूप में काम कर रहा था, जो अक्सर अपने गांव से मजदूरों को लाता था।

आरपीएफ और बचपन बचाओ टीम के तत्काल हस्तक्षेप से बच्चों को बचाया गया और तस्कर को पकड़ लिया गया। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बच्चों को रंगा रेड्डी जिले की बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के सामने पेश किया गया और आगे की देखभाल और पुनर्वास के लिए सैदाबाद के सरकारी घर में स्थानांतरित कर दिया गया।

निज़ामाबाद में 792 सरकारी स्कूलों में बनेगा शौचालय

पीने को पानी भी उपलब्ध कराया जाएगा

निज़ामाबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर राजीव गांधी हनुमंतु ने कहा कि अम्मा आदर्श स्कूल समितियों द्वारा जिले के 792 सरकारी स्कूलों में शौचालय और पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि समिति बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, लड़कियों के लिए शौचालयों का निर्माण, पीने के पानी की सुविधा प्रदान करने, छोटे और बड़े मरम्मत कार्य, सरकारी स्कूलों में मौजूदा और बेकार शौचालयों के नवीनीकरण और रखरखाव जैसे कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि जिले के सरकारी स्कूलों में जल्द ही बेहतर बुनियादी ढांचा होगा और चालू शैक्षणिक वर्ष में अधिक बच्चे दाखिला लेंगे। उन्होंने कहा कि जिले में स्कूल दोबारा खुलने के पहले दिन 1.12 लाख छात्रों को पाठ्यपुस्तकों और नोटबुक के साथ वर्दी प्रदान की गई।

उन्होंने कहा कि जिले के कम से कम 158 सरकारी स्कूलों ने शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए एसएससी परीक्षा में 100 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत दर्ज किया है, उन्होंने कहा कि जिले में 103 छात्रों ने 10 जीपीए ग्रेड अंक हासिल किए है। दसवीं की परीक्षा में 93.72 प्रतिशत औसत रहा।

विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का स्वागत

हैदराबाद, 12 जून(स्वतंत्र वार्ता)। विप्र फाउंडेशन जोन 16 तेलंगाना प्रदेश इकाई के तत्वावधान में आयोजित सभा में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम सिखवाल का विप्र फाउंडेशन, सिखवाल प्रगति समाज, राजस्थानी ब्राम्हण सभा ने स्वागत किया।

इस सभा में विप्र फाउंडेशन जोन 16 के अध्यक्ष हरिकिशन ओझा, मंत्री रामदेव नागला, हरिनारायण व्यास, भगवान व्यास, लक्ष्मीकांत व्यास, प्रदीप खंडेलवाल, रामेश्वर लाल ओझा, बिंज राज ओझा, रंगलाल ओझा, रोमश्वर लाल उपाध्याय जैतारण, राजेश व्यास, मुरलीधर तिवाडी, बल्लभ व्यास, सचिन तिवारी, सम्पत व्यास, सत्यनारायण तिवारी, श्याम ओझा एवं सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

द्वि-वार्षिक प्रवेश की अनुमति : युजीसी के फैसले पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। देश में उच्च शिक्षण संस्थानों में द्वि-वार्षिक प्रवेश की अनुमति देने के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के फैसले पर राज्य में शिक्षाविदों की ओर से मिली-जुली प्रतिक्रिया आई है। कुछ शिक्षाविदों ने कहा कि देश पश्चिमी शिक्षा मॉडल को अपना रहा है जो छात्रों को दो सत्रों में प्रवेश देता है, जबकि अन्य ने नीतिगत निर्णय के कार्यान्वयन में व्यावहारिक कठिनाइयों की ओर इशारा किया।

यूजीसी ने घोषणा की है कि उच्च शिक्षण संस्थान अगले शैक्षणिक वर्ष से जनवरी/फरवरी और जुलाई/अगस्त में छात्रों को प्रवेश दे सकते हैं। इस निर्णय को पश्चिमी शिक्षा मॉडल करार देते हुए, तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह छात्रों को विशेष रूप से पूरक परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वालों को एचईआई में प्रवेश लेने के लिए लचीलापन प्रदान कर सकता है।

हालाँकि, उन्होंने बताया कि राज्य में 10 प्लस 2 प्रणाली का पालन करने वाली शिक्षा प्रणाली में कोई एकरूपता नहीं थी, जबकि सीबीएसई और अन्य बोर्डों की एक अलग प्रणाली है। अधिकारी ने कहा, ''द्वि-वार्षिक प्रवेश प्रणाली लागू करने के लिए स्कूल और इंटरमीडिएट स्तर पर एकरूपता होनी चाहिए।''

उस्मानिया विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. डी रविंदर ने यूजीसी के फैसले को गलत बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय इस प्रवेश प्रक्रिया के लिए तैयार नहीं थे क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण पटरी से उतर गया शैक्षणिक कैलेंडर अभी भी पटरी पर नहीं आया है।

पहले की वार्षिक प्रणाली से, विश्वविद्यालयों ने पसंद-आधारित क्रेडिट प्रणाली कार्यान्वयन के हिस्से के रूप में सेमेस्टर प्रणाली को अपनाया। महामारी के कारण प्रभावित हुई परीक्षा और प्रवेश कार्यक्रम अभी तक पटरी पर नहीं आ सके हैं। हमने चीजों को सामान्य करने की बहुत कोशिश की लेकिन इसे हासिल नहीं कर सके। इसके अलावा, अधिकांश छात्र जुलाई/अगस्त प्रवेश सत्र में नामांकन करते हैं, केवल कुछ छात्र, विशेष रूप से पूरक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले, जनवरी/फरवरी सत्र में जाते हैं, प्रो. रविंदर ने जोड़ा।

वर्तमान में, शैक्षणिक सत्र 12 महीने का होता है और जुलाई/अगस्त में शुरू होता है। यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार ने कहा कि अगर भारतीय विश्वविद्यालय साल में दो बार प्रवेश की पेशकश कर सकते हैं तो इससे कई छात्रों को फायदा होगा, जो बोर्ड परिणामों की घोषणा में देरी, स्वास्थ्य समस्याओं या व्यक्तिगत कारणों के कारण जुलाई/अगस्त सत्र में विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने से चूक गए थे। द्वि-वार्षिक विश्वविद्यालय प्रवेश से छात्रों को प्रेरणा बनाए रखने में मदद मिलेगी क्योंकि यदि वे मौजूदा चक्र में प्रवेश से चूक जाते हैं तो उन्हें प्रवेश के लिए पूरे एक साल तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। साथ ही, उद्योग वर्ष में दो बार अपनी कैंपस भर्ती भी कर सकते हैं, जिससे स्नातकों के लिए रोजगार के अवसरों में सुधार होगा।'

रेलवे डिग्री कॉलेज ने नए पाठ्यक्रम शुरू किए

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे पर अपनी तरह का एक अनूठा कॉलेज, तरनाका सिकंदराबाद में स्थित है। कॉलेज उस्मानिया विश्वविद्यालय से संबद्ध है और 1 अगस्त 1977 को शुरू किया गया था। तदनुसार, शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए प्रवेश अब खुले हैं। छात्र https://dost.cgg.gov.in पर जाकर 'DOST' (डिग्री ऑनलाइन सेवा, तेलंगाना) कोटा पर आवेदन कर सकते हैं। वर्तमान में, मौजूदा पाठ्यक्रम बी.कॉम (सामान्य), बी.कॉम (कंप्यूटर अनुप्रयोग), बी.एससी (एमपीसी), बी.एससी (एमपीसीएस), बी.एससी (एमएससीएस) हैं। इसके अलावा, यह सूचित करना है कि नए पाठ्यक्रम जैसे, बी.बी.ए. और बी.कॉम (वित्त) शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 से छात्रों के लाभ के लिए रेलवे डिग्री कॉलेज में शुरू किया जा रहा है। कॉलेज में प्रवेश के लिए सभी पाठ्यक्रमों को दोस्त ऑनलाइन पोर्टल पर रखा जा रहा है। छात्रों की ज्ञान में सुधार करने की जरूरतों को पूरा करने के लिए कॉलेज भौतिकी प्रयोगशाला, रसायन विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब से अच्छी तरह सुसज्जित है। कॉलेज में छात्रों के लिए इनडोर और आउटडोर खेलों के लिए एक बहुत बड़ा खेल का मैदान है। छात्रों के खेल और खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए हाल ही में एक नए बास्केट बॉल कोर्ट का उद्घाटन किया गया है।

ईसीआईएल में औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद के कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र (सीएलडीसी) में आंध्रप्रदेश के विभिन्न राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेजों के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के अध्यापकों के लिए 21 दिवसीय औद्योगिक प्रशिक्षण शुरू किया गया। इस में इन अध्यापकों को ईसीआईएल की विभिन्न अत्याधुनिक परियोजनाओं एवं प्रणालियों से अवगत कराया जाएगा।

उद्घाटन समारोह में कॉरपोरेशन के निदेशक (कार्मिक) अनुराग मालवीया के निर्देशन में प्रबंधक (प्रशिक्षण एवं विकास) डॉ. राजनारायण अवस्थी ने ईसीआईएल के कॉरपोरेट प्रोफाइल पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में प्रतिभागी अध्यापकों ने प्रौद्योगिकी के विभिन्न पक्षों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग के साथ-साथ अन्य इंजीनियरिंग शाखाओं का भी समान्य तकनीकी परिचय दिया जाएगा। कार्यक्रम में विद्या जंगम, अधिकारी (मानव संसाधन), आर स्वामी, अनुभाग सहायक, डॉ. सीएच अंबेडकर, वी कनका श्री महालक्ष्मी, कनि. हिन्दी अनुवादक तथा अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक आदि उपस्थित थे।

भाजपा नगरसेवक राकेश जयसवाल तेलंगाना सरकार के बडी बातां कार्यक्रम के तहत एमजीएम सरकारी गर्ल्स स्कूल नामपल्ली के छात्रों को नोट बुक, पाठ्य पुस्तकें, वर्दी वितरित की। इस अवसर पर स्कूल हेडमिस्ट्रेस विजया लक्ष्मी, श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, सुधीर, ममता जयसवाल, शिक्षक और छात्र।

तेलंगाना बीसी कल्याण और शहर प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर को हिंदी भाषा निगम बनाने के लिए 11 जाति के लोगों के प्रतिनिधी मंडल जिसमें निर्मल कुमार यादव, अरुण कुमार, जयदीप सिंह, दीपक सिंह अन्य ने निवेदन दिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

संजय मांजरेकर ने विराट कोहली को धो डाला आईपीएल की याद दिलाकर दिया ऐसा बयान

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। विराट कोहली का 2024 टी20 वर्ल्ड कप का आगाज उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। उन्होंने पिछले महीने खत्म हुए आईपीएल में धमाका किया था। 741 रन बनाते हुए विराट ने ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाया था। आईपीएल के दौरान उनके स्ट्राइक रेट की भी खूब चर्चा हुई थी। इसके बाद विराट ने तेजी से रन बनाए। लेकिन वर्ल्ड कप के लिए अमेरिका पहुंचने के बाद, कोहली अब तक आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ दो पारियों में 1 और 4 रन ही बना सके हैं।

विराट पर मांजरेकर ने मारा तंज

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि न्यूयॉर्क के हालात को देखते हुए फिलहाल भारत को कोहली के आक्रामक रूप की जरूरत नहीं है। उनके पुराने और अनुभवी अंदाज की जरूरत है। ईएसपीएनक्रिकइंफो से बात करते हुए संजय मांजरेकर ने कोहली पर चुटकी लेते हुए स्ट्राइक रेट की बहस को फिर से छेड़ दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व भारतीय कप्तान उस फॉर्मेट में अपनी आलोचना को बंद करने में कामयाब रहे। उन्होंने 150 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए तो ज्यादातर बल्लेबाज लगभग 200 की स्ट्राइक रेट से रन बना रहे थे।

विराट को पुराने अंदाज की जरूरत

संजय मांजरेकर ने आगे कहा कि विराट कोहली शायद उसी आक्रामक मानसिकता में हो सकते हैं, जैसा कि वह पिछले महीने आईपीएल में थे। लेकिन न्यूयॉर्क में मुश्किल पिच अलग है। उन्होंने कहा, 'विराट कोहली के साथ समस्या यह है कि पिछले दो सालों में उनके स्ट्राइक रेट के बारे में बहुत चर्चा हुई है। उन्होंने इस आईपीएल सीजन के दौरान इसे पूरी तरह से बदल दिया। उनका स्ट्राइक रेट 150 तक पहुंच गया था। हालांकि दूसरों का लगभग 200 था लेकिन यह एक अलग विषय है। वह शायद उसी मानसिकता के साथ टी20 वर्ल्ड कप में आए होंगे, लेकिन पिचों को देखते हुए पुराना विराट कोहली बहुत बेहतर होता। मुझे लगता है कि किसी को उन्हें खुद के उस पुराने संस्करण को वापस लाने के लिए कहना चाहिए और फिर जब पिचें सपाट हो जाएं तो फिर से बदलाव करना चाहिए।'

न्यूयॉर्क की पिच काफी मुश्किल

भारतीय टीम ने अभी तक अपने दोनों मुकाबला न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम पर खेले हैं। टीम को अमेरिका के खिलाफ भी इसी मैदान पर खेलना है। यहां की पिच बल्लेबाजी के लिए काफी मुश्किल है। विराट शुरुआत से ही अटैक करने की कोशिश में दोनों मैचों में आउट हुए हैं। दोनों ही बार उन्हें आउट करने वाली गेंद नहीं थी।

बांग्लादेश की एक जीत और श्रीलंका टी20 वर्ल्ड कप से बाहर, बारिश ने बिगाड़ दिया पूरा खेल

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2024 कुछ खास नहीं गुज़रा. टीम के 3 मैच हो चुके हैं, जिसमें उन्होंने 2 में हार झेली और 1 बारिश के चलते रद्द हो गया. तीन मैचों में सिर्फ 1 प्वाइंट के साथ श्रीलंका ग्रुप स्टेज से बाहर होने की कगार पर खड़ी है. यह ग्रुप सी है, जिसमें श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमें मौजूद हैं. अब यहां से बांग्लादेश की सिर्फ 1 और जीत श्रीलंका को टूर्नामेंट से बाहर कर देगी. श्रीलंका के लिए बारिश ने सारा खेल खराब कर दिया.

श्रीलंका को तीसरा मुकाबला आज (बुधवार) नेपाल के खिलाफ खेलना था, जो बारिश के कारण बगैर टॉस के ही रद्द हो गया. मुकाबला रद्द होने के बाद दोनों टीमों को 1-1 प्वाइंट दे दिया गया, जिससे श्रीलंका की मुश्किलें बढ़ गईं. नेपाल के खिलाफ मैच श्रीलंका को हर हाल में जीतना ही था, लेकिन बारिश ने उनका खेल खराब कर दिया.

बांग्लादेश की जीत के साथ बाहर हो जाएगी श्रीलंका

बांग्लादेश ने अब तक 2 मैच खेल लिए हैं, जिसमें उन्हें 1 जीत मिली और 1 गंवाया. बांग्ला टीम को अगले दोनों मैच क्रमशः नीदरलैंड्स और नेपाल के खिलाफ खेलने हैं. बांग्लादेश दोनों में से एक मैच जीतते ही श्रीलंका को बाहर कर देगा. श्रीलंका का आखिरी मैच नीदरलैंड्स के खिलाफ होगा. अगर नीदरलैंड्स के खिलाफ खेले जाने वाले मैच में श्रीलंका जीती भी तो सिर्फ 03 प्वाइंट्स तक ही पहुंच पाएगी, जो सुपर-8 में जगह बनाने के लिए शायद पर्याप्त नहीं होंगे.

दक्षिण अफ्रीका ने सुपर-8 के लिए किया क्वालीफाई

बता दें कि नेपाल और श्रीलंका का मुकाबला रद्द होते ही ग्रुप सी में टॉप पर मौजूद दक्षिण अफ्रीका ने सुपर-8 के लिए क्वालीफाई कर लिया है. अफ्रीका सुपर-8 के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बनी थी. एडन मार्करम की कप्तानी वाली अफ्रीका ने अब तक तीन मैच खेल लिए हैं, जिसमें उन्होंने तीनों में ही जीत दर्ज की है.

जीत के बावजूद रिजवान ने बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड टी20 विश्व कप में किसी बल्लेबाज ने नहीं किया ऐसा

न्यूयॉर्क, 12 जून (एजेंसियां)। लगातार दो मैचों में करारी शिकस्त झेलने के बाद मंगलवार को आखिरकार पाकिस्तान ने जीत का स्वाद चखा। मोहम्मद रिजवान की अर्धशतकीय पारी की बदौलत पाकिस्तान ने कनाडा को 15 गेंदों के शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने सुपर-8 की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। अब टीम को अपना अगला मैच आयरलैंड के खिलाफ 16 जून को खेलना है।

पाकिस्तान की पहली जीत

टी20 विश्व कप 2024 का 22वां मैच 11 जून को पाकिस्तान और कनाडा के बीच न्यूयॉर्क में खेला गया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कनाडा ने आरोन जॉनसन की अर्धशतकीय पार की बदौलत 20 ओवर में सात विकेट पर 106 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने 17.3 ओवर में तीन विकेट पर 107 रन बनाए और मैच जीत लिया। इस जीत के साथ टीम ग्रुप ए की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। उनके खाते में अब दो अंक हैं और नेट रनरेट (+0.191) में भी सुधार हुआ है।

रिजवान ने बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड

पाकिस्तान को जीत दिलाने में मोहम्मद रिजवान ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 53 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम को विश्व कप की पहली जीत दिलाई। इस दौरान सलामी बल्लेबाज ने दो चौके और एक छक्का लगाया। हालांकि, उनके नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया। दरअसल, कनाडा के खिलाफ रिजवान का अर्धशतक 52 गेंदों में आया। गेंदों के लिहाज से यह टी20 विश्व कप के इतिहास की सबसे धीमी फिफ्टी है।

ऑस्ट्रेलिया ने 86 गेंद पहले नमीबिया को हराया टी20 वर्ल्ड कप इतिहास की 10 सबसे बड़ी जीत

ऑस्ट्रेलिया ने नमीबिया को आसानी से हरा दिया. पहले बल्लेबाजी करने उतरी नमीबिया 17 ओवर में 72 रनों पर सिमट गई. जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने महज 5.4 ओवर में 1 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया. इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने 86 गेंद पहले जीत हासिल की. लेकिन क्या आप जानते हैं टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में गेंदों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड क्या है? बहरहाल, आज हम नजर डालेंगे टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में गेंदों के लिहाज से 10 सबसे बड़ी जीत पर.

इस फेहरिस्त में भारत कहां है?

इस फेहरिस्त में श्रीलंका पहले नंबर पर है. टी20 वर्ल्ड कप 2014 में श्रीलंका ने नीदरलैंड्स को 90 रनों से हराया था. वहीं, अब इस फेहरिस्त में दूसरे पायदान पर ऑस्ट्रेलिया काबिज हो गया है. आज ऑस्ट्रेलिया ने नमीबिया को 86 गेंद पहले करारी शिकस्त दी. इसके बाद तीसरे नंबर पर फिर ऑस्ट्रेलिया है. ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2021 में बांग्लादेश को 82 रनों से हराया था. जबकि टी20 वर्ल्ड कप 2021 में भारत ने स्कॉटलैंड को 81 रनों से करारी शिकस्त दी थी. इन टीमों के बाद फिर श्रीलंका का नंबर पर है. टी20 चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड ने 50 गेंद पहले जीत दर्ज की थी. टी20 वर्ल्ड कप 2014 में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 48 गेंद पहले हराया था.

वर्ल्ड कप 2021 में नीदरलैंड्स को श्रीलंका ने 77 रनों से हराया था.

इन टीमों ने दर्ज की है एकतरफा जीत...

जबकि टी20 वर्ल्ड कप 2007 में न्यूजीलैंड ने केन्या को 74 गेंद पहले हरा दिया था. वहीं, इस फेहरिस्त में न्यूजीलैंड के बाद इंग्लैंड का नंबर है. टी20 वर्ल्ड कप 2021 में वेस्टइंडीज को इंग्लैंड ने 50 गेंद पहले शिकस्त दी थी. ऑस्ट्रेलिया ने टी20 वर्ल्ड कप 2007 में श्रीलंका को 58 रनों के बड़े अंतर से पीटा था. इस फेहरिस्त में बाकी टीमों की बात करें तो इंग्लैंड का नंबर है. टी20 वर्ल्ड 2021 में

इतिहास रचने को तैयार हैं संग्राम सिंह, कुश्ती में झंडा गाड़ने के बाद अब मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में मचाएंगे तहलका

मुंबई, 12 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैंपियन संग्राम सिंह मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स से जुड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बनने के लिए तैयार हैं। संग्राम महिला पहलवान पूजा तोमर के बाद एमएमए फाइटर के रूप में प्रतिस्पर्धा करने वाले दूसरे भारतीय पहलवान बनेंगे। संग्राम ने कहा कि कुश्ती ने मुझे बहुत कुछ दिया है जिसमें मेरे देश के लोगों का प्यार भी शामिल है और मुझे पूरा विश्वास है कि आगे भी मुझे उनका समर्थन मिलता रहेगा।

भारत के लिए कुश्ती में लगभग 25 वर्षों तक अपने शानदार करियर के साथ संग्राम एक एमएमए फाइटर के रूप में अपने नए कदम के लिए तैयार हैं। संग्राम ने एमएमए फाइटर के रूप में अपने बदलाव पर कहा, 'एमएमए भविष्य है, पिछले कुछ सालों में इसकी बढ़ती लोकप्रियता अपने आप में ही सब कुछ बयां करती है। भारत में इस खेल को सबसे ज्यादा दर्शक मिलते हैं और मुझे उम्मीद है कि इस खेल के प्रशंसक भी इसी तरह मेरा समर्थन करेंगे। कुश्ती ने मुझे बहुत कुछ दिया है, जिसमें मेरे देश के लोगों का प्यार भी शामिल है और मुझे उम्मीद है कि वे मेरे नए सफर में भी ऐसा ही करते रहेंगे।

संग्राम ने हाल ही में दुबई प्रो रेसलिंग चैंपियनशिप में 6 साल के अंतराल के बाद वापसी कर कुश्ती जगत में हलचल मचा दी और उनका लक्ष्य एमएमए के साथ-साथ अपने कुश्ती करियर को जारी रखना है। संग्राम का कमबैक सफल रहा। उन्होंने पाकिस्तान के मुहम्मद सईद को लगभग एकतरफा मुकाबले में हराकर मैट पर अपनी क्षमता साबित की। इस सफल मुकाबले के बाद एमएमए में कदम रखना स्वाभाविक था क्योंकि एमएमए भविष्य की ओर अगला कदम है और इसकी लोकप्रियता दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है।

मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स को दुनिया के सबसे कठिन खेलों में से एक कहा जा सकता है। ये कई सारे मार्शल आर्ट्स का मिश्रण होता है। कुश्ती में संग्राम का व्यापक अनुभव काम आएगा। कुश्ती मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की आधारशिला है, जिसमें टेकडाउन, नियंत्रण और ग्राउंड-एंड-पाउंड तकनीकों पर जोर दिया जाता है।

एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे रॉकी फ्लिंटॉफ ने किया अर्जुन वाला कारनामा, क्या सचिन तेंदुलकर के बेटे से निकल जाएगा आगे?

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)।महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने अपने अंडर-19 करियर का आगाज श्रीलंका दौरे से किया था। उन्होंने 2018 में डेब्यू किया, लेकिन उन्हें अभी तक सीनियर लेवल पर नेशनल टीम का टिकट नहीं मिल पाया है। वह मुंबई छोड़ गोवा पहुंचे और वहां से क्रिकेट खेल रहे हैं, जबकि आईपीएल में मुंबई इंडियंस का हिस्सा हैं। अब उन्हीं की तरह एक और क्रिकेटर का बेटा अपने अंडर-19 करियर का आगाज श्रीलंका में ही करेगा।

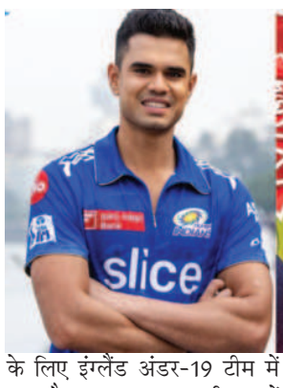

एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे रॉकी फ्लिंटॉफ का अंडर-19 टीम में सिलेक्शन

जी हां, यह इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर एंड्रयू फ्लिंटॉफ के बेटे रॉकी फ्लिंटॉफ हैं, जिनका सिलेकशन श्रीलंका के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड अंडर-19 टीम में हुआ है। महज 16 साल की उम्र में रॉकी इस सीजन में लगातार अच्छा प्रदर्शन करके लंकाशायर की दूसरी एकादश के लिए धूम मचा रहे हैं। उन्होंने अपने जन्मदिन के दो दिन बाद ही टीम के लिए डेब्यू किया। जिस अंदाज में वह खेल रहे हैं उसे देखते हुए लग रहा है कि वह अर्जुन तेंदुलकर से पहले अपने देश के लिए सीनियर लेवल पर खेलते नजर आ सकते हैं।

वार्विकशायर के लिए जड़ा था पहला शतक

इससे पहले अप्रैल में रॉकी ने एजबेस्टन में वार्विकशायर दूसरी एकादश के खिलाफ अपना पहला शतक बनाया था। अंडर-19 टीम में कई ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जिनके पारिवारिक संबंध उल्लेखनीय हैं। टीम की अगुआई एसेक्स के ऑलराउंडर ल्यूक बेनकेनस्टीन करेंगे, जो लंकाशायर के मुख्य कोच और पूर्व दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेल बेनकेनस्टीन के बेटे हैं। इंग्लैंड के स्पिनर रेहान अहमद के भाई फरहान अहमद भी ऑफ स्पिनर के तौर पर टीम में हैं। फरहान ने हाल ही में नॉटिंघमशायर के साथ अपना पहला पेशेवर अनुबंध किया है।

इस क्रिकेटर के बेटे को भी मिली जगह

विकेटकीपर-बल्लेबाज हेडन मस्टर्ड पर भी नजर रखने की जरूरत है; उनके पिता फिल मस्टर्ड ने इंग्लैंड के लिए 12 वाइट-बॉल कैप अर्जित किए हैं। इस टीम के 16 खिलाड़ियों में से नौ इंग्लैंड के लिए अंडर-19 विश्व कप में खेले थे। हालांकि, टूर्नामेंट के दौरान टीम की कप्तानी करने वाले बेन मैकिनी और हमजा शेख को इस सीरीज से बाहर रखा गया है।

सावधान! फिर फॉर्म में आ गया मूंछ वाला ऑस्ट्रेलियाई, तोप के खौफ से थर-थर कांपेंगे गेंदबाज

नॉर्थ साउंड (एंटीगा), 12 जून (एजेंसियां)। लेग स्पिनर एडम जंपा की शानदार गेंदबाजी की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने नामीबिया को 86 गेंद शेष रहते हुए आठ विकेट से करारी शिकस्त देकर टी20 विश्व कप के सुपर आठ में जगह बनाई। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और नामीबिया को 17 ओवर में 72 रन पर आउट कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद केवल 34 गेंद पर एक विकेट पर 74 रन बनाकर शानदार जीत हासिल की। सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड 34 और कप्तान मिचेल मार्श 18 रन बनाकर नाबाद रहे। डेविड वॉर्नर ने आठ गेंद पर 20 रन का योगदान दिया।

ऑस्ट्रेलिया को वनडे विश्व कप विजेता बनाने वाले ट्रैविस हेड एक बार फिर फॉर्म में आ गए हैं। आईपीएल में गेंदबाजों का तेल निकालने के बाद वह कुछ समय के लिए आउट ऑफ फॉर्म हो गए थे। पंजाब और केकेआर (फाइनल सहित 2 बार) के खिलाफ 3 बार शून्य पर आउट हुए तो ओमान के खिलाफ 12 रन बना पाए, लेकिन अब उन्होंने इंग्लैंड और नामीबिया के खिलाफ 34-34 रन बनाकर अपना विध्वंसक फॉर्म पा लिया है। हर गेंदबाज उनके पावर हिटिंग पावर को जानता है। अब गेंदबाज उनके लिए खास प्लान बनाकर मैदान पर आएगा।

पूर्व भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी और कोच टी के चथुन्नी का निधन, 79 की आयु में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली, 12 जून (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी और कोच टी के चथुन्नी का बुधवार सुबह केरल के निजी अस्पताल में निधन हो गया। 79 वर्षीय आयु में दिग्गज ने अंतिम सांस ली। वह कैंसर की बीमारी से जूझ रहे थे। डिफेंडर के तौर पर प्रतिष्ठित संतोष ट्रॉफी में केरल और गोवा के लिए खेलने वाले चथुन्नी भारतीय फुटबॉल के बेहतरीन कोचों में से एक थे। अपने खेल करियर के बाद चथुन्नी ने कोचिंग की ओर रुख किया। 40 से अधिक वर्षों तक खेल पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। उन्होंने मोहन बागान, डेम्पो गोवा और एफसी कोचीन सहित कई प्रसिद्ध टीमों को कोचिंग दी।

फुटबॉल माई सोल नामक आत्मकथा लिखी

1979 में वे केरल की संतोष ट्रॉफी टीम के कोच बने। चथुन्नी ने ₹फुटबॉल माई सोल नामक एक आत्मकथा भी लिखी, जिसमें उन्होंने फुटबॉल से उनके जीवन और करियर पर होने वाले प्रभाव

के विषय में लिखा। मुख्यमंत्री पिनरई विजयन और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने याद किया कि चथुन्नी चार दशकों तक खिलाड़ी और कोच के रूप में सक्रिय रहे।

मुख्यमंत्री पिनरई विजयन और वी डी सतीसन ने जताया शोक

वहीं, चथुन्नी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने कहा, जब भारतीय फुटबॉल का इतिहास बताया जाएगा, तो चथुन्नी सबसे आगे रहेंगे। चथुन्नी चार दशकों से अधिक समय तक खिलाड़ी और कोच के रूप में मैदान पर रहे। उन्होंने कहा कि कोच के रूप में उनकी उपलब्धियां बेजोड़ थीं। सतीसन ने आगे कहा, कोच चथुन्नी ने आई एम विजयन और सी वी पप्पाचन की पीढ़ी को उत्कृष्टता की ऊंचाइयों पर पहुंचाने में प्रमुख भूमिका निभाई। चथुन्नी का निधन खेल जगत के लिए एक बड़ी क्षति है।

बेईमानी से हारी टीम इंडिया! अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने कतर के विवादास्पद गोल की जांच की मांग की

नई दिल्ली , 12 जून (एजेंसियां)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मैच आयुक्त को शिकायत करके दोहा में विश्व कप क्वालिफाइंग के अपने महत्वपूर्ण मुकाबले में कतर को विवादास्पद गोल देने की जांच की मांग की है। एआईएफएफ के सूत्रों ने बताया कि उन्होंने गोल की अच्छी तरीके से जांच की मांग की है। मंगलवार को जस्सिम बिन हमाद स्टेडियम में करो या मरो के मुकाबले में भारत को कतर के खिलाफ 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

इस मैच में फुटबॉल के 'आउट ऑफ प्ले' होने के बावजूद कतर के खिलाड़ियों ने उसे गोल पोस्ट में पहुंचाया। यानी गेंद गोल पोस्ट के बगल में निर्धारित लाइन से बाहर जा चुकी थी। हालांकि, इससे खेल रोकने की बजाय कतर के खिलाड़ियों ने पहले तो इसे किक से मैदान के अंदर भेजा और फिर दूसरे खिलाड़ी ने गेंद को गोल

पोस्ट में पहुंचा दिया। भारतीय टीम के विरोध के बावजूद रेफरी किम वू सुंग ने गोल को स्वीकृति दी थी। इस बेईमानी वाले गोल पर काफी विवाद हुआ क्योंकि इसने 2026 के फीफा विश्व कप के लिए भारत को पहली बार फीफा विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में पहुंचने से वंचित कर दिया।

एआईएफएफ के एक अधिकारी ने बताया, 'हमने मैच आयुक्त को शिकायत की है और पूरे मामले की गहन जांच की मांग की है।' ईरान के हामेद मोमेनी इस मुकाबले के मैच आयुक्त थे। मैच आयुक्त की भूमिका मैच की निगरानी करना और यह सुनिश्चित करना होती है कि मुकाबले के दौरान फीफा के नियमों का पालन किया जाए। अब यह देखने वाली बात होगी कि रेफरी इस पर क्या फैसला लेते हैं।

पोन्नम ने जीएचएमसी में की मानसून तैयारियों की समीक्षा

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के अधिकारियों को मानसून के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का निर्देश दिया है। पोन्नम प्रभाकर हैदराबाद जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं।

उन्होंने बुधवार को यहां जीएचएमसी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और मानसून की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को भविष्य में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहना चाहिए और मानसून के मौसम में उत्पन्न होने वाली स्थितियों से निपटने के लिए उपाय करने चाहिए। मंत्री ने अधिकारियों से कहा, "जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान करें और सुनिश्चित करें कि बारिश के तुरंत बाद कर्मचारी वहां जाएं ताकि सड़कों पर पानी न हो। स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर ध्यान दिया जाना चाहिए।"

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि लोगों को बारिश के मौसम में सड़कों पर चलते समय सतर्क रहना चाहिए और अधिकारियों को मैनहोल के बारे में अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए। पोन्नम प्रभाकर ने खुलासा किया, "जीएचएमसी में कुल 141 जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान की गई है, जहां बारिश के पानी को तुरंत निकालने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।" उन्होंने अधिकारियों से सतर्क रहने को कहा ताकि हैदराबाद में बाढ़ और बारिश के कारण एक भी जान न जाए। बैठक के दौरान अधिकारियों को आगामी वन महोत्सव कार्यक्रम में हैदराबाद को ग्रीन सिटी बनाए रखने का भी निर्देश दिया गया और लोगों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करने को कहा गया।

पोन्नम ने अधिकारियों को हैदराबाद में आगामी बकरीद और बोनालू त्योहारों के लिए उचित व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया। झीलों और तालाबों के संरक्षण पर ध्यान दिए जाने की बात कहते हुए मंत्री ने आईटी और अन्य कंपनियों के प्रबंधन से अनुरोध किया कि वे आगे आएं और जीएचएमसी सीमा में जल निकायों के विकास की जिम्मेदारी लें। इस अवसर पर जीएचएमसी की मेयर गदवला विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोते श्रीलता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

सीएम के नेतृत्व में हम राज्य के विकास के लिए मिलकर काम कर रहे हैं : कोंडा सुरेखा

महिला मंत्रियों के बीच मतभेद की झूठी खबरें महिलाओं की गरिमा का अपमान : सीताक्का

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री कोंडा सुरेखा और सीताक्का ने स्पष्ट किया कि संयुक्त वारंगल जिला मंत्री के रूप में, वे आपसी समझ के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। दोनों मंत्रियों ने मतभेद की गलत खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनके बीच कोई मतभेद नहीं हैं। उन्होंने निराधार आरोप बताकर खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी ताकतें उन पर कीचड़ उछाल कर शैतानी सुख प्राप्त कर रही हैं। उन्होंने इस बात पर रोष व्यक्त किया कि कांग्रेस पार्टी जिस तरह से महिलाओं को मंत्री पद दे रही है और महिला सशक्तिकरण को अपने हाथ में दिखा रही है। उसे बीआरएस जैसी पार्टियां पचा नहीं पा रही हैं और विपरीत खबरें प्रकाशित और प्रसारित कर लोगों में गलत संकेत भेज रही हैं। मंत्री कोंडा सुरेखा ने आलोचना की कि जो सामंतवादी एक आदिवासी बच्चे सीताक्का और बीसी बच्चे के बड़े होने के तरीके को बर्दाश्त नहीं कर सकते थे, वे झूठी कहानियों के साथ जहर उगल रहे थे। मंत्रियों ने कहा कि उन पर झूठे आरोप लगाना, जो कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद से वारंगल जिले के संयुक्त मंत्री के रूप में जिले और राज्य की प्रगति के लिए मिलकर काम कर रहे हैं, महिला शक्ति का अपमान है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि लोग जानते हैं कि मेडारम मेले में, संयुक्त वारंगल जिले में आयोजित समीक्षा बैठकों में, जिला विकास कार्यक्रमों में और चुनाव अभियान बैठकों में दोनों ने एक साथ कैसे काम किया। मंत्री सुरेखा ने याद किया कि मेदाराम मेले के दौरान उन्हें गंभीर बुखार होने के बावजूद, अम्मावर गड्डा पहुंचने पर वे ठीक हो गए और मेले में शामिल हुए। मंत्री सीताक्का ने कहा कि उन्होंने और मंत्री सुरेखा ने एक-दूसरे का सहयोग करते हुए मेले की व्यवस्थाओं की निगरानी की और मेले को सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें विभिन्न कारणों से विकास कार्यक्रमों में एक साथ भाग लेने का अवसर नहीं मिला, जैसे कि तीन महीने के शासन के बाद संसद चुनाव हुए थे। उन्होंने सुझाव दिया कि तथ्यों का पता लगाया जाना चाहिए और समाचार प्रकाशित किया जाना चाहिए। मंत्री कोंडा सुरेखा और सीताक्का ने मीडिया संगठनों से उपयोगी समाचारों को प्राथमिकता देने और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया के नाम को सार्थक बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया।

शाह की तमिलिसाई से सख्त बातचीत का वीडियो वायरल

तरह-तरह के अफवाहों को मिल रही हवा

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह द्वारा तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन को सख्त लहजे में इशारा करने का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिससे अफवाह फैल गई है कि शाह भाजपा की तमिलनाडु इकाई में हाल के घटनाक्रम को लेकर सुंदरराजन को चेतावनी दे रहे थे।

वीडियो में सुंदरराजन मंच पर आती हैं और भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू और शाह का अभिवादन करती हैं, जो एक दूसरे के बगल में बैठे थे और जब वह उनके पास से गुजरती हैं, तो शाह उन्हें वापस बुलाते हैं। इसके बाद जो कुछ होता है, वह नेटिज़न्स का ध्यान आकर्षित करता है, जिसमें शाह काफी उत्तेजित तरीके से बात करते हुए दिखाई देते हैं और सुंदरराजन की ओर अपनी उंगलियों से काफी उत्साहपूर्ण तरीके से इशारा करते हैं। इस बातचीत ने अफवाहों का बाजार गर्म कर दिया है और कई लोग इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं कि यह सौंदरराजन की भाजपा की तमिलनाडु इकाई की स्थिति पर एक तमिल मीडिया हाउस को दी गई हालिया टिप्पणी थी, जिसके कारण शाह ने यह प्रतिक्रिया दी।

सुंदरराजन ने कहा था कि हाल ही में तमिलनाडु में कई असामाजिक तत्वों को भाजपा में शामिल किया गया है, उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से पार्टी के तमिलनाडु राज्य अध्यक्ष के अन्नामलाई के नेतृत्व पर कटाक्ष किया था।

सौंदरराजन और अन्नामलाई, जो दोनों तमिलनाडु में हाल ही में चुनाव हार गए थे, अन्नामलाई के निर्णयों और कामकाज के तरीके को लेकर एक-दूसरे से भिड़ गए हैं तथा उनके समर्थक भी सोशल मीडिया पर खुली बहस और एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने में लगे हुए हैं। जहां सौंदरराजन के समर्थकों ने राज्य में भाजपा की हार के लिए अन्नामलाई को दोषी ठहराया, वहीं उनके समर्थकों ने तर्क दिया कि पार्टी का वोट शेयर वास्तव में बढ़ गया था और उन्होंने पार्टी के आंतरिक मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने के लिए सौंदरराजन की आलोचना भी की।

क्या यही वजह थी कि अमित शाह ने सौंदरराजन के प्रति ऐसी प्रतिक्रिया दी, यह पता नहीं चल पाया है, सौंदरराजन ने अभी तक इस पर कुछ भी नहीं कहा है, लेकिन सोशल मीडिया के उत्साही लोग अपनी धारणाओं के साथ आगे बढ़ रहे हैं, वीडियो को अलग-अलग कैप्शन और स्पष्टीकरण के साथ व्यापक रूप से शेयर किया जा रहा है।

तेलंगाना के कर्मचारी ने राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीता

राचकोंडा कमिश्नरेट में एएओ के पद पर कार्यरत प्रदीप कुमार

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदीप कुमार ने यह सच कर दिखाया कि कड़ी मेहनत और लगन से लोग ऋषि बन जाते हैं। राचकोंडा कमिश्नरेट में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर कार्यरत प्रदीप ने राष्ट्रीय स्तर पर पावरलिफ्टिंग में स्वर्ण पदक हासिल कर खेल के प्रति जुनूनी युवाओं को प्रेरित किया है। नई दिल्ली में 7 जून से 10 जून तक आयोजित राष्ट्रीय स्तर की पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में उन्होंने 83 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 170 किलोग्राम डेड लिफ्ट उठाकर प्रथम स्थान के साथ स्वर्ण पदक जीता।इस अवसर पर राचकोंडा पुलिस आयुक्त डॉ. तरुण जोशी ने इस उम्र में भी पदक हासिल कर युवाओं को प्रेरित करने और खेल के प्रति जुनून के साथ राज्य, राष्ट्रीय और विश्व स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रदीप कुमार को बधाई दी। सीपी ने तेलंगाना राज्य का नाम विश्व स्तर पर बनाए रखने के लिए विशेष रूप से सराहना की तथा भविष्य में और अधिक सफलता की कामना की। कार्यक्रम में मुख्य लेखा अधिकारी सुगुना , कनिष्ठ लेखा अधिकारी वेंकटेश्वर राव तथा वरिष्ठ लेखाकार अभिनव ने भाग लिया।

एआईएमआईएम की दोस्ती से तेलंगाना कांग्रेस के मुस्लिम नेता नाराज

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के बीच नई दोस्ती पार्टी के मुस्लिम नेताओं के बीच कुछ बेचैनी पैदा कर रही है। उनमें से एक वर्ग कांग्रेस नेतृत्व से इस बात से नाराज़ है कि मुस्लिम वोट और समर्थन के लिए मुस्लिम नेताओं को भविष्य के लिए तैयार करने के बजाय एआईएमआईएम पर निर्भर है।

...तो मुस्लिम नेतृत्व नहीं बढ़ेगा आगे

हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने खुलेआम अपने समर्थकों से कांग्रेस को वोट देने के लिए कहा था। हैदराबाद के एक वरिष्ठ कांग्रेस मुस्लिम नेता ने कहा कि जब कांग्रेस बुरी स्थिति में होगी तो पार्टी में कोई मुस्लिम चेहरा नहीं होगा जो एआईएमआईएम की मदद चाहते थे।

ओवैसी ने 2023 में बीआरएस को वोट के लिए कहा था

कांग्रेस और एआईएमआईएम ने उन रिश्तों को फिर से जोड़ने के संकेत देने शुरू कर दिए हैं जो 2012 में ओवैसी द्वारा इस पुरानी पार्टी से सारे रिश्ते खत्म करने के बाद खत्म हो गए थे। तब से वे इसके कटु आलोचक रहे हैं और 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद उन्हें भारत राष्ट्र समिति के प्रमुख के चंद्रशेखर राव के रूप में एक नया दोस्त मिल गया। 2023 के राज्य चुनावों में भी ओवैसी ने मुसलमानों से केसीआर को वोट देने के लिए कहा था। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद यह स्पष्ट हो गया कि वह एआईएमआईएम के साथ किसी भी तरह के टकराव की स्थिति में नहीं रहना चाहती। लंदन की यात्रा पर गए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एआईएमआईएम चंद्रयानगुट्टा विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी की तस्वीरें साझा कीं, जिससे संकेत मिलता है कि दोनों पक्षों के बीच अच्छे संबंध हैं। इसके बाद उनके बड़े भाई असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा चुनाव के लिए आखिरी प्रचार सभा के दौरान मुसलमानों से कांग्रेस को वोट देने के लिए कहा, जिससे कई लोग हैरान रह गए।

...हमें ओवैसी की जरूरत नहीं थी

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए एआईएमआईएम को प्रचार में लाने से भी पार्टी को कोई खास मदद नहीं मिली। कांग्रेस नेता ने कहा कि वास्तव में, कुछ सीटों पर क्योंकि ओवैसी ने खुले तौर पर मुसलमानों से कांग्रेस को वोट देने के लिए कहा था, इसका उल्टा असर हुआ क्योंकि इससे हिंदू वोट भाजपा की ओर एकजुट हो गए। हर कोई जानता है कि हैदराबाद के बाहर एआईएमआईएम का प्रभाव सीमित है, इसलिए हमें ओवैसी की जरूरत नहीं थी। राज्य नेतृत्व इस बात से वाकिफ है, लेकिन फिर भी वे अल्पसंख्यक वोटों को हासिल करने में मदद कर सके। एआईएमआईएम को अपने साथ रखने का मतलब है कि पार्टी में मुस्लिम नेतृत्व नहीं बढ़ेगा।

नायडू का झुकना, मोदी का गले लगाना, साउथ के इस मंच से दोनों ने बता दिया दोस्ती सिर्फ दिल्ली के लिए नहीं

अमरावती, 12 जून (एजेंसियां)। तेलुगु देशम पार्टी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर यह उनका चौथा कार्यकाल है। चंद्रबाबू नायडू के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी अमित शाह, नितिन गडकरी, जे पी नड्डा और कई प्रमुख हस्तियां शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित थीं। शपथ ग्रहण के बाद एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसकी आज काफी चर्चा हो रही है।

मंच पर पीएम मोदी और चंद्रबाबू नायडू के बीच गजब की गर्मजोशी दिखी। पीएम मोदी ने चंद्रबाबू नायडू को गले लगाया। यह मंच भले ही दक्षिण का था लेकिन दिल्ली में गठबंधन सरकार बनने के बाद इसके अलग ही मायने थे। दिल्ली में एनडीए दलों की बैठक में मोदी और नायडू के बीच जो बॉन्डिंग दिखी थी उसमें कहीं कोई कमी नहीं आई है। राजनीति में परसेप्शन का एक अलग ही महत्व होता है। पीएम मोदी ने नायडू को गले लगाकर विपक्ष के कई सवालों का बिना बोले ही जवाब देने की कोशिश की है।

दक्षिण की इस तस्वीर के क्या संदेश

4 जून को आए नतीजों के बाद इस बार बीजेपी से कहीं अधिक एनडीए की चर्चा हो रही है। रिजल्ट के बाद से ही विपक्ष की ओर से कई सवाल दागे जा रहे हैं। देश की राजधानी दिल्ली में एनडीए की सरकार बन गई और नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। अब बारी थी आंध्र प्रदेश की। चंद्रबाबू नायडू ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी भी मौजूद थे। चंद्रबाबू नायडू सीएम पद की शपथ लेने के बाद सीधे प्रधानमंत्री मोदी के पास पहुंचे। पीएम मोदी ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया इसी दौरान नायडू आशीर्वाद लेने के लिए पैरों की ओर झुके। इस बीच मोदी ने उन्हें रोक लिया और गले लगा लिया।

एनडीए की मीटिंग में अलग रंग

चुनाव नतीजों के बाद इस बार कई सवाल थे। सवाल तब भी थे जब एनडीए को पूर्ण बहुमत था। बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल करने से पीछे रह गई और नीतीश-नायडू के समर्थन की चर्चा शुरू हो गई। भले ही जेडीयू और टीडीपी के नेताओं की ओर से कुछ भी नहीं कहा गया लेकिन विपक्ष की ओर से लगातार सवाल दागे जा रहे थे। इस बीच नीतीश की तेजस्वी के साथ जो तस्वीर सामने आई उसने एक अलग ही चर्चा को जन्म दे दिया।

विपक्ष के सवालों के बीच एनडीए की बैठक होती है और इस मीटिंग में नरेंद्र मोदी के एनडीए का नेता चुना जाता है। मंच पर नायडू और मोदी के बीच जो बातचीत चल रही थी उससे ही यह क्लियर हो गया कि जो सवाल खड़े किए जा रहे हैं उनमें दम ज्यादा नहीं है। सरकार बनने और मंत्रालयों के बंटवारे के बाद जो यह सवाल खड़े किए जा रहे हैं कि सहयोगी दल खुश नहीं, उन सवालों के भी जवाब मिल गए।

बाघों को खिलाने छोड़े गए 19 हिरण

मंचेरियल, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वन अधिकारियों ने बुधवार को मंचेरियल वन रेंज के चेन्नूर कॉरिडोर में 19 चित्तीदार हिरण छोड़े। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) मोहन परगाईं और केटीआर क्षेत्र निदेशक एस शांताराम के निर्देशानुसार जिला वन अधिकारी शिव आशीष सिंह और मंचेरियल वन प्रभागीय अधिकारी विनय कुमार साहू ने हिरणों को कवाल टाइगर रिजर्व (केटीआर) के विकास के लिए गलियारे में छोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि ये शाकाहारी जानवर रिजर्व में रहने वाले बाघों को खिलाने के लिए थे। इस दौरान मंचेरियल वन रेंज अधिकारी जी रत्नाकर राव, डिप्टी एफआरओ सागरिका और एफबीओ उपस्थित थे।

रेल राज्य मंत्री ने रेलवे बोर्ड के सदस्यों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली/हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने रेलवे बोर्ड के सदस्यों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान, रेलवे बोर्ड के सदस्यों ने रेलवे का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया और मंत्री को भारतीय रेलवे में चल रही विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। श्री सिंह ने अधिकारियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को साकार करने और भारतीय रेलवे को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ रेलवे में से एक में बदलने के लिए एक टीम के रूप में सामूहिक रूप से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि रेलवे आम लोगों के लिए परिवहन का एक सुविधाजनक साधन है, भारतीय रेलवे को सभी वर्गों, विशेषकर गरीबों की जरूरतों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

मंगलहाट के तीन कांस्टेबल निलंबित

2 हेड कांस्टेबल लाइन हाजिर * भ्रष्ट गतिविधियों में थे लिप्त

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलहाट पुलिस स्टेशन में कार्यरत तीन कांस्टेबलों को कथित तौर पर भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त होने के कारण निलंबित कर दिया गया और दो हेड कांस्टेबलों को मुख्यालय भेज दिया गया। हैदराबाद पुलिस आयुक्त के. श्रीनिवास रेड्डी ने बुधवार को यह आदेश जारी किया।

कांस्टेबल महेंद्र यादव, तिलक राज और श्रवण पर आरोप है कि वे हिस्ट्रीशीटर, ड्रग तस्करों और अन्य अपराधियों के साथ मिलकर अपराध से होने वाली आय में से अपना हिस्सा ले रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस के उच्च अधिकारियों ने जांच के आदेश दिए और हैदराबाद पुलिस कमिश्नर ने उनके और दो हेड कांस्टेबल नरेंद्र और श्रीनिवास के खिलाफ कार्रवाई शुरू की।

यह ध्यान देने योग्य है कि हाल ही में हुई जांच में पाया गया कि हैदराबाद के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में स्थानीय कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल और सब-इंस्पेक्टर कथित तौर पर पीडीएस चावल और गेहूं माफिया, अवैध शराब की दुकानों और राउडी शीटर्स के साथ मिलीभगत कर रहे थे और अवैध रूप से पैसा कमा रहे थे। स्थानीय पुलिस द्वारा स्थानीय नेताओं की मदद से नागरिक मुद्दों को निपटाने की भी शिकायतें थीं।

पिछले महीने दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र के कुलसुमपुरा में एक अवैध शराब की दुकान पर एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी, जबकि पुलिस ने शहर के गुडीमलकापुर में कई महीनों से चल रहे दो वेश्यालयों का भंडाफोड़ किया था।

स्कूल बसों के लिए फिटनेस जांच के सख्त आदेश

परिवहन मंत्री के आदेश से स्कूल प्रशासन में हड़कंप

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सड़क परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने से पहले हर स्कूल बस का गहन निरीक्षण करें। इस निर्देश का उद्देश्य स्कूली बच्चों के लिए सड़क सुरक्षा को बढ़ाना है। मंगलवार को परिवहन अधिकारियों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस के दौरान मंत्री प्रभाकर ने इस बात पर जोर दिया कि बिना वैध फिटनेस प्रमाण पत्र के कोई भी स्कूल बस न चले। उन्होंने अधिकारियों को ड्राइवरों और आम जनता को शिक्षित करने के लिए सड़क सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम चलाने का भी निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, मंत्री ने परिवहन विभाग के लिए स्थायी भवनों की स्थापना के संबंध में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ चर्चा करने की योजना की घोषणा की।

मंत्री प्रभाकर ने अधिकारियों से सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप राजस्व बढ़ाने के उपाय लागू करने का आग्रह किया। उन्होंने कम तिमाही संग्रह वाले अधिकारियों को अपने प्रदर्शन में सुधार करने की सलाह दी और 100 प्रतिशत कर संग्रह हासिल करने वाले अधिकारियों को बधाई दी। मंत्री के निर्देश सड़क सुरक्षा और कुशल परिवहन प्रशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर करते हैं।

मेदक में करंट से किसान समेत तीन की मौत

मेदक, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले में बुधवार को अलग-अलग घटनाओं में बिजली की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गयी। मेडक मंडल के पेरूरू गांव में एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। किसान वी नागेश (40) ने अपने खेत में बिजली के खंभे के स्टे तार को छू लिया था, तभी करंट लगने से उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि ट्रांसको अधिकारियों की लापरवाही से तार में करंट प्रवाहित हो गया। एक अन्य घटना में, गांधी नगर में एक व्यक्ति की उस समय करंट लगने से मौत हो गई, जब वह म्यूजिक सिस्टम लगा रहा था। वह गुट्टाकिंडीपल्ली का रहने वाला चिंथला नरसिम्हुलु (36) था। तीसरी घटना में, एक इलेक्ट्रीशियन कालेरु अंजनेयुलु (46) की मौत हो गई, जब वह वेल्दुरथी मंडल के उप्पू लिंगपुर गांव में एक ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी को ठीक करने के लिए काम कर रहा था। वह अर्थ वायर के संपर्क में आ गया और करंट की चपेट में आ गया।

शिक्षक की पीट-पीटकर हत्या

आदिलाबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गदीगुडा मंडल के परसुवाड़ा गांव में बुधवार को अज्ञात लोगों ने एक सरकारी शिक्षक की पत्थरों से पीट-पीटकर हत्या कर दी, जब वह काम पर जा रहे थे। हत्या के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चल सका है।

गाडीगुडा पुलिस ने कहा कि आदिलाबाद के श्रीनगर कॉलोनी के शिक्षक गजानंद, जयनाथ मंडल के मेडीगुडा गांव के एक स्कूल में कार्यरत थे। वह नारनूर मंडल के नागुलाकोंडा गांव के रहने वाले थे। हमलावरों ने गजानंद के सिर पर पत्थरों से लगातार वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय वह मोटरसाइकिल पर नागुलकोंडा से मेदिगा जा रहा था। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। उन्हें संदेह है कि पारिवारिक विवाद के कारण हत्या हुई है।

मंत्री को श्री रंगनायक स्वामी के वार्षिक ब्रह्मोत्सव में भाग लेने का आमंत्रण

हैदराबाद, 12 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंदिर समिति के सदस्यों ने राज्य देवदाय और दान विभाग की मंत्री कोंडा सुरेखा को एक निमंत्रण पत्र दिया। मंत्री से नागर कुर्नूल जिले के सबसे पुराने वैष्णव मंदिरों में से एक, श्रीपुरम श्री रंगनायक स्वामी के वार्षिक ब्रह्मोत्सव में भाग लेने का अनुरोध किया गया।

समिति के सदस्यों ने बुधवार को मंत्री कोंडा सुरेखा से हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें मंदिर की विशेषताएं बताईं। स्वामी के ब्रह्मोत्सव के तहत 15 जून को अभिषेकम, थिरुमंजनम, विश्वक्सेन पूजा, पुण्य पाठ, रक्षा बंधनम, कली अर्पण, अग्नि प्रतिष्ठा, ध्वजारोहणम, गरुड़ मुद्दा, भेरी पूजा, देवताहवनम आदि, 17 जून को श्री गोदा रंगनाथ स्वामी थिरु कल्याणम 17 जून, शाम रथोत्सव और 18 जून को महा पूर्णाहुति, चक्रस्नानम, देवथोद्वासन, द्वादसाराधना, कुंभ प्रोक्षण और अन्य पूजा कार्यक्रम होंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री कोंडा सुरेखा ने आश्वासन दिया कि प्राचीन मंदिरों की रक्षा की जाएगी और सरकार उनके विकास और भक्तों के लिए सुविधाओं के प्रावधान के लिए सहायता प्रदान करेगी। इस मौके पर मंदिर समिति के सदस्य मुरलीधराचार्य, श्रीधर रेड्डी, सुनील रेड्डी, नरेंद्र रेड्डी, मल्लिकार्जुन, विश्वेश्वर और अन्य ने मंत्री से मुलाकात की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.